@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
रविवार, 5 जनवरी 2025

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 18 अंक 56 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा अस्वीकार्य: सांसद कनिमोझी

चेन्नई, 4 जनवरी। अन्ना विश्वविद्यालय परिसर में छात्रा के साथ कथित यौन उत्पीड़न पर डीएमके सांसद कनिमोझी करुणानिधि ने शनिवार को कहा कि महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा अस्वीकार्य है। हमें समाज के रूप में उस बिंदु पर पहुंचना चाहिए जहां महिलाओं के खिलाफ कोई हिंसा न हो। डीएमके सांसद ने इस मुद्दे पर भाजपा समेत विपक्षी दलों की भी तीखी आलोचना की और उन पर मुद्दे को लेकर राजनीति करने का आरोप लगाया। डीएमके सांसद ने कहा कि यह ऐसी चीज है जिस पर हमें शर्म आनी चाहिए। महिलाओं के खिलाफ किसी भी तरह की हिंसा को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमें बतौर समाज, उस बिंदु पर पहुंचने की जरूरत है जहां महिलाओं के खिलाफ कोई हिंसा न हो, लेकिन दुर्भाग्य से, ऐसा हुआ है। हमें देखना होगा कि क्या किया जाना चाहिए। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि पीड़िता को न्याय मिले। कनिमोझी ने कहा, सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मामले की जांच हो और अदालती कार्यवाही इस तरह से हो कि पीड़िता के लिए स्थिति सकारात्मक हो। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और अन्य विपक्षी दलों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा, मैं विपक्ष और भाजपा से पूछना चाहती हूं कि जब ये हुआ तो वे कहां थे? मणिपुर में अभी भी स्थिति ठीक नहीं है, तो वे सब कहां हैं? उन्हें वहां महिलाओं की चिंता क्यों नहीं है? गौरतलब है कि पिछले सप्ताह, भाजपा ने अन्ना विश्वविद्यालय में यौन उत्पीड़न की घटना को लेकर डीएमके सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने यौन उत्पीड़न की घटना के विरोध में अपने घर के सामने खुद को कोड़े मारे थे। चेन्नई पुलिस ने बताया है कि अन्ना विश्वविद्यालय की छात्रा के साथ बीते दिनों विश्वविद्यालय परिसर में कथित तौर पर यौन उत्पीड़न किया गया। इस मामले एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। 23 दिसंबर को पुलिस को दी गई अपनी शिकायत में छात्रा ने आरोप लगाया कि सोमवार रात करीब 8 बजे, जब वह विश्वविद्यालय परिसर में अपने दोस्त से बात कर रही थी, तब वहां एक अज्ञात व्यक्ति ने उसे धमकाया और उसका यौन उत्पीड़न किया।

जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है: पीएम मोदी

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 4 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज ग्रामीण भारत महोत्सव 2025 का उद्घाटन किया। इस दौरान अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साल 2025 की शुरुआत में ग्रामीण भारत महोत्सव का भव्य आयोजन भारत की विकास यात्रा को दर्शा रहा है। इसके आयोजन के लिए नबार्ड और अन्य सहयोगियों को बधाई। प्रधानमंत्री ने कहा कि आज गांवों के लाखों घरों को पीने का साफ पानी मिल रहा है। लोगों को डेढ़ लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिरों से बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। आज डिजिटल तकनीक की मदद से बेहतरीन डॉक्टर और अस्पताल भी गांवों से कनेक्ट हो रहे हैं। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए जरूरी है कि आर्थिक नीतियां गांव के हर वर्ग को ध्यान में रखकर बनाई जाएं। बीते 10 वर्षों में हमारी सरकार ने ये काम किया है। दो-तीन दिन पहले ही कैबिनेट ने पीएम फसल योजना को एक साल और बढ़ाने को मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि पीएम किसान सम्मान निधि के जरिए देश को किसानों को तीन लाख करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी जा रही है। बीते 10 वर्षों में कृषि ऋण साढ़े तीन गुना बढ़ गए हैं। अब पशुपालकों और मछली पालकों को भी किसान क्रेडिट कार्ड दिए जा रहे हैं। हमने बीते 10 वर्षों में फसलों पर दी जाने वाली को बढ़ाया है। हमने स्वामित्व योजना जैसे अभियान चलाए हैं, जिनके जरिए गांव के लोगों को संपत्ति के दस्तावेज दिए जा रहे हैं। आज गांव के युवाओं को मुद्रा योजना, स्टार्टएप इंडिया, स्टैंड अप इंडिया जैसी योजनाओं के जरिए मदद की जा रही है। किसानों को फसलों का सही दाम मिले, इसके लिए साल 2021 में अलग मंत्रालय का गठन किया गया। पीएम मोदी ने कहा कि हाल ही में एक अहम सर्वे हुआ है, जिसमें पता चला कि साल 2011 की तुलना में अब ग्रामीणों की क्रय शक्ति करीब तीन गुना बढ़ गई है। अब गांव के लोग पहले की तुलना में ज्यादा खर्च कर रहे हैं। आजादी के बाद देश के ग्रामीण खाने पर 50 प्रतिशत आमदनी खर्च कर रहे थे। यह पहली बार है कि यह दर 50 फीसदी तक घट गई है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पूर्व की सरकारों ने दलितों, जनजातियों और पिछड़े वर्ग के लोगों की परेशानियों पर ध्यान नहीं दिया,

जिसके चलते गांवों से पलायन हुआ और गरीबी बढ़ी। गांवों और शहरों में लगातार अंतर बढ़ रहा है। जिन्हें किसी ने नहीं पूछा, उन्हें मोदी ने पूजा है। जिन इलाकों को विकास से वंचित रखा गया, अब वहां समान अधिकार मिल रहे हैं। कल ही स्टेट बैंक ने रिपोर्ट जारी की है, जिसके अनुसार, साल 2012 में भारत में ग्रामीण इलाकों में गरीबी 26 प्रतिशत थी, लेकिन 2024 में यह घटकर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। ग्रामीण भारत महोत्सव का आयोजन 4 जनवरी से लेकर 9 जनवरी तक होगा और इसकी थीम विकसित भारत 2047 के लिए एक लचीले ग्रामीण भारत का निर्माण रखी गई है। इस महोत्सव के दौरान ग्रामीण भारत की उद्यमशीलता की भावना और सांस्कृतिक विरासत का जश्न मनाया जाएगा। इस महोत्सव में विभिन्न चर्चाओं और कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा, जिनके जरिए ग्रामीण बुनियादी ढांचे को बढ़ाने, आत्मनिर्भर अर्थव्यवस्था के निर्माण और ग्रामीण समुदाय में नवाचार को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही इसका उद्देश्य सरकार टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने के साथ ही उद्यमिता के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाना है।

आईआईटी मद्रास के छात्रों से मिले राहुल गांधी

नई दिल्ली, 4 जनवरी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शनिवार को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास के छात्रों से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि युवाओं के बेहतर भविष्य के लिए वर्तमान की शिक्षा प्रणाली पर फिर से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने आईआईटी मद्रास के छात्रों के एक समूह के साथ बातचीत में कहा कि बेहतर भविष्य और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता बनाने के लिए यह जरूरी है कि देश की मौजूदा शिक्षा प्रणाली पर पुनर्विचार किया जाए तथा शिक्षा पर अधिक पैसा खर्च किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा हासिल नहीं की जा सकती। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने बातचीत का यह वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया। उन्होंने कहा, 'मुझे हाल ही में आईआईटी मद्रास के कुछ प्रतिभाशाली युवाओं से बात करने का सौभाग्य मिला। साथ में, हमने जानने की कोशिश की कि सफलता का असली मतलब क्या है। हमने भारत के भविष्य को आकार देने में अनुसंधान और शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका तथा एक ऐसे उत्पादन पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर चर्चा की जो निष्पक्षता, नवाचार और सभी के लिए अवसर को महत्व देता है।' उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अपने युवाओं को शिक्षित करने, बेहतर कल की कल्पना को साकार करने और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता में बदलने के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर फिर से विचार किया जाना चाहिए।

सीएम नीतीश कुमार ने दिया नए साल का तोहफा

सौरभ शर्मा

पटना, 4 जनवरी। नये साल के चौथे दिन यानी शनिवार को सीएम नीतीश कुमार ने गोपालगंजवासियों को बड़ी सौगात दी है। सीएम ने गोपालगंज में गांवों का भ्रमण कर विकास योजनाओं की भी समीक्षा किया। उन्होंने गोपालगंज को 138 करोड़ रुपये की योजनाओं की सौगात की है। उन्होंने 61 योजनाओं का उद्घाटन भी किया। मुख्य रूप से सिधवलिया में 21 करोड़ 60 लाख की लागत से बने औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान का उद्घाटन किया है। इसके बाद सीएम नीतीश कुमार की ओर से कहा गया कि बिहार सरकार ने गोपालगंज जिले में विकास का काफी काम कराया है फिर भी जो कुछ छूट गया है या कमी रह गयी है उसे पूरा किया जायेगा। आइए जानते हैं सीएम नीतीश कुमार ने गोपालगंज में क्या-क्या घोषणाएं की... सीएम नीतीश कुमार ने बताया कि गन्ना किसानों की मांग है कि उन्हें गन्ने के अच्छे दाम दिये जाये। हमने निर्णय लिया हैं कि गन्ने के दाम में 20 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी की जायेगी। इसमें से 10 रुपये प्रति क्विंटल की बढोत्तरी की जा चुकी है। शेष 10 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोत्तरी और की जायेगी जिसका खर्च राज्य सरकार वहन करेगी।

इधर, भ्रमण के दौरान उचकागांव प्रखंड के सलेमपट्टी गांव में लोगों ने आवागमन की समस्या के बारे में बत्ताया। इसके निराकरण के लिए मीरगंज बाजार के बाईपास का निर्माण कराया जायेगा। इससे जिले के विजयीपुर, भोरे, कटेया, फुलवरिया एवं पंचदेवरी प्रखंडों के लगभग 10 लाख लोगों को जिला मुख्यालय आने-जाने में काफी सुविधा होगी। साथ ही मीरगंज बाजार में जाम की समस्या से मुक्ति मिलेगी। भ्रमण के दौरान तुरकाहा गांव में लोगों ने निराकरण के लिए एन.एच-27 से, ग्राम जाम की गंभीर समस्या बताया गया। इसके भोजपुरवा से तुरकाहा एन.एच.-531 तक गोपालगंज बाईपास का निर्माण कराया जायेगा। इसके निर्माण से गोपालगंज जिले का रिंग रोड पूरा हो जायेगा। किसानों द्वारा गन्ना ढुलाई के कारण उत्पन्न होने वाली जाम की समस्या से निजात मिलेगी एवं अस्पताल आने-जाने वाले मरीजों को भी सुविधा होगी। सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि कि सारण तटबंध के बिन्दु 120 किमी से 152 किमी तक सुदृढ़ीकरण एवं पक्कीकरण किया जायेगा। इससे बाढ़ संबंधित सुरक्षात्मक कार्यों में सुविधा होगी। साथ ही लोगों को आवागमन में सुविधा होगी। हाल में कटेया औद्योगिक क्षेत्र में मैंने मिल्क प्रोसेसिंग युनिट का शिलान्यास किया था जहां वाहनों के आवागमन की समस्या है। इसके निराकरण के लिए कटेया औद्योगिक क्षेत्र के विकास हेतु चिन्हित स्थल को विजयीपुर देवरिया सड़क से जोड़ने हेतु बाईपास सड़क का निर्माण किया जायेगा। इससे बड़े वाहनों का परिचालन सुगम होगा एवं आमजनों को आवागमन में सुविधा होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उचकागांव प्रखंड के अंतर्गत नवादा परसौनी से डुमरिया गांव के बीच दहा नदी पर पुल का निर्माण किया जायेगा। इससे लोगों को पूरे वर्ष आने-जाने में सुविधा होगी।

अब तक सात लाख किसान कर चुके आत्महत्या, उनके बच्चों का क्या: डल्लेवाल

कौमी संवाददाता

जींद (हरियाणा), 4 जनवरी। खनौरी बार्डर पर चल रही किसान महापंचायत में आमरण अनशन कर रहे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को स्ट्रेचर से लाया गया है। डल्लेवाल शारीरिक रूप से काफी कमजोर हो चुके हैं। वह खुद बैठ भी नहीं सकते। उनकी लगातार कमजोर हो रही हालात को देखते हुए, मंच पर स्ट्रेचर से संबोधित करवाया जाएगा। खनौरी बॉर्डर पर किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल ने कहा कि अब तक सात लाख किसान आत्महत्या कर चुके हैं। हम किसानों के नेता हैं, लेकिन किसी ने इन किसानों की मौत या आगे और आत्महत्याएं रोकने के लिए कुछ नहीं किया। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि डल्लेवाल की जान बहुत महत्वपूर्ण है। उस दिन मैंने भी कहा था कि डल्लेवाल की जान तो महत्वपूर्ण है, लेकिन उन सात लाख किसानों के बच्चों का क्या होगा जो अब हमारे बीच नहीं हैं?

हालांकि डल्लेवाल बोलने में भी असमर्थ हैं, लेकिन महापंचायत में वह अपनी मांगों को लेकर किसानों को संबोधित जरूर करेंगे। केंद्र सरकार द्वारा की गई वादाखिलाफी से आहत होकर डल्लेवाल आमरण अनशन कर रहे हैं। डल्लेवाल स्ट्रेचर से ही किसानों को सरकार से लड़ने व अपनी मांगों को मनवाने के लिए अपील करेंगे। इसमें कई किसान संगठनों के लोग शामिल हुए हैं। घने कोहरे के कारण किसान बड़ी संख्या में महापंचायत में पहुंचे हैं। फिलहाल किसान नेताओं का मंच से संबोधन जारी है। एमएसपी की कानूनी गारंटी, किसानों के हक और अधिकार, और आंदोलन की आगामी रणनीति पर चर्चा की जा रही है। कई संगठनों के नेता सरकार पर दबाव बनाने के लिए एकजुटता का आह्वान कर रहे हैं। किसानों और केंद्र के बीच गतिरोध खत्म करके बातचीत शुरू की जाए। पंजाब के कृषि मंत्री गुरमीत सिंह ने केन्द्रीय कृषि मंत्री से यह अपील की है। कृषि मंत्री ने कहा कि केंद्र ही किसानों को बातचीत के राजी कर सकता है। केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को सभी राज्यों के कृषि मंत्रियों के साथ नई मंडीकरण नीति को लेकर बैठक की। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा केंद्र सरकार घबरा रही होगी। यह तीन करोड़ पंजाबियों, करोड़ों हरियाणावासियों और 80 करोड़ किसानों और मज़दूरों की लड़ाई है। मोदी सरकार को उनकी आवाज़ का सम्मान करना चाहिए। एमएसपी को कानूनी गारंटी बनानी चाहिए। कर्ज मुक्त किसानों और मज़दूरों का यह संकल्प टूटेगा नहीं। हमारे पास सिर्फ़ दो ही विकल्प हैं- या तो हमें जबरन हटाओ या हमारी माँगें मान लो। हम कहीं नहीं जा रहे हैं।

भारत को परमाणु ताकत बनाने में योगदान: डॉ. राजगोपाल चिदंबरम

तेजिन्दर कौर बब्बर

नई दिल्ली, 4 जनवरी। प्रख्यात भौतिक विज्ञानी डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का शनिवार को निधन हो गया। भारत के 1974 और 1998 के परमाणु परीक्षणों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी। परमाणु उर्जा विभाग (डीएई) ने उनके निधन की पुष्टि की। वह 88 साल के थे और मुंबई के जसलोक अस्पताल में उनका निधन हुआ। डीएई के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। डीएई की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, हम बेहद दुख के साथ यह घोषणा कर रहे हैं कि प्रख्यात भौतिक विज्ञानी और भारत के सबसे प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों में से एक डॉ. राजगोपाल चिदंबरम का आज सुबह 3.20 बजे निधन हो गया। भारत की वैज्ञानिक और रणनीतक क्षमताओं में डॉ. चिदंबरम के अद्वितीय योगदान और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में उनके दूरदर्शी नेतृत्व को हमेशा याद किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनके निधन पर दुख जताते हुए कहा, डॉ. राजगोपाल चिदंबरम के निधन से गहरा दुख हुआ। वह भारत के परमाणु कार्यक्रम के प्रमुख वास्तुकारों में से एक थे और उन्होंने भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। पूरा देश कृतज्ञता के साथ उन्हें हमेशा याद रखेगा और उनके प्रयास आने वाली पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करेंगे। डॉ. चिदंबरम का जन्म 12 नवंबर 1936 को चेन्नई हुआ था और उन्होंने चेन्नई के प्रेसीडेंसी कॉलेज और बंगलूरू के भारतीय

प्रौद्योगिकी संस्थान से पढ़ाई की थी। अपने करियर में डॉ. चिदंबरम विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वह 2001 से 2018 तक भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार, 1990 से 1993 तक भाभा परमाणु अनुसंधान संस्थान (बीएआरसी) के निदेशक, 1993 से 2000 तक परमाणु उर्जा आयोग के अध्यक्ष रहे। वह परमाणु उर्जा विभाग के सचिव भी रहे। इसके अलावा, उन्होंने 1994 से 1995 तक अंतरराष्ट्रीय परमाणु उर्जा एजेंसी (आईएईए) के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के प्रमुख के रूप में भी काम किया। डॉ. चिदंबरम ने भारत के परमाणु कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने 1974 के पहले परमाणु परीक्षण में योगदान दिया और 1998 में पोखरण में दूसरी परमाणु परीक्षण के दौरान परमाणु उर्जा विभाग की टीम का नेतृत्व किया। परमाणु उर्जा विभाग के बयान में कहा गया, उन्होंने 1997 में देश के पहले परमाणु परीक्षण में अद्वितीय भूमिका निभाई और 1998 में दूसरे परमाणु परीक्षण के दौरान डीएई की टीम का नेतृत्व किया। उनके योगदान ने भारत को वैश्विक मंच पर एक परमाणु शक्ति के रूप में स्थापित किया। डॉ. चिदंबरम को साल 1975 में पद्म श्री पुरस्कार से नवाजा गया था। इसके बाद 1999 में उन्हें पद्म विभूषण से भी सम्मानित किया गया। उन्हें विभिन्न विश्वविद्यालयों ने डॉक्टर की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया। वह कई भारतीय और अंतरराष्ट्रीय अकादमियों के फेलो भी रहे। परमाणु उर्जा विभाग के सचिव अजित कुमार मोहंती ने डॉ. चिदंबरम के निधन को अपूरणीय क्षति करार दिया।

टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा महाराष्ट्र के सीएम देवेंद्र फडणवीस से मिले

नई दिल्ली, 4 जनवरी। टाटा ट्रस्ट के चेयरमैन नोएल टाटा ने शनिवार को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से मुलाकात की। दोनों लोगों ने राज्य के आर्थिक विकास में तेजी लाने के लिए टाटा ट्रस्ट और सरकार के बीच सहयोग पर चर्चा की। सीएम फडणवीस ने दक्षिण मुंबई स्थित मुख्यमंत्री के आधिकारिक आवास पर हुई बैठक के बारे में ट्वीट कर जानकारी दी। उन्होंने एक्स पर लिखा, हमने विभिन्न परियोजनाओं पर चर्चा की, ये वो क्षेत्र हैं जहां टाटा ट्रस्ट और महाराष्ट्र सरकार, राज्य के विकास को गति देने के लिए सहयोग कर सकते हैं। मुख्यमंत्री ने टाटा ट्रस्ट और राज्य सरकार के बीच मजबूत और स्थायी साझेदारी को बढ़ावा देने पर विश्वास व्यक्त करने के लिए टाटा को धन्यवाद दिया। नोएल टाटा ने पिछले वर्ष टाटा ट्रस्ट के अध्यक्ष का पद संभाला था। उन्होंने 9 अक्टूबर, 2024 को रतन टाटा के निधन के बाद उनका स्थान लिया था। टाटा ट्रस्ट के पास नमक से लेकर सॉफ्टवेयर बनाने वाले टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस में 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

वाहनों पर रंगीन स्टिकर के आदेश को एनसीआर से बाहर लागू करने पर करेंगे विचार

नई दिल्ली, 4 जनवरी। सुप्रीम कोर्ट ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए वाहनों पर होलोग्राम-आधारित रंगीन स्टिकरों की आवश्यकता पर जोर दिया। कोर्ट ने कहा कि वह इसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के अलावा अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने पर विचार कर रहा है। शीर्ष कोर्ट ने 2018 में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी थी, जिसमें यह प्रावधान था कि पेट्रोल और सीएनजी से चलने वाले वाहनों के लिए हल्के नीले रंग के स्टिकर और डीजल वाहनों के लिए नारंगी रंग के स्टिकर लगाए जाएंगे। यह स्टिकर वाहनों में उपयोग किए जाने वाले ईंधन के आधार पर उसकी पहचान करने में मदद करते हैं और इसमें वाहनों की पंजीकरण की तारीख भी शामिल होती है। कोर्ट ने कहा कि वाहनों के प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिए रंगीन स्टिकरों का इस्तेमाल जरूरी है। यह फैसला ग्रेप को लागू करने के दौरान डीजल वाहनों की पहचान में मदद करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि वह अपनी क्तियों का उपयोग करते हुए इस दिशा-निर्देश को एनसीआर के बाहर अन्य राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में लागू करने पर विचार कर सकता है। इस मामले में अगली सुनवाई 15 जनवरी को होगी। पिछले साल सितंबर में सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली और अन्य एनसीआर राज्यों से होलोग्राम-आधारित रंगीन स्टिकरों के उपयोग को लेकर अनुपालन की जानकारी मांगी थी। कोर्ट ने यह भी कहा था कि दिसंबर 2023 में दिए गए आदेश का ठीक से पालन नहीं किया गया है। कोर्ट ने यह भी गौर किया कि दिल्ली में 27 लाख वाहनों में से करीब 17-18 लाख वाहनों पर ही रंगीन स्टिकर लगे हुए थे। यह मामला तब सामने आया है, जब सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण के मुद्दे पर सुनवाई कर रही थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर अगर किसी आरोपी को अदालत में पेश होने का आदेश (प्रोक्लेमेशन) दिया जाए और वह नहीं आता, तो यह एक अलग अपराध माना जाएगा। भले ही आदेश बाद में खत्म हो जाए, तब भी यह अपराध चलता रहेगा। कोर्ट ने दो जनवरी को यह फैसला सुनाया। यह मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के जून 2023 के फैसले से जुड़ा था।

ख्वाजा के दर पर भेजे गए पीएम मोदी की चादर से अब कोई फायदा नहीं: ओवैसी

नरेश मल्होत्रा

अजमेर, 4 जनवरी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू को अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाने के लिए भेजे जाने पर ढ्ढरूढ्ढरू प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि भाजपा, संघ परिवार और पूरे देश में उनके संगठन कोर्ट जा रहे हैं कि यहां-वहां खोदाई होनी चाहिए। वे कह रहे हैं कि यह मस्जिद नहीं है, वह दरगाह नहीं है। अगर पीएम चाहें तो यह सब बंद हो जाएगा। पिछले 10 साल से भाजपा की सरकार है और नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। सात से ज्यादा मस्जिदें और दरगाहें उत्तर प्रदेश से हैं, जहां भाजपा सत्ता में है और जहां से प्रधानमंत्री सांसद हैं। चादर भेजने से कुछ नहीं होने वाला है। बता दें कि ओवैसी के इस बयान के बाद अजमेर स्थित ख्वाजा मोइनुद्दीन हसन चिश्ती की दरगाह प्रमुख के उत्तराधिकारी ने अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनका बयान एक राजनीतिक नेता के दृष्टिकोण से है और केवल वे ही इसके पीछे की मंशा और संदर्भ को स्पष्ट कर सकते हैं। इसलिए, मैं उनके बयान पर सीधे टिप्पणी नहीं करूंगा। हालांकि, अगर इस तरह की भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जैसा कि आपने उल्लेख किया है कि दरगाह पर चादर भेजने से कुछ हासिल नहीं होता है, तो यह उचित नहीं है।

ख्वाजा गरीब नवाज की पवित्रता में लाखों लोगों की आस्था है। संतों की दरगाह पर चादरें मनोकामना पूरी करने के लिए भेजी जाती हैं और श्रद्धा और सम्मान के प्रतीक के रूप में भेजी जाती हैं। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से अजमेर शरीफ दरगाह पर चादर चढ़ाई। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो जनवरी को केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को एक चादर सौंपी थी, जो 13वीं सदी के सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती के 'उर्स' के अवसर पर अजमेर शरीफ दरगाह पर चढ़ाई जाती है। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने राजस्थान के अजमेर में 813वें उर्स समारोह के दौरान अजमेर शरीफ दरगाह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश भी पढ़ा। दरगाह में चादर चढ़ाते हुए केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि हम आज अजमेर दरगाह आए हैं, और हमारे प्रधानमंत्री ने यहां चादर भेजी है। हम सब बहुत खुशकिस्मत है कि हम आज यहां आए हैं। हम प्रधानमंत्री मोदी की ओर से चादर लेकर आए हैं। मैंने प्रधानमंत्री मोदी का संदेश भी पढ़ा। हमने यहां अमन चैन के लिए दुआ मांगी है। प्रधानमंत्री मोदी का संदेश पढ़ते हुए रिजिजू ने कहा, गरीब नवाज के 813वें उर्स के मौके पर दुनिया भर में उनके अनुयायियों और अजमेर शरीफ में आए सभी श्रद्धालुओं को हार्दिक शुभकामनाएं।

सिर्फ सीएम फडणवीस सक्रिय: सुप्रिया सुले

मुंबई, 4 जनवरी। एनसीपी (एसपी) सांसद सुप्रिया सुले ने तंज कसते हुए कहा है कि महाराष्ट्र में सिर्फ मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ही सक्रिय हैं। सुप्रिया सुले ने कहा कि उन्होंने पिछले 15 दिनों से अजित पवार को नहीं देखा है। साथ ही कहा कि राज्य सरकार में कोई स्पष्टता नहीं है कि कौन क्या कर रहा है। गौरतलब है कि हाल ही में शिवसेना यूबीटी और एनसीपी (एसपी) के नेताओं ने सीएम फडणवीस के गढ़चिरौली जाने की भी तारीफ की थी। शिवसेना यूबीटी ने तो अपने मुखपत्र सामना में एक लेख लिखकर मुख्यमंत्री को सराहा। सुप्रिया सुले ने कहा कि मैंने पिछले 15 दिनों से उनका (अजित पवार) कोई बयान नहीं देखा है। मुझे कोई जानकारी नहीं है कि उनके विभाग में क्या चल रहा है। मुझे टीवी पर मुख्यमंत्री हर दिन दिखते हैं और कल कुछ योजनाओं का एलान करते हुए डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे भी दिखे थे। सरकार में कौन क्या कर रहा है कुछ स्पष्टता नहीं है। कौन काम कर रहा है और कौन नहीं। मुख्यमंत्री ने राज्य के सभी सांसदों को बुलाया और इस बात पर चर्चा की कि हमें राज्य के फायदे के लिए बजट में किन मुद्दों को उठाना चाहिए। दरअसल हाल ही में सीएम फडणवीस ने नक्सल प्रभावित गढ़चिरौली का दौरा किया था। इस दौरान गढ़चिरौली पुलिस मुख्यालय में 11 नक्सलियों ने सीएम के सामने आत्मसमर्पण किया था। इनमें प्रमुख नक्सली नेता तारक्का सिदाम भी शामिल था। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य जल्द ही नक्सलवाद मुक्त हो जाएगा। साथ ही सीएम ने गढ़चिरौली को स्टील सिटी के रूप में विकसित करने की बात भी कही।

पाकिस्तान में 26 नवंबर को हुई हिंसा के केस में 40 आरोपितों को जमानत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद की एक आतंकवाद विरोधी अदालत (एटीसी) ने पिछले साल 26 नवंबर को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा के मामले में नामित 40 और आरोपितों को आज जमानत दे दी। एटीसी जज अबुल हसनत जुल्करनैन ने 5000 रुपये के जमानत बांड पर हर एक की जमानत याचिका को मंजूरी दी। उन्होंने आदेश दिया कि यदि संदिग्धों को अन्य मामलों में गिरफ्तार नहीं किया गया है तो उन्हें रिहा कर दिया जाए। पाकिस्तान के 'एआरवाई न्यूज' चैनल की खबर के अनुसार, इससे पहले एटीसी ने ऐसे ही मामलों में नामित 400 आरोपितों की जमानत याचिकाओं पर फैसला सुनाया। न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने 13 मामलों में 250 आरोपितों की जमानत मंजूर की जबकि 150 अन्य के आवेदन खारिज कर दिए। यह सभी मामले बानी गाला पुलिस स्टेशन, कोहसर थाना, शहजाद टाउन पुलिस स्टेशन और आब पारा थाना क्षेत्र से संबंधित हैं।

माइक जॉनसन फिर अमेरिकी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर चुने गए

वाशिंगटन। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन से रिपब्लिकन पार्टी के नेता और सांसद माइक जॉनसन को दोबारा अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा का स्पीकर चुना गया। उन्होंने तीन मतों के मामूली अंतर से जीत दर्ज की। ' चैनल के अनुसार रिपब्लिकन पार्टी के पास सदन में 219, डेमोक्रेटिक पार्टी के पास 215 सीट हैं। लुइसियाना के चौथे कांग्रेशनल डिस्ट्रिक्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले 52 वर्षीय जॉनसन को 218 और डेमोक्रेटिक पार्टी के हकीम जेफ्रीज को 215 वोट मिले। डोनाल्ड ट्रंप ने जॉनसन को दोबारा स्पीकर चुने जाने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि अभूतपूर्व विश्वासमत हासिल करने के लिए माइक जॉनसन को बधाई। जॉनसन ने कहा कि यह उनके लिए सम्मान की बात है। स्पीकर चुने जाने के फौरन बाद जॉनसन ने 119वीं कांग्रेस के सदस्यों को शपथ दिलाई। एबीसी न्यूज ने सूत्रों के हवाले से प्रसारित खबर में कहा कि ट्रंप ने राल्फ नॉर्मन और कीथ सेल्फ को जॉनसन के पक्ष में मतदान करने के लिए राजी किया। नॉर्मन और सेल्फ के मत ने जॉनसन की जीत का मार्ग प्रशस्त किया।

येओल ने मार्शल लॉ की घोषणा के बचाव में ट्रंप पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला दिया

सियोल। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति यून सुक येओल पर लटक रही हिरासत की तलवार के बीच उनके विधि विशेषज्ञों ने भ्रष्टाचार जांच कार्यालय की जांच के खिलाफ कानूनी बिसात बिछा दी। येओल की कानूनी टीम ने बचाव के रूप में डोनाल्ड ट्रंप पर अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला संवैधानिक न्यायालय के समक्ष दिया। द कोरिया टाइम्स के अनुसार, संवैधानिक अदालत पहुंचे येओल की कानूनी टीम के प्रमुख सदस्य बे जिन-हान ने दावा किया कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की बिनाह पर यून के महाभियोग मुकदमे में फैसले की जरूरत नहीं है। उन्हें अभियोजन से छूट मिलनी चाहिए। यून के महाभियोग मुकदमे में संवैधानिक न्यायालय में प्रस्तुत एक दस्तावेज में कानूनी टीम ने कहा कि यून ने तीन दिसंबर को मार्शल लॉ घोषित करते समय राष्ट्रीय आपातकालीन स्थिति को संभालने के लिए अपनी उचित राष्ट्रपति शक्ति का प्रयोग किया। दस्तावेज में लिखा है, मार्शल लॉ छह घंटे में हटा लिया गया था। इसने लोगों के बुनियादी अधिकारों को प्रतिबंधित नहीं किया। यून के पक्ष ने पिछले साल जुलाई में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट के फैसले की ओर इशारा किया, जिसमें कहा गया था कि ट्रंप पर उन कार्यों के लिए मुकदमा नहीं चलाया जा सकता जो राष्ट्रपति के रूप में उनकी संवैधानिक शक्तियों के भीतर थे। छह-तीन के फैसले में न्यायाधीशों ने निचली अदालत के फैसले को खारिज कर दिया। निचली अदालत ने ट्रंप के कई आपराधिक आरोपों से छूट के दावे को खारिज कर दिया था।

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के बेटे योशिता से सीआईडी ने की पूछताछ

कोलंबो। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के दूसरे बेटे योशिता राजपक्षे आज सुबह बयान दर्ज कराने के लिए आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) पहुंचे। सीआईडी अधिकारियों ने उनसे पूछताछ की। सीआईडी ने उन्हें 28 दिसंबर को भेजे समन में कटारगामा में एक सरकारी स्वामित्व वाली भूमि के स्वामित्व के संबंध में बयान देने के लिए तीन जनवरी को बुलाया था। डेली मिरर समाचार पत्र के अनुसार, सीआईडी ने 27 दिसंबर को पूर्व राष्ट्रपति महिंदा राजपक्षे के पूर्व निजी मुख्य सुरक्षा अधिकारी नेविल वन्नियाराच्ची से चार घंटे तक पूछताछ कर बयान दर्ज किए थे। सीआईडी ने उनसे पूछा था कि उन्होंने इतनी बड़ी मात्रा में संपत्ति कैसे अर्जित की। इसके अगले दिन योशिता को समन जारी किया गया था। सीआईडी इस भूमि के स्वामित्व दस्तावेजों में की गई हेराफेरी की जांच कर रही है। 12 जून, 1988 को जन्मे योशिता श्रीलंकाई खिलाड़ी और पूर्व नौसेना अधिकारी हैं। वो श्रीलंका के प्रधानमंत्री के चीफ ऑफ स्टाफ के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। योशिता राजपक्षे साल 2016 से किसी न किसी मामले में जांच का सामना कर रहे हैं।

गाजा में इजरायली हमलों में चौबीस लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा। गाजा पट्टी पर इजरायली युद्धक विमानों द्वारा किए गए हवाई हमले में कम से कम 24 फिलिस्तीनी मारे गए। इजरायली सेना ने चेतावनी दी कि वह उत्तरी गाजा में एक अस्पताल पर बमबारी करेगी। स्थानीय सूत्रों ने यह जानकारी दी है।

गाजा की नागरिक सुरक्षा ने एक बयान में कहा कि हवाई हमलों ने गाजा शहर के पूर्व में अल-शुजाइया पड़ोस के अल-सैयद अली क्षेत्र में फिलिस्तीनियों के एक समूह को निशाना बनाया जिसमें चार बच्चों और एक महिला सहित सात लोगों की मौत हो गई। बयान में कहा गया है कि इससे पहले दिन में गाजा शहर के पश्चिम में अल-शिफा अस्पताल के प्रवेश द्वार के पास हवाई हमले में पांच लोग मारे गए और अन्य घायल हो गए।

इस बीच अल-अहली अरब अस्पताल ने पुष्टि की कि उसे गाजा शहर के पश्चिम में अल-नस्र स्ट्रीट पर हवाई हमले में मारे गए पांच लोगों के शव मिले हैं। चिकित्साकर्मियों ने कहा कि मेडिकल टीमों ने बाद में अल-

ज़ीटौन और अल-सबरा पड़ोस में हवाई हमलों के बाद तीन बच्चों सहित पांच और शव बरामद किए। मध्य गाजा में अल-ज़वैदा शहर में एक इजरायली हमले में एक नागरिक कार पर हमला होने से दो लोगों की मौत हो गई। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि उनके अवशेषों को दीर अल-बलाह के अल-अक्सा अस्पताल ले जाया गया। उत्तरी गाजा में अल-अवदा अस्पताल ने कहा कि उसे इजरायली सेना से अस्पताल को तुरंत खाली करने या बमबारी का सामना करने का अल्टीमेटम मिला है। अस्पताल ने अपने परिसर के आसपास तीव्र तोपखाने गोलाबारी की भी सूचना दी। इज़रायली सेना ने इन घटनाओं पर तत्काल प्रतिक्रिया जारी नहीं की है। हालाँकि सेना ने कहा कि उसकी वायु सेना ने कमांड सेंटर और नियंत्रण सुविधाओं सहित हमास के 40 ठिकानों पर हमला किया था।

सेना ने हमास पर परिचालन उद्देश्यों के लिए स्कूलों जैसे नागरिक बुनियादी ढांचे का उपयोग करने का आरोप लगाया और इसे गाजा की नागरिक आबादी का निंदनीय शोषण कहा। उल्लेखनीय है कि ये हमले सात अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इज़रायल पर घातक हमास हमले के बाद गाजा में इज़रायल के चल रहे सैन्य अभियान का हिस्सा हैं। हमले में लगभग 1,200 लोग मारे गए और 250 अन्य को बंधक बना लिया गया था। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पिछले दिनों इजरायली हमलों में 77 लोग मारे गए और 145 घायल हुए जिससे अक्टूबर 2023 की शुरुआत में संघर्ष शुरू होने के बाद से मरने वालों की संख्या बढ़कर 45,658 हो गई और 108,583 घायल हो गए।

कजाकिस्तान ने ब्लैक बॉक्स ब्राजील भेजे : टोकायेव

एजेंसी

अस्ताना। कजाकिस्तान ने अकटाऊ शहर के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए अजरबैजान एयरलाइंस (एजेडएएल) के एम्ब्रायर विमान के मलबे से बरामद ब्लैक बॉक्स को ब्राजील भेज दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जांच निष्पक्ष हो। कजाकिस्तान के राष्ट्रपति कासिम-जोमार्ट टोकायेव ने यह जानकारी दी।गौरतलब है कि 30 दिसंबर को कजाकिस्तान परिवहन मंत्रालय ने कहा कि कजाकिस्तान ने ब्लैक बॉक्स को ब्राजीलियाई वैमानिकी दुर्घटना जांच और रोकथाम केंद्र को भेज दिया। जांच के लिए एक सरकारी आयोग की स्थापना की गई है।

इसके अलावा, 17 अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) और अंतरराज्यीय विमानन समिति (आईएसी) के विशेषज्ञ शामिल हैं। कजाख अखबार एना टिली ने श्री टोकायेव का हवाला देते हुए बताया 'सरकारी आयोग ने ब्लैक बॉक्स को ब्राज़ील भेजने का निर्णय लिया है, जहां विमान बनाया गया था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि जांच वस्तुनिष्ठ और निष्पक्ष है।'

गाजा में रात भर हुए इजरायली हवाई हमलों में 33 लोगों की मौत

एजेंसी

गाजा। गाजा में फिलिस्तीनी नागरिक सुरक्षा के प्रवक्ता महमूद बसल ने कहा कि रात भर गाजा में इजरायली हवाई हमलों में कम से कम 33 फिलिस्तीनी नागरिकों की मौत हो गयी। श्री बसल ने बताया कि मध्य गाजा में मघाजी शरणार्थी शिविर में एक घर पर इजरायली बमबारी में नौ फिलिस्तीनी मारे गए और 10 अन्य घायल हो गए, जबकि नुसीरात शरणार्थी शिविर में दो घरों और एक अपार्टमेंट पर इजरायली बमबारी के कारण 11 लोग मारे गए और 20 अन्य घायल हो गए। उन्होंने कहा, मध्य गाजा के दीर अल-बलाह और अल-ज़ावायदा शहरों में तीन घरों पर इजरायली हवाई हमलों में आठ फिलिस्तीनी मारे गए, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है। गाजा में हमास द्वारा संचालित सरकारी मीडिया कार्यालय ने एक बयान में कहा कि अल-जवायदा पर इजरायली हवाई हमले में मारे गए लोगों में पत्रकार उमर अल-दिरौई और उनके

माता-पिता भी शामिल है, जिससे गाजा संघर्ष की शुरुआत के बाद से मारे गए पत्रकारों की कुल 202 संख्या हो गई। श्री बसल ने कहा, दक्षिणी गाजा में, राफा शहर के उत्तर में खिरबेट अल-अदस में एक फिलिस्तीनी सभा पर इजरायली हवाई हमले में दो लोग मारे गए और दो अन्य घायल हो गए। उन्होंने बताया कि गाजा शहर के उत्तर में शेख राडवान पड़ोस में फिलिस्तीनी सभा पर इजरायली हवाई हमले में तीन अन्य लोग मारे गए। इससे पहले इजरायली सेना ने कहा था कि उसने गुरुवार से गाजा भर में हमास द्वारा इस्तेमाल की जाने वाली लगभग 40 साइटों पर छापे मारे हैं। इजरायली रक्षा बल और शिन बेट सुरक्षा एजेंसी ने एक संयुक्त बयान में कहा कि हवाई हमलों ने हमास के कमांड और नियंत्रण केंद्रों को निशाना बनाया, साथ ही हमास के आतंकवादियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले स्थानों को भी निशाना बनाया, जिन्होंने इजरायली सैनिकों और नागरिकों पर हमलों की योजना बनाई और उन्हें अंजाम दिया, इन स्थानों से संचालित 'दर्जनों' आतंकवादियों को मार गिराया।

एफबीआई ने न्यू ऑरलियन्स में 14 लोगों के मारे जाने की पुष्टि की

एजेंसी

ह्यूस्टन । अमेरिका की जांच एजेंसी सघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के अधिकारियों ने कहा कि एक दिन पहले न्यू ऑरलियन्स में नए साल का जश्न मना रहे लोगों पर एक हमलावर ने ट्रक से हमला कर दिया जिसमें 14 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है।

इससे पहले न्यू ऑरलियन्स के कोरोनर डॉ. ड्वाइट मैककेना ने पहले 15 लोगों के मौतों की घोषणा की थी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस अधिकारियों ने हमलावर को मार गिराया था। एफबीआई के आतंकवाद निरोधक प्रभाग के उप सहायक निदेशक क्रिस्टोफर राया ने गुरुवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उनका मानना है कि शम्सुद-दीन बहार जब्बार (42) इस हमले में अकेला ही था। एफबीआई अधिकारियों ने बुधवार को कहा कि वे नहीं मानते कि जब्बार (हमलावर) पूरी तरह से जिम्मेदार था। हम इस बिंदु पर यह आकलन नहीं

करते हैं कि इस हमले में जब्बार को छोड़कर कोई और शामिल है। स्थानीय मीडिया ने अदालती दस्तावेजों का हवाला देते हुए बताया कि ह्यूस्टन में रहने वाले 42 वर्षीय अमेरिकी नागरिक जब्बार ने पहले अमेरिकी सेना में काम किया था और हाल के वर्षों में वित्तीय परेशानियों से जूझ रहा था। उन्होंने कहा कि यह हमला आतंकवादियों की तरफ से एक सुनियोजित हमला था। लुइसियाना के गवर्नर जेफ लैंड्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बॉर्बन स्ट्रीट जैसा हमला कहीं भी हो सकता है और अमेरिकियों की रक्षा के लिए आतंकवाद का खात्मा करना बेहद जरूरी है।

इंडोनेशिया में स्पीडबोट दुर्घटना में आठ लोगों की मौत

एजेंसी

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी मालुकु प्रांत में सेराम बागियान बारात रीजेंसी के जल क्षेत्र में 30 यात्रियों को ले जा रही एक स्पीडबोट के डूबने से आठ लोगों की मौत हो गई, प्रांतीय खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख मुहम्मद अराफा ने यह जानकारी दी। श्री अराफा ने कहा कि स्पीडबोट 'दुआ नोना', स्थानीय समयानुसार सुबह लगभग 10:00 बजे पानी की सतह पर तैर रहे लकड़ी के टुकड़े से टकरा गई, जिससे नाव की पतवार क्षतिग्रस्त हो गयी।

उन्होंने शिन्हुआ को फोन पर बताया कि हादसे में आठ लोग मारे गए। यह दुर्घटना रीजेंसी के एक बंदरगाह से प्रांतीय राजधानी अंबोन सिटी के रास्ते में नाव के रवाना होने के तुरंत बाद हुई। खोज और बचाव अभियान चलाया गया, जिसमें स्थानीय खोज और बचाव कार्यालय के कर्मी, जल पुलिस, स्थानीय स्वास्थ्य विभाग की नावें और सामुदायिक स्वयंसेवक शामिल रहे। श्री अराफा ने कहा कि खराब संचार सेवा ने बचावकर्मियों के बीच समन्वय में बाधा उत्पन्न की है।

पाकिस्तान के कुर्रम में फिर भड़की हिंसा, गोलीबारी में उपायुक्त घायल

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के कुर्रम जिले के उपायुक्त जावेदुल्ला महसूद आज बागान इलाके में हुई गोलीबारी में घायल हो गए। उपायुक्त महसूद जिले में दो कबायली समूहों के बीच छिड़े सशस्त्र संघर्ष को खत्म कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। जियो न्यूज चैनल की खबर के अनुसार, बागान इलाके में युद्धरत जनजातियों के बीच एक जनवरी को हुए शांति समझौता होने के बाद आज अशांत क्षेत्र में फिर हिंसा भड़क उठी। क्षेत्र में शांति बहाल करने के प्रयासों में अहम भूमिका निभा रहे डिप्टी कमिश्नर को अस्पताल ले जाया गया है।

बताया गया है कि जिला उपायुक्त महसूद के नेतृत्व में आज आवश्यक वस्तुओं के वाहनों का काफिला पाराचिनार के लिए रवाना

हुआ। ताल-पाराचिनार सड़क पर पहुंचते ही काफिले पर हुई गोलीबारी में महसूद घायल हो गए। सनद रहे, पहली जनवरी को हुए शांति समझौते के बाद पाराचिनार सहायता भेजने पर सभी पक्षों ने सहमति जताई थी।

इस गोलीबारी की घटना पर खैबर पख्तूनख्वा के मुख्य सचिव नदीम असलम चौधरी ने कहा कि शांति समितियां काफिले की सुरक्षा सुनिश्चित करने और समझौतों का पालन सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं। समितियों में स्थानीय निवासी, आदिवासी बुजुर्ग और सभी संप्रदायों और समुदायों का प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक नेता शामिल हैं।

सरकारी सूत्रों ने खुलासा किया कि स्थानीय निवासियों ने चरणबद्ध प्रक्रिया के तहत 15 दिन के भीतर अपने हथियार सौंपने का वादा किया है। बंकरों को एक माह में नष्ट करने का लक्ष्य है। इस जिले में संघर्ष विराम लागू करने के लिए लंबे समय तक जिरगा में विचार-विमर्श हुआ है। कुर्रम जिले में अलीजई और बागान कबायली समूहों के बीच संघर्ष 22 नवंबर को तब शुरू हुआ, जब पाराचिनार के पास यात्री वैन के काफिले पर हमला हुआ था। इस हमले में 47 लोग मारे गए थे।

दक्षिण कोरिया में जांच इकाई ने राष्ट्रपति सुरक्षा प्रमुख को किया तलब

एजेंसी

सोल। दक्षिण कोरिया की संयुक्त जांच इकाई ने राष्ट्रपति यूं सुक-योल की गिरफ्तारी में बाधा डालने के लिए राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा प्रमुख को तलब किया।

उच्च पदस्थ अधिकारियों के लिए भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ), राष्ट्रीय जांच कार्यालय (एनओआई) और रक्षा मंत्रालय के जांच मुख्यालय से मिलकर बनी जांच इकाई के एक अधिकारी ने संवाददाताओं को बताया कि इकाई ने राष्ट्रपति सुरक्षा सेवा के प्रमुख और उप प्रमुख को शनिवार को पूछताछ के लिए बुलाया है। अधिकारी ने बताया कि राष्ट्रपति सुरक्षा प्रमुख और उप प्रमुख पर श्री योल की गिरफ्तारी के वारंट के निष्पादन में बाधा डालने के आरोप में

मामला दर्ज किया गया है। गौरतलब है कि श्री योल के खिलाफ राजधानी सोल की एक अदालत ने मंगलवार को वारंट जारी किया था।सीआईओ जांचकर्ताओं और पुलिस अधिकारियों के एक समूह ने पहले राजधानी के मध्य स्थित राष्ट्रपति निवास में श्री योल को गिरफ्तार करने का प्रयास किया, लेकिन उन्हें लगभग साढ़े पांच घंटे तक सैकड़ों सुरक्षा सेवा एजेंटों और जवानों के विरोध का सामना करना पड़ा। श्री योल को जांच एजेंसियों ने विद्रोह के आरोप में एक संदिग्ध सरगना के रूप में नामित किया है। उन्होंने पिछले वर्ष 03 दिसंबर की रात को मार्शल लॉ घोषित किया था, लेकिन कुछ घंटों बाद नेशनल असेंबली द्वारा उसे रद्द कर दिया गया था। श्री योल के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव 14 दिसंबर को नेशनल असेंबली द्वारा पारित किया गया था और इसे 180 दिनों तक विचार-विमर्श करने के लिए संवैधानिक न्यायालय को सौंप दिया गया था। इस दौरान श्री योल के अधिकारों पर रोक लगा दी गयी थी।

अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सजा पर फैसला 10 जनवरी को

एजेंसी

न्यूयॉर्क। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को हश मनी केस में 10 जनवरी को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने इस केस में सजा पर फैसला सुनाने के लिए यही तारीख मुर्करर की है। अदालत ने एक पोर्न स्टार को चुप रहने के लिए रकम देने के आरोप में ट्रंप को दोषी ठहराया । द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, जस्टिस जुआन एम. मर्चन ने संकेत दिया कि वह ट्रंप को बिना शर्त बरी करने के पक्ष में हैं। उन्होंने सजा की तारीख तय करते हुए ट्रंप को व्यक्तिगत रूप से या वर्चुअली उपस्थित होने का आदेश दिया। सनद रहे, नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ट्रंप 20 जनवरी को शपथ ग्रहण करेंगे। विधि विशेषज्ञों का मानना है कि उन्हें सजा मिलेगी इसकी संभावना नहीं है।

ट्रंप की 10 जनवरी की पेशी अमेरिका के इतिहास में अलग तरह

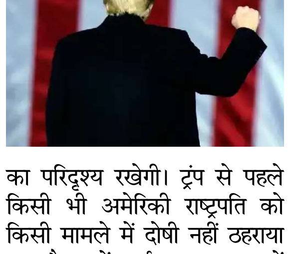

का परिदृश्य रखेगी। ट्रंप से पहले किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को किसी मामले में दोषी नहीं ठहराया गया है। उन्हें शर्मनाक अपराध में दोषी के तौर पर अदालत में पेश होना होगा। वह दोषी के तौर पर राष्ट्रपति पद को शोभायमान करने वाले पहले व्यक्ति होंगे। मैनहट्टन जूरी मई में उन्हें व्यावसायिक रिकॉर्ड में हेराफेरी करने के 34 मामलों में दोषी ठहरा चुकी है। जस्टिस मर्चन ने जूरी के फैसले को पलटने से इनकार करते हुए ट्रंप के इस दावे को खारिज कर दिया कि उनकी चुनावी जीत से उनकी सजा रद्द हो जानी चाहिए। विधि वेत्ताओं का कहना है कि इससे साफ है कि अदालत ने उन्हें बेदाग छवि के साथ व्हाइट हाउस लौटने का अवसर देने से इनकार कर दिया।सजा की तारीख मुर्करर होने के तुरंत बाद ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहा कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को महत्वपूर्ण कर्तव्यों को निष्पादित करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्हें कोई सजा भी नहीं होनी चाहिए। मैनहट्टन जिला अटॉर्नी कार्यालय के एक अधिकारी (जिसने ट्रंप पर मुकदमा चलाया) ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में 30 से अधिक लोगों की मौत

एजेंसी

यरूशलेम। गाजा पट्टी पर पिछले 24 घंटों में इजरायली हमलों में कम से कम 28 लोग मारे गए और 59 घायल हुए हैं। गाजा स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान में कहा गया है, पिछले 24 घंटों में, इजरायली कब्जे ने गाजा पट्टी में परिवारों की पांच सामूहिक हत्याएं की हैं, जिनमें 28 लोग मारे गए और 59 घायलों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

अमेरिका और द. कोरिया के बीच शीर्ष राजनयिक वार्ता छह जनवरी को

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में मची राजनीतिक उथल-पुथल के बीच छह जनवरी को महत्वपूर्ण राजनयिक वार्ता होने जा रही है। दक्षिण कोरिया के विदेश मंत्रालय ने संवाददाताओं को भेजे संक्षिप्त संदेश में कहा कि विदेश मंत्री चो ताए-यूल छह जनवरी को सियोल में द्विपक्षीय वार्ता के लिए अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन से आमने-सामने मुलाकात करेंगे।

द कोरिया टाइम्स के अनुसार, दोनों के बीच गठबंधन, उत्तर कोरिया और अन्य मुद्दों पर बातचीत होने की संभावना है। यह राजनयिक वार्ता अपदस्थ राष्ट्रपति यून सुक येओल को लेकर मचे घमासान के बीच होगी। ब्लिंकन के रविवार से सियोल की दो दिवसीय यात्रा शुरू करने की उम्मीद है। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष द्विपक्षीय गठबंधन, जापान, उत्तर कोरिया से जुड़े त्रिपक्षीय सहयोग और क्षेत्रीय और अन्य वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। ब्लिंकन की यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब दक्षिण कोरिया अमेरिका के साथ अपने गठबंधन और एक विश्वसनीय अंतरराष्ट्रीय भागीदार के रूप में अपनी स्थिति को आश्वस्त करने के लिए काम कर रहा है। यून के अचानक मार्शल लॉ लागू करने की अल्पकालिक घोषणा से चिंता पैदा हो गई कि यह सुरक्षा और अन्य मुद्दों, मुख्य रूप से उत्तर कोरियाई खतरों में वाशिंगटन के साथ सियोल के नीति समन्वय को कमजोर कर सकता है। येओल की इस घोषणा से यह चिंता भी बढ़ गई कि यह घटना जापान के साथ त्रिपक्षीय साझेदारी ढांचे को और मजबूत करने के सहयोगियों के प्रयासों में बाधा उत्पन्न कर सकती है। राजनयिक सूत्रों के अनुसार, ब्लिंकन के सियोल से जापान जाने की उम्मीद है। जापान के विदेश मंत्री ताकेशी इवाया भी 13 जनवरी को दक्षिण कोरिया आ सकते हैं।

एमसीसी ने नेपाल में अपनी परियोजना के लिए अतिरिक्त 50 मिलियन डॉलर को दी मंजूरी

काठमांडू। नेपाल में अमेरिकी परियोजना मिलेनियम चैलेंज कॉर्पोरेशन (एमसीसी) के निदेशक मंडल ने अपनी परियोजना को पूरी करने के लिए 50 मिलियन अमेरिकी डॉलर की अतिरिक्त धनराशि को मंजूरी दी है। एमसीसी की तरफ से जारी बयान में एमसीसी उपाध्यक्ष कैमरन अल्फोर्ड ने कहा कि अतिरिक्त वित्तीय सहायता से नेपाल के बिजली ग्रिड को मजबूत करने, दीर्घकालिक आर्थिक विकास का समर्थन करने और कॉम्पैक्ट की सफलता सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है। एमसीसी एक स्वतंत्र अमेरिकी विकास एजेंसी है जो आर्थिक विकास के माध्यम से वैश्विक गरीबी को कम करने के लिए काम कर रही है। इसका गठन 2004 में किया गया था।

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

भाजपा ने तमिलनाडु सरकार पर लगाया अपराधियों एवं बलात्कारियों को संरक्षण देने का आरोप

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने तमिलनाडु में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर अपराधियों एवं बलात्कारियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि संविधान की दुहाई देने वाला इंडिया समूह संविधान एवं जनता के अधिकारों का हनन कर रहा है। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में द्रमुक पदाधिकारी ज्ञानशेखरन द्वारा अन्ना विश्वविद्यालय में छात्रा के साथ किए गए यौन शोषण की निंदा करते हुए प्रदेश में फैली अराजकता पर राज्य सरकार पर हमला बोला।

तिब्बत में वृहद बांध, दो काउंटी के मसले पर भारत ने चीन से जताया विरोध

नयी दिल्ली। भारत एवं चीन के बीच सीमावर्ती इलाकों में सैन्य जमावड़े को कम करने को लेकर समझौते के बाद संबंधों को सामान्य बनाने की कोशिशों के बीच चीन द्वारा भारत के लद्दाख के अक्साई चिन वाले हिस्से को लेकर दो नयी काउंटी बनाये जाने पर भारत ने चीन के समक्ष कड़ा विरोध दर्ज कराया है तथा तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर विश्व के सबसे बड़े बांध बनाने की घोषणाओं को लेकर गंभीर चिंता जतायी है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में चीन की दोनों घोषणाओं के बारे में पूछे जाने पर यह प्रतिक्रिया व्यक्त की। नयी काउंटियों के बारे में प्रवक्ता ने कहा, हमने चीन के होतान प्रान्त में दो नई काउंटी की स्थापना से संबंधित घोषणा देखी है। इन तथाकथित काउंटियों के अधिकार क्षेत्र के कुछ हिस्से भारत के केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में आते हैं। हमने इस क्षेत्र में भारतीय क्षेत्र पर चीन के अवैध कब्जे को कभी स्वीकार नहीं किया है। नए देशों के निर्माण से न तो इस क्षेत्र पर हमारी संप्रभुता के बारे में भारत की दीर्घकालिक और सुसंगत स्थिति पर कोई असर पड़ेगा और न ही चीन के अवैध और जबरन कब्जे को वैधता मिलेगी। हमने कूटनीतिक चैनलों के माध्यम से चीनी पक्ष के समक्ष गंभीर विरोध दर्ज कराया है।

मीरा भयंदर की महिलाओं को मिलेगा नीति आयोग का सहयोग

नयी दिल्ली । नीति आयोग ने महिला उद्यमियों को सशक्त करने के लिए देश की वाणिज्यिक राजधानी मुंबई के बाहरी इलाके के 'मीरा भयंदर नगर निगम' के साथ साझेदारी की है, जिसमें उन्हें पारंपरिक नाश्ता बनाने के आवश्यक उपकरण, कौशल और अवसर उपलब्ध कराये जाएगें। नीति आयोग ने यहां बताया कि महिला उद्यमिता मंच ने फराल सखी पहल के अंतर्गत मीरा भयंदर नगर निगम में मीरा भयंदर शहर की महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से एक कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की है। यह कार्यक्रम पारंपरिक नाश्ता (स्नैक्स) उत्पादन से जुड़ी महिला उद्यमियों को स्थायी और प्रभावी ढंग से बढ़ाने में सहायता करने के लिए व्यापक प्रशिक्षण और सहयोग देगा।

वाशिंगटन पोस्ट की रिपोर्टें भारत के प्रति जुनूनी शत्रुता से भरीं: विदेश मंत्रालय

नयी दिल्ली । भारत ने मालदीव एवं पाकिस्तान में भारत के कथित गुप्त मिशनों को लेकर अमेरिकी अखबार वाशिंगटन पोस्ट में प्रकाशित रिपोर्टों को निराधार, गैरविश्वसीय एवं भारत के प्रति शत्रुतापूर्ण रवैये वाली करार देते हुए खारिज कर दिया है।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने यहां नियमित ब्रीफिंग में वाशिंगटन पोस्ट की दोनों रिपोर्टों के बारे में पूछे जाने पर कहा, ऐसा लगता है कि अख़बार और रिपोर्टर दोनों ही भारत के प्रति एक जुनूनी शत्रुता रखते हैं। आप उनकी गतिविधियों में एक पैटर्न देख सकते हैं। मैं उनकी विश्वसनीयता का फ़ैसला आप पर छोड़ता हूँ। जहाँ तक हमारा सवाल है, उनकी कोई विश्वसनीयता नहीं है।

श्रीनगर व कलबुर्गी के लिए मोबाइल क्लीनिक को हरी झंडी दिखाई धनखड़ ने

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने जम्मू कश्मीर श्रीनगर और कर्नाटक के कलबुर्गी जिले के लिए एकीकृत मोबाइल क्लीनिक वाहन को हरी झंडी दिखायी। श्री धनखड़ ने उपराष्ट्रपति निवास पर आयोजित एक कार्यक्रम में 'एस्टर डीएम हेल्थकेयर' की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व सीएसआर के अंतर्गत आईओटी-एकीकृत टेली-मेडिसिन सेवाओं के साथ दो अत्याधुनिक मोबाइल क्लीनिक वाहनों को श्रीनगर और कलबुर्गी में तैनाती के लिए रवाना किया। उपराष्ट्रपति ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा, सुलभ स्वास्थ्य सेवा, किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मिशन रहा है और पिछले एक दशक में उन्होंने इस

दिशा में बड़ा बदलाव किया है। उन्होंने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े कार्यक्रमों में से एक आयुष्मान भारत कार्यक्रम लोगों को पांच लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सेवा उपलब्ध कराकर वित्तीय बोझ से राहत देता है। कोई भी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उसकी वित्तीय स्थिति कितनी भी खराब क्यों न हो, उसे यह उपचार मुफ्त मिलेगा। स्वच्छ भारत अभियान हर घर में शौचालय, हर घर में हर नल में पीने योग्य पानी उपलब्ध कराता है, जिसका प्राथमिक ध्यान अच्छे स्वास्थ्य पर है।

श्री धनखड़ ने बताया कि सरकार ने टेलीमेडिसिन की भी शुरुआत की है। यह उल्लेखनीय रूप से सफल रहा है। डायग्नोस्टिक टेस्ट, मेडिकल टेस्ट सभी इंटरनेट के उपयोग के माध्यम से उपलब्ध हैं। हमारी डिजिटल पहुंच ने वैश्विक प्रशंसा प्राप्त की है। उपराष्ट्रपति ने कहा, यह आश्वस्त होना कि आपकी पहुँच के भीतर एक मोबाइल क्लिनिक है, संकट में फंसे लोगों के लिए एक बड़ी राहत है।

आतिशी के खिलाफ कांग्रेस ने अलका लांबा को चुनाव मैदान में उतारा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी के खिलाफ

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा को विधानसभा चुनाव के लिए मैदान में उतारा है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति ने श्रीमती लंबा की उम्मीदवारी का ऐलान किया है। इससे पहले कांग्रेस दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर दो सूची जारी कर चुकी है। पार्टी ने अपनी दिग्गज नेता को कालकाजी सीट से मैदान में उतारा है जहाँ उनका मुक़ाबला दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी से होगा। श्रीमती लंबा ने चांदनी चौक सीट से विधानसभा का पिछला चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लड़ा लेकिन वह हार गई थी। इससे पहले 2015 के चुनाव में आम आदमी पार्टी के टिकट पर वह विधानसभा की सदस्य बनी थीं।

संजय सिंह का बीजेपी पर बड़ा आरोप, कहा- 'चुन-चुन कर आम आदमी पार्टी के'

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी पूरी तरह से ग्राउंड पर एक्टिव हो गई है। आप सांसद संजय सिंह ने नई दिल्ली विधानसभा में डोर टू डोर अभियान चलाकर मतदाताओं को वोटर लिस्ट में अपना नाम जांचने के लिए जागरूक किया। संजय सिंह ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए हुए कहा कि बीजेपी, अरविंद केजरीवाल की नई दिल्ली विधानसभा में चुन-चुन कर आम आदमी पार्टी के समर्थकों के वोट कटवा रही है। संजय सिंह ने कहा, जिन मतदाताओं के वोट बीजेपी ने कटवाए हैं, वह खुद कह रहे हैं कि वे यहीं रह रहे हैं। इलेक्शन कमीश्न को इससे बड़ा और क्या सबूत चाहिए? 40-50 साल से रह रहे लोगों के नाम कटवाए जा रहे हैं। कल को बीजेपी वाले यहां बुलडोजर चलवा देंगे और कहेंगे कि ये यहां रहते ही नहीं हैं।उन्होंने चुनाव आयोग से अपील करते हुए कहा कि चुनाव आयोग को संज्ञान लेना चाहिए और इसकी जांच होनी चाहिए कि कैसे ये साजिश रची गई। बीजेपी वाले हमेशा झूठी बातें करते हैं।

इसलिए आज यहां खुद दिल्ली की जनता को सच्चाई दिखाने के लिए आया हूं। आगे संजय सिंह ने कहा, अरविंद केजरीवाल को हर विधानसभा चुनाव में परंपरागत रूप से अपना वोट देने वाले जो भी मतदाता हैं, उनका वोट टारगेट करके बीजेपी कटवा रही है। जिनका वोट कटवाया है, वे खुद सामने आकर बोल रहे है। बीजेपी बेनकाब हो गई है।

काम की राजनीति भाजपा के लिए आपदा : केजरीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर हमला करते हुए कहा कि दिल्ली में काम की राजनीति भाजपा के लिए आपदा और जनता के लिए आशीर्वाद है। श्री केजरीवाल ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली आए थे और उन्होंने लगभग 43 मिनट का भाषण दिया जिसमें से 39 मिनट उन्होंने दिल्ली के लोगों को और दिल्ली के लोगों द्वारा प्रचंड बहुमत से चुनी हुई सरकार को केवल गालियां देने का काम किया। वर्ष 2015 में दिल्ली के लोगों ने दिल्ली के लिए दो सरकारें चुनी थीं, भाजपा की केंद्र सरकार और आप की दिल्ली सरकार। आप की सरकार को दस साल हो गए हैं। इन दस सालों में हमने शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, पानी, सीवर और सड़क को लेकर इतने काम किए कि मैं कई घंटों तक काम गिना सकता हूं लेकिन भाजपा ने दस साल में एक भी ऐसा काम नहीं किया जिसे आज प्रधानमंत्री अपने भाषण

में जनता को गिना जाते। अगर उन्होंने दस साल में काम किए होते तो शायद आज उन्हें दिल्ली के लोगों को इतनी गालियां देने की जरूरत नहीं पड़ती।

उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पिछले पांच साल के अंदर झुग्गियां तोड़कर 2,78,796 लोगों को बेघर कर दिया। प्रधानमंत्री वादा करके गए थे कि वह पक्का मकान देंगे लेकिन उन्होंने धोखा दिया। इनके नेता झुग्गियों में जाकर सोते हैं और दो महीने के बाद उन्हीं लोगों की झुग्गियों को तोड़कर उनके बच्चों को भरी सर्दी में सड़क के ऊपर सोने को मजबूर कर देते हैं। अगर इन लोगों को वोट दे दिया तो ये 2030 के चुनाव के पहले सारी झुग्गियां तोड़ देंगे। आप नेता ने कहा कि आज प्रधानमंत्री मोदी 10 साल बाद आकर तीन कॉलेजों का शिलान्यास करके गए। अभी कॉलेज शुरू नहीं हुए हैं। आज भूमि पूजन हुआ है। आज उन कॉलेजों की नींव रखी गई है। तीन कॉलेजों की शिला रखने में दस साल लग गए। इन दस सालों में जब आप शिला रख रहे थे, मैंने तब तक 22 हजार क्लासरूम, तीन नई यूनिवर्सिटी, 11 नए वोकेशनल कॉलेज और छह यूनिवर्सिटी कैंपस बना दिए। हमारी काम करने वाली सरकार है। हमारी शिलान्यास रखने वाली सरकार नहीं है जो चुनाव से पहले आती है और शिलान्यास रखकर चली जाती है। श्री केजरीवाल ने कहा कि भाजपा ने सबसे बड़ा धोखा पूर्वांचली समाज के साथ किया है। हमारे उत्तर प्रदेश और बिहार के गरीब भाई दिल्ली में आते हैं। वह पढ़ने या नौकरी ढूंढने आते हैं। उन्हें दिल्ली में रहने के लिए किराए पर जगह नहीं मिलती है तो वह कच्ची कॉलोनियों में अंदर सस्ते किराए रहते हैं या सस्ती जगह खरीद लेते हैं। दिल्ली के अंदर कच्ची कॉलोनियों में मोटे तौर पर सब पूर्वांचल समाज के लोग रहते हैं। दिल्ली के अंदर कच्ची कॉलोनियों में 2014 से पहले कोई काम नहीं होता था। नरक की जिंदगी थी।

अरविंद केजरीवाल ने दस साल में दिल्ली में काम नहीं, भ्रष्टाचार किया : वीरेंद्र सचदेवा

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि अरविन्द केजरीवाल ने दस साल में दिल्ली में काम नहीं, केवल भ्रष्टाचार किए हैं। सचदेवा ने कहा कि जहां एक ओर केन्द्र सरकार ने दिल्ली को यशोभूमि, भारत मण्डपम, ईको पार्क, बांसेरा पार्क, प्रगति मैदान टनल, यूबीआर-दो, रिंग रोड़-तीन, ईस्ट वेस्ट कॉरीडोर, दिल्ली मेरठ हाईवे, अलीपुर बाईपास जैसे अनेकानेक विकास प्रतीक दिये हैं, तो वहीं अम्बेडकर स्थल एवं बिरसा मुंडा चैक जैसे स्मारक और कर्तव्य पथ को नया स्वरूप देकर दिल्ली वालों को अन्तरराष्ट्रीय स्तर के विकास से जोड़ा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ओजस्वी योजनाओं के चलते दिल्ली के युवाओं को दिल्ली एनसीआर में बेहतर रोजगार के अवसर मिल रहे हैं तो वहीं ''गिग वर्कर्स'' के रूप में युवाओं को रोजगार के नये अवसर भी मिल रहे हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है कि इसके ठीक विपरीत अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली को शराब घोटाला, जासूसी घोटाला, पैनिक बटन घोटाला, राशन कार्ड

घोटाला, अस्पताल निर्माण घोटाला, मोहल्ला में दवा एवं जांच घोटाला, स्कूल-क्लास रूम घोटाला जैसे घोटाले दिये हैं। सचदेवा ने कहा कि जहां देश के प्रधानमंत्री ने करोड़ों लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अन्तर्गत घर दिये वहीं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल ने दिल्ली के गरीबों को प्रधानमंत्री आवास योजना एवं आयुष्मान भारत योजना जैसी लाभकारी योजनाओं से वंचित किया है। सचदेवा ने कहा कि जहां प्रधानमंत्री ने करोड़ों को घर दिया वहीं केजरीवाल ने खुद के लिए शीशमहल बनाया और नरेला में गरीबों के लिये बने हुए 40 हजार फ्लैट आवंटित नहीं किए ओर उन्हें खण्डहर कर दिया। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि केजरीवाल शिक्षा की बात करते हैं, दस साल में दिल्ली में एक नया स्कूल नहीं खोला, एक नया कॉलेज नहीं बनाया जबकि केन्द्र सरकार ने दिल्ली में सात नये केन्द्रीय विद्यालय खोले, दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्वी दिल्ली परिसर का निर्माण किया और दो नये कॉलेज एवं विश्वविद्यालय प्रोजेक्ट का शिलान्यास किया। सचदेवा ने अरविन्द केजरीवाल से पूछा है कि वह आज दिल्ली वालों को बतायें कि जब कोविड़ काल में केन्द्र सरकार दिल्ली के लिये विशेष अस्पताल बना रही थी तो उनके अस्पतालों एवं मोहल्ला क्लीनिक ने जनता को क्यों धोखा दिया था।

रोहित वेमुला मामला: जातिगत भेदभाव के आंकड़े छह सप्ताह में पेश करें: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) को देश के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में प्राप्त जातिगत भेदभाव की शिकायतों के कुल आंकड़े जुटाने और उन पर की गई कार्रवाई के बारे में छह सप्ताह के भीतर जानकारी उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सूर्य कांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कथित जातिगत भेदभाव के कारण आत्महत्या के शिकार रोहित वेमुला और पायल तड़वी की माताओं की ओर से दायर 2019 की याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश पारित किया। पीठ ने यूजीसी से यह भी बताने का निर्देश दिया कि कितने केंद्रीय, राज्य, डीम्ड और निजी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों ने 'यूजीसी (उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा) विनियम 2012' के तहत 'समान अवसर सेल' का गठन किया है। साथ ही, इस विनियम के तहत प्राप्त शिकायतों पर कार्रवाई के बारे में जानकारी मांगी है।

अपीलकर्ताओं ने विश्वविद्यालयों में 'बड़े पैमाने पर' जातिगत भेदभाव के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया।

हैदराबाद सेंट्रल यूनिवर्सिटी के पीएचडी स्कॉलर रोहित वेमुला और तमिलनाडु टोपीवाला नेशनल मेडिकल कॉलेज की आदिवासी छात्रा पायल तड़वी ने कथित तौर पर शिक्षण संस्थान परिसर में जातिगत पूर्वाग्रह के कारण क्रमशः जनवरी 2016 और मई 2019 में आत्महत्या कर ली थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि वह मामले को समय-समय पर सूचीबद्ध करेगी, क्योंकि 2019 के बाद इसे 2023 में केवल एक बार सूचीबद्ध किया गया था। याचिकाकर्ता महिलाओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता इंदिरा जयसिंह ने कहा कि मामले की नियमित रूप से निगरानी की जानी चाहिए और शिकायतों से संबंधित आंकड़े शीर्ष अदालत को उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इसके बाद पीठ ने यूजीसी के अधिवक्ता से कहा कि अदालत आंकड़े देखना चाहती है। यूजीसी की ओर से पीठ को सूचित किया गया कि 2004 से 2024 के बीच आत्महत्या से 115 मौतें हुई, जिनमें से जान गवांने वाले कई दलित समुदायों से संबंधित विद्यार्थी थे।

पीठ के समक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता जयसिंह ने अनुरोध करते हुए कहा,उन्हें (यूजीसी) की गई कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने के लिए कहा जाए।

इस पर यूजीसी के अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने सभी पहलुओं पर विचार करने के बाद परिसर में जातिगत भेदभाव के खिलाफ एक पूरी तरह से नया विनियमन तैयार किया है और यह आपत्ति या राय मांगने के लिए सार्वजनिक होगा और उसके बाद इसे अधिसूचित किया जाएगा।

नेता प्रतिपक्ष ने भूजल में प्रदूषण की बढ़ती मात्रा को भयावह बताया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने राजधानी में निरंतर गिर रहे भूजल के स्तर को लेकर अपनी गंभीर चिंता प्रगट की है और इसके लिये दिल्ली सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने पिछले दस साल से अपना सारा वक्त और ऊर्जा भ्रष्टाचार के नये नये तरीके ईजाद करने में लगाई है और सरकार की निष्क्रियता का खामियाजा दिल्ली की जनता को भोगना पड़ रहा है।

विजेंद्र गुप्ता ने 'सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड' की हालिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए दिल्ली सरकार पर भूजल प्रबंधन में विफलता का आरोप लगाया। सरकार की लापरवाही के कारण राजधानी के नागरिक गंभीर भूजल संकट का सामना कर रहे हैं। उन्होंने कहा यदि इस दिशा में तुरंत कदम नहीं उठाए गए तो दिल्ली में स्थिति और बिगड़ सकती है। उन्होंने कहा कि राजधानी के कुछ क्षेत्रों में भूजल का दोहन उपलब्ध मात्रा से भी ज्यादा किया जा रहा है। यह समस्या औद्योगिक और घनी आबादी वाले क्षेत्रों में और गंभीर हो गई है। इस रिपोर्ट के अनुसार साल 2024 में शत प्रतिशत पानी का दोहन हुआ है, जो कि इस भयावह

स्थिति को स्पष्ट करने के लिये काफी है। इसके अलावा भूजल की घटती गुणवत्ता पर भी गुप्ता ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि सेंट्रल ग्राउंड वाटर बोर्ड की इस रिपोर्ट से भूजल की गुणवत्ता की जो तस्वीर सामने आई है वह चौकाने वाली है। भूजल में प्रदूषण का स्तर खतरनाक लेवल पर पहुंच गया है। दिल्ली में 23.3त्न अधिक पाई गई। शाहदरा, उत्तर-पश्चिम और दक्षिण-पश्चिम जैसे क्षेत्रों में समस्या सबसे अधिक गंभीर पाई गई है। इसके अतिरिक्त भूजल में फ्लोराइड और नाइट्रेट का स्तर भी उच्च स्तर पर पहुंच चुका है जो लोगों के स्वास्थ्य के लिये गंभीर खतरा है। क्योंकि ज्यादा फ्लोराइड प्रदूषण से हड्डियों की फ्लोरोसिस जैसी बीमारियाँ हो सकती हैं। पानी में नाइट्रेट का उच्च स्तर भी ब्लू बेबी सिंड्रो जैसी समस्याएं पैदा कर सकता है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार की अनदेखी ने भूजल संकट को विकराल बना दिया है। विशेषज्ञों की चेतावनियों के बावजूद सरकार ने भूजल का दोहन रोकने और भूजल को बढ़ाने की दिशा में कोई ठोस योजना लागू नहीं की। अवैधरूप से बोरवैल से जमीन से पानी निकालने वालों पर सरकार ने कोई नकेल नहीं कसी। जिसके चलते आज भी लाखों अवैध बोरवेल टैंकर माफिया सरकार के संरक्षण में चल रहे हैं। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली की जनता को पर्याप्त और साफ पानी उपलब्ध करवाना सरकार की जिम्मेदारी है और यह बड़े दुख का विषय है कि दिल्ली सरकार अपनी इस जिम्मेदारी को पूरा करने में नाकाम रही है।

नेता विपक्ष ने स्वास्थ्य विभाग के घपलों की जांच में बाधक दिल्ली सरकार पर कार्रवाई के लिए सीवीसी को लिखा पत्र

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार के स्वास्थ्य विभाग में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर केंद्रीय सतर्कता आयोग को पत्र लिखकर की जा रही लापरवाही और जांच में बाधा डालने के लिए दिल्ली सरकार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। केंद्रीय सतर्कता आयोग को भेजे पत्र में गुप्ता ने कहा है कि उन्होंने चार सितम्बर 2024 को सीवीसी को शिकायत भेजकर वर्तमान स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन के कार्यकाल के दौरान स्वास्थ्य विभाग में की गई विभिन्न अनियमितताओं और भ्रष्टाचार को उजागर किया गया था। इस संबध में सीवीसी ने 13 सितम्बर 2024 को नेता प्रतिपक्ष को पत्र द्वारा जानकारी दी गई कि उनकी शिकायत पर कार्रवाई करते हुए इसे जांच के लिए दिल्ली सरकार के मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) को भेज दिया गया है। गुप्ता ने बताया कि दिल्ली सरकार के मुख्य सतर्कता अधिकारी से जो जानकारी मिली है, उसके अनुसार शिकायत की जांच और इस पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए स्वास्थ्य विभाग को भेज दिया गया था। इस मामले में वहां से कोई जवाब न मिलने के बाद सीवीओ की ओर से 23 अक्टूबर 2024 को स्वास्थ्य विभाग को रिमांइडर भेजकर एक सप्ताह के भीतर अपनी जांच रिपोर्ट देने के लिए कहा गया लेकिन आज तक विभाग की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि मेरी शिकायत में उठाए गए सभी मुद्दे सार्वजनिक हित से जुड़े हुए थे, जिनमें अस्पताल परियोजनाओं के पूरा होने में अनावश्यक देरी के कारण लागत में अत्यधिक वृद्धि, योजनाओं के बजट आवंटन में हेरफेर, स्वास्थ्य बजट में कटौती और एचएसएसआई जैसी स्वास्थ्य सूचना प्रबंधन प्रणाली को क्रियान्वित न करने जैसे अनेक मुद्दे शामिल थे। ये सभी मुद्दे सरकारी पैसे के दुरुपयोग और जनता के पैसे में सेंध लगाने की तरफ इशारा करते हैं।

सत्ता में आने पर सभी समस्याओं का समाधान करेगी भाजपा: विजेंद्र गुप्ता

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजेंद्र गुप्ता ने आज दिल्ली के अशोक विहार में आयोजित जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिल्ली के विकास के लिए नया विजन और रोड मैप प्रस्तुत करने के लिए उनका आभार जताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन से दिल्ली वासियों के मन में उम्मीदें जगी हैं और नई आशा का संचार हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा दिल्ली में जन-जन की सेवा के प्रति संकल्पित है और जनता को 'आपदा' वाली सरकार से मुक्ति दिलाकर केंद्र की सभी जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ देने के लिए तैयार है। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि विपक्ष दिल्ली सरकार के जिस भ्रष्टाचार और नाकामियों को हर मंच पर उजागर करता रहा है, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज उस पर अपनी मोहर लगा दी है।गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार 'आपदा' सरकार बन चुकी है, क्योंकि पिछले 10 साल के कुशासन में इस सरकार ने दिल्ली वालों को सिर्फ आपदा ही दी है, इसलिए आपदाग्रस्त दिल्ली को अब इस

सरकार से मुक्ति दिलाने का वक्त आ गया है। उन्होंने दिल्ली की जनता से कहा कि फरवरी में आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा अपना वनवास खत्म कर सत्ता में लौटने वाली है और दिल्ली के दो करोड़ लोग इसके राज्याभिषेक के लिए तैयार बैठे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की 'आयुष्मान भारत योजना' और 'प्रधानमंत्री आवास योजना' का लाभ अब दिल्ली वालों को भी मिल सकेगा। सभी सरकारी अस्पतालों में विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाएं, शिक्षा संस्थानों में आधुनिक और रोजगार परक शिक्षा दिलाना भाजपा की प्राथमिकता होगी। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल के खोखले वादों पर तंज करते हुए कहा कि दिल्ली वालों को अब खोखले वादों का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें लंदन, सिंगापुर और पेरिस जैसी सड़कों की जरूरत नहीं है, बल्कि उन्हें मजबूत, टिकाऊ और गड्ढामुक्त सड़कों की जरूरत है, जिस पर चलकर वाहन चालक अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकें और उन्हें इस तरह की सड़कें उपलब्ध करवाने के लिए भाजपा कृतसंकल्पित है। गुप्ता ने कहा कि भाजपा शराब, शिक्षा, स्वास्थ्य, ट्रांसपोर्ट और जलापूर्ति से जुड़ी योजनाएं बनाकर करोड़ों का भ्रष्टाचार करने वाली इस 'आपदा सरकार' को अपने पापों की सजा दिला कर ही रहेगी। क्योंकि सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों की जांच पूरी होने के बाद आआपा सरकार के भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा जनता के सामने आने वाला है।

कांग्रेस ने जीएसटी संग्रह में गिरावट पर जताई चिंता, कहा- नए बजट में मध्यम वर्ग को कर राहत दी जाए

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश की आर्थिक स्थिति को चिंताजनक बताते हुए सरकार से नए बजट में इस ओर खास ध्यान देने की जरूरत बताई है। पार्टी का कहना है देश के आर्थिक ग्रोथ और जीएसटी संग्रह में गिरावट गंभीर चिंता का विषय है। कांग्रेस के महासचिव (संचार) एवं सांसद जयराम रमेश ने आज यहां एक वक्तव्य में कहा कि देश में आर्थिक मोर्चे पर निराशाजनक स्थिति है। आर्थिक ग्रोथ में गिरावट से लेकर जीएसटी राजस्व संग्रह तक खराब हालत में है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा कि यह वक्त की मांग है कि सरकारी तंत्र अपना ध्यान पॉपकॉर्न पर टैक्स लगाने से हटाकर अर्थव्यवस्था की जटिलताओं से निपटने पर केंद्रित करे। लगभग एक महीने बाद पेश होने वाले केंद्रीय बजट में देश के गरीबों को आय सहायता और मध्यम वर्ग के लिए कर राहत प्रदान की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2024 के ताज़ा आंकड़ों से पता चलता है कि पिछले महीने जीएसटी संग्रह साढ़े तीन साल में दूसरी बार सबसे धीमी गति से बढ़ा है। रिफंड के समायोजन के बाद शुद्ध जीएसटी संग्रह घटकर 3.3 प्रतिशत रह गया है, जो चालू वित्त वर्ष में सबसे कम है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले, मौजूदा वित्तीय वर्ष की पहली तीन तिमाहियों में सरकार ने जीएसटी संग्रह में 8.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है जबकि बजट अनुमान में 11 प्रतिशत की वृद्धि की बात थी। राजस्व संग्रह में यह गिरावट सरकार के लिए मनरेगा जैसे सामाजिक कल्याण के कार्यक्रमों में और कटौती करने की वजह नहीं हो सकती है, वो भी ऐसे समय में जब ग्रामीण मजदूरी स्थिर रही है और खपत में कमी आई है। इसके बजाय सरकारी व्यय को अर्थव्यवस्था के लिए प्रोत्साहन के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए। जयराम रमेश ने कहा कि पिछले महीने के शुद्ध संग्रह में इस नरमी के एक हिस्से के रूप में करदाताओं को रिफंड में 45.3 प्रतिशत की वृद्धि के लिए ज़िम्मेदार ठहराया जा सकता है। कुछ हद तक यह सही भी है लेकिन इन रिफंड्स का एक महत्वपूर्ण भाग धोखाधड़ी से भरे होने की आशंका है। जीएसटी प्रणाली की जटिलता के कारण विशेष रूप से खामियों से भरे सॉफ्टवेयर सिस्टम के साथ मिल जाने पर बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की गुंजाइश होती है।

आजाद चौक युवा संगठन की बैठक आयोजित

एजेंसी

नारनौल। आजाद चौक युवा संगठन की एक महत्वपूर्ण बैठक देर शाम मानक चौक स्थित एसएस जैन सभा में संरक्षक विजय जिंदल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में संगठन के प्रधान लोकेश शर्मा, उप-प्रधान मोहित जिंदल, महासचिव भगत सिंह सैनी, कोषाध्यक्ष मुकेश जैन, प्रचार सचिव अशोक सैनी, और सदस्य प्रिंस अरोड़ा, राकेश गर्ग, सुरेंद्र कुमार, गोपाल मित्तल, नरेश गोगीया और पुनीत जिंदल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। बैठक में 14 जनवरी को मकर संक्रांति पर्व, 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर स्थापना के एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में संध्या आरती और 26 जनवरी को गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया। गणतंत्र दिवस पर झंडा रोहण और देशभक्ति से प्रेरित प्रस्तुतियां मुख्य आकर्षण रहेंगे।

संगठन के महासचिव भगत सिंह सैनी ने बताया कि आजाद चौक के सौंदर्यीकरण के लिए नगर परिषद से संपर्क कर सफाई, पौधारोपण और अन्य सुधार के कार्य करवाए जाएंगे। कोषाध्यक्ष मुकेश जैन ने बैठक का संचालन किया और सभी सदस्यों से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सक्रिय भागीदारी की अपील की।

सांसद ने किसानों के मिट्टी परीक्षण के कार्य को जल्द पूरा करने के दिए निर्देश

नारनौल। गत दिनों आयोजित हुई विकास एवं निगरानी समिति की बैठक में सांसद धर्मबीर सिंह ने कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए थे कि खेतों के मिट्टी परीक्षण के कार्य को जल्द से जल्द पूरा करें। साथ ही सांसद ने परीक्षण के नतीजों को किसानों को पूरे तरीके से समझाना एवं आवश्यक सुझाव देने की बात भी कही थी। सांसद ने कहा था कि मोदी सरकार का लक्ष्य है कि किसान की पैदावार बढ़ाकर भी उसकी आय को बढ़ाया जाए तथा अनावश्यक रूप से खेतों में अधिक कीटनाशक व गलत उर्वरक के इस्तेमाल से बचा जाए। उन्होंने कृषि विभाग के अधिकारियों को ये भी निर्देश दिए कि विभिन्न फसलों में होने वाली बीमारियों की रोकथाम के लिए भी सभी आवश्यक कदम उठाए जाए। इसी क्रम में विकास एवं निगरानी समिति सदस्य संदीप मालड़ा ने नारनौल में स्थापित सोयल टेस्टिंग लैब का निरीक्षण भी किया। संदीप मालड़ा ने बताया कि इस लैब में प्रतिदिन लगभग 500 टेस्ट हो रहे हैं। इसके साथ-साथ अटेली स्थित मिनी लैब का दौरा किया। अटेली अनाज मंडी में भी मिनी लैब स्थापित की गई है।

नूंह जिले में अवैध खनन होने वाले पहाड़ों पर नपेंगे ड्यूटी देने वाले अफसर : विश्राम कुमार

नूंह। नूंह जिले में लगातार आ रही अवैध खनन की शिकायतों को लेकर नूंह जिले के उपायुक्त विश्राम कुमार मीणा सख्त नज़र आ रहे हैं। जिसको लेकर उपायुक्त ने कहा है कि जिले में अरावली के पहाड़ों पर जहां अवैध खनन हो रहा है वहां पर जिन वन विभाग और माइनिंग विभाग के अधिकारियों के साथ साथ अवैध खनन को रोकने के लिए अन्य अधिकारियों को भी ड्यूटी लगी है उनकी जांच कर उनके खिलाफ भी अवैध खनन माफियाओं के साथ साथ कार्रवाई की जाएगी। डीसी विश्राम कुमार मीणा ने कहा कि फिरोजपुर खंड के गांव में हुए 22 अरब के खनन को खनन माफियाओं ने एक दिन में ही चट नहीं किया होगा। अरावली के इस पर्वत पर जिसे चोट किया गया है जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 22 अरब है। इसीलिए इतने बड़े पहाड़ को कोई भी अवैध खनन माफिया इतनी जल्दी चट नहीं कर सकता। जिसमें यहां पर विभागों की ओर से अवैध खनन को रोकने के लिए ड्यूटी लगाए गए अधिकारियों और कर्मचारियों की संलिप्तता को भी नकारा नहीं जा सकता। डीसी ने कहा कि इस मामले की गहनता से जांच की जा रही है। बड़ा मामला है। लेकिन इसमें जो भी दोषी होगा, चाहे वो अधिकारी हो या कर्मचारी या फिर कितना ही बड़ा अवैध खनन माफिया हो उसे बख्शा नहीं जाएगा।

आमजन की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा समाधान : डीडीपीओ

पलवल। प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार जिला प्रशासन की ओर से लगाए जा रहे समाधान शिविरों में आमजन की समस्याओं का तत्परता से निवारण करवाया जा रहा है। समाधान शिविर आमजन की समस्याओं के समाधान में बेहद असरदार व कारगर सिद्ध हो रहे हैं। उपायुक्त डा. हरीश कुमार वशिष्ठ के मार्गदर्शन में जिला सचिवालय स्थित सभागार में सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए गए समाधान शिविर में डीडीपीओ उपमा अरोड़ा ने आमजन की विभिन्न प्रकार की शिकायतें सुनते हुए समाधान के निर्देश दिए।

समाधान शिविर में विद्यार्थियों द्वारा रेडक्रास सोसायटी में संचालित की जा रही ई-लाइब्रेरी का सौंदर्यीकरण करने सहित अन्य सुविधाएं प्रदान करने की मांग की गई, डीडीपीओ ने विद्यार्थियों की मांग को पूरा करने का आश्वासन दिया।उन्होंने बताया कि पलवल में लगाए समाधान शिविर में आई 13 शिकायतों में से 07 शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया गया। वहीं होडल में आई 03 में से 2 शिकायतों का मौके पर निवारण करवा दिया गया। इसके अलावा हथीन में कोई भी शिकायत नहीं आई।

मां शब्द के विराट व अद्भुत स्वरूप के निर्माण से विश्व में बढ़ेगी श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर की महिमा: नायब सैनी

एजेंसी

कुरुक्षेत्र। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कुरुक्षेत्र में श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर में मातृशक्ति को समर्पित माँ शब्द के 51 फुट विराट व अद्भुत स्वरूप की नींव रखी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने देवीकूप भद्रकाली मंदिर में स्थापित शक्तिपीठ पर मंत्रोच्चारण के बीच पूजा अर्चना कर प्रदेशवासियों के लिए सुख शांति और उन्नति के लिए कामना की। मुख्यमंत्री ने कहाकि विश्व प्रसिद्ध श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर के परांगण में %माँ% शब्द के 51 फुट विराट व अद्भुत स्वरूप के निर्माण से मंदिर की महिमा और बढ़ेगी। इस मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए पहुंचने वाले लाखों श्रद्धालु माँ के इस महा गौरव स्थल से प्रेरणा लेकर जाएंगे। मुख्यमंत्री ने महा गौरव स्थल पर भूमि पूजन करने के बाद यज्ञ में आहुति डाली। यहां पर मुख्यमंत्री ने माँ को समर्पित महा गौरव स्थल प्रोजेक्ट के मॉडल का अवलोकन किया और डाक्यूमेंट्री फिल्म के माध्यम से प्रोजेक्ट की बारीकियों

की जानकारी ली। नायब सिंह सैनी ने कहा कि देश के 52 महाशक्ति पीठों में से कुरुक्षेत्र के श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर के परांगण में 'माँ' शब्द के विराट व अद्भुत स्वरूप की स्थापना के लिए भूमि पूजन कर अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है। माँ एक शब्द ही नहीं अपितु माँ ममता, प्रेरणा और प्रेम का अनोखा संगम है। इस संसार में हर साधन व संसाधन की पूर्ति हो सकती है लेकिन माँ शब्द की पूर्ति कभी नहीं हो सकती। माँ की कोख से ही महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी जैसे महान योद्धा पैदा हुए, इसलिए माँ की कल्पना का संसार असीमित है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा गुरुग्राम में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश व प्रदेश का नाम रोशन करने वाले खिलाड़ियों की माताओं को सम्मानित किया गया। अब कुरुक्षेत्र की पावन धरा से पूरे विश्व को माँ के अदभुत और विराट स्वरूप से प्रेरणा मिले, ऐसी परियोजना को अमलीजामा पहनाने का कार्य किया गया है। इस परियोजना के पूरा होने से इस मंदिर की महिमा और बढ़ेगी तथा देश विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को मां से आशीर्वाद लेने के साथ-साथ प्रेरित होने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर और मां के आशीर्वाद से प्रदेश के नागरिकों की सेवा करने का अवसर मिला है। इस विश्व प्रसिद्ध मंदिर में पूजा अर्चना करने के लिए हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे है और यह मंदिर कुरुक्षेत्र की पूरे विश्व में पहचान बनाने में अहम भूमिका अदा कर रहा है। इस मौके पर श्री देवीकूप भद्रकाली मंदिर पीठ अध्यक्ष सतपाल शर्मा, पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने गुप्ति सागर महाराज से लिया आशीर्वाद

एजेंसी

सोनीपत। दिल्ली से चंडीगढ़ जाते समय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जीटी रोड स्थित गुप्ति सागर धाम में पहुंच कर गुप्ति सागर महाराज से भेंट की। मुख्यमंत्री ने गुप्ती सागर महाराज का आशीर्वाद लिया। मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि संतों का जन्म मानव कल्याण के लिए होता है।

संतों की वाणी कभी पुरानी नहीं होती है। उनका उपदेश संपूर्ण जाति के लिए होता है। संतों की वाणी पर चलकर ही देश एवं समाज में शांति कायम हो सकती है। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय बागवानी मंडी में तीव्र गति से निर्माण कार्य पूरा करवाया जाएगा। मंडी में निर्माण कर रही निर्माण एंजेसी से इस संबंध में समीक्षा भी की जाएगी। रैपिड मेट्रो को लेकर मुख्यमंत्री ने कहा इस योजना पर जल्द काम शुरू होगा। रैपिड मेट्रो करनाल तक जाएगी। जिससे जीटी रोड पर ट्रैफिक का दवाब कम होगा और क्षेत्र के लोगों को इसका बहुत लाभ मिलेगा। गन्नौर में कॉलेज के भवन के निर्माण को लेकर कहा कि वह जल्द ही गन्नौर में आएंगे, जिसके बाद सभी मांगो पर सुनवाई कर उनका हल निकालेंगे। मुख्यमंत्री ने

कहा कि प्रदेश में सभी काम गति से चलेंगे। प्रदेश की लोगों की उपेक्षाओं पर सरकार मजबूती से खरा उतरेगी। हमारे विधायकों व सरकारी अधिकारियों की जनता के कामों के प्रतिजवाबदेही है। उन्होंने कहा कि सोनीपत में पिछले दस वर्षों में काफी हाइवे व बाईपास निकले है।

नारनौल कॉलेज में प्रैक्टिकल देने आई छात्रा लापता

एजेंसी

नारनौल। नांगल चौधरी थाना के अंतर्गत आने वाले गांव बीगोपुर से 2 जनवरी को सुबह अपने घर से नारनौल कॉलेज में प्रेक्टिकल देने के लिए आई एक छात्रा लापता हो गई। परिजनों ने काफी जगह तलाश किया, लेकिन कोई भी सुराग नहीं लगा।

छात्रा के लापता होने की पिता ने पुलिस को शिकायत देकर लडक़ी को तलाश करने की गुहार लगाई है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने छात्रा के लापता होने का मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। नांगल चौधरी थाना में पुलिस को दी गई शिकायत में छात्रा के पिता ने बताया कि वह बिगोपुर का रहने वाला है, उसके दो बच्चे हैं। बड़ा लडक़ा व छोटी लडक़ी है। उसकी लडक़ी नारनौल पीजी कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष में पढ़ती है। वह गुरुवार सुबह घर से प्रेक्टिकल देने कॉलेज गई थी। प्रेक्टिकल देने के बाद वह वापस घर पर नहीं आई।

छात्रा के लापता होने की पिता ने पुलिस को शिकायत देकर लडक़ी को तलाश करने की गुहार लगाई है।

जिसके पास फोन भी है। उसके घर नहीं आने पर उन्होंने उसकी कई जगह तलाश की, लेकिन वह कहीं पर भी नहीं मिली। लडक़ी का फोन भी बंद आ रहा है। उसकी लडक़ी की उम्र 19 वर्ष है।

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने लिया जलभराव की स्थिति का जायजा

नूनी शेखपुरा के रास्ते व खेतों का पानी जल्द निकालने के निर्देश

एजेंसी

नारनौल। कोर्ट परिसर के साथ नूनी शेखपुरा की ओर जाने वाले रास्ते पर हो रहे जलभराव की स्थिति को देखने के लिए उपायुक्त डॉ विवेक भारती ने मौके का जायजा लिया। इस मौके पर नगर परिषद की चेयरपर्सन कमलेश सैनी भी मौजूद थी। सबसे पहले डीसी ने कोर्ट परिसर के साथ इस रास्ते के साथ बने नाले का निरीक्षण किया। इसके बाद नूनी अव्वल गांव के नजदीक रास्ते तथा खेतों में हुए जल भराव का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सबसे पहले तुरंत प्रभाव से रास्ते तथा खेतों में खड़े पानी की निकासी की जाए। इस कार्य को

जल्द से जल्द करने के लिए सिंचाई विभाग की सहायता लेते हुए अतिरिक्त पंप सेट लगाएं।

इसके बाद इस समस्या का स्थाई समाधान करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाए। उन्होंने कहा कि जो भी योजना बनाई जाए वह दूर की सोच के अनुरूप बनाई जाए ताकि बार-बार लोगों को परेशानी ना हो।

इस मौके पर डीसी ने नागरिकों से भी आह्वान किया कि वे रास्ते पर अतिक्रमण न करें। कई जगह रास्ते पर अतिक्रमण करने तथा नाले में पॉलिथीन डालने से नाला अवरुद्ध हो गया है। इस अवसर पर नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी दीपक गोयल, एक्सईएन सुंदर श्योराण, जन स्वास्थ्य विभाग के एक्सईएन जितेंद्र हुड्डा के अलावा अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।

सडक़ पर वाहन चलाते समय सुरक्षा नियमों का पालन अवश्य ही करें : विश्राम कुमार मीणा

एजेंसी

नूंह। उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रैडक्रॉस सोसाइटी नूंह विश्राम कुमार मीणा के कुशल मार्गदर्शन एवं सचिव महेश गुप्ता की देखरेख में जिला रैड क्रॉस सोसाइटी ने सडक़ सुरक्षा जीवन रक्षा एवम फर्स्ट एड ज्ञान देता है जीवन दान विषयों पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रूप पॉलिमर प्राइवेट लिमिटेड कंपनी रोजका मेव में किया। जिला रैड क्रॉस सोसाइटी नूंह के जिला प्रशिक्षण अधिकारी महेश मलिक ने सभी उपस्थित 50 कर्मियों को मोटर वाहन संशोधन विधेयक- 2019 की विस्तृत जानकारी दी। जिनमें मुख्यत~ शराब पीकर वाहन ना चलाने, नाबालिग से वाहन ना चलाने, वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करने, आपातकाल वाहन को तुरंत रास्ता देने, आपातकाल नंबरों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वाहन चलाते समय चालक के साथ बैठी सवारी को भी हेलमेट, सीट बेल्ट का इस्तेमाल करना चाहिए। हेलमेट दुर्घटना के समय सीमा

पर खड़े सिपाही की तरह स्वयं चोटिल होकर चालक के जीवन की सुरक्षा करता है। फर्स्ट एड में बेहोशी, घायल को मौके पर प्राथमिक सहायता, हार्ट अटैक, सिक्का निगलना, आगजनी के दौरान धुआं होने, बिजली का करंट, पानी में डूबने, शरीर से बहुत खून बहने की स्थिति में पीड़ित को ट्रांसपोर्ट करने, सांस न आने और हार्ट के कार्य न करने की अवस्था में जीवनदायिनी विधि सी.पी.आर. का प्रयोगात्मक तरीका समझाया तथा सभी उपस्थित अधिकारियों व कर्मियों को इसका अभ्यास कराया। इस कार्यशाला के सफल आयोजन में प्लांट हैड गगनदीप सिंह, एच आर एडमिन वीरेंद्र सिंह, उप प्रबंधक मणि खत्री का काफी योगदान रहा।

युवाओं को अपराध एवं साइबर क्राइम की ओर धकेल रहा है नशा : डीएसपी हरिन्द्र कुमार

एजेंसी

नूंह। नूंह हेडक्वार्टर डीएसपी हरिन्द्र कुमार ने कहा कि जिला नूंह की छवि को सुधारने के लिए यहां के लोगों को अपराध, साइबर क्राइम एवं नशे की लत को छोडऩा होगा । नशा देश की नींव को कमजोर कर रहा है ।

चंद लोगों द्वारा क्राइम करने की वजह से नूंह जिला बदनाम हो रहा है। नूंह डीएसपी हरिन्द्र कुमार गांव अलावलपुर में नशे के प्रति आयोजित एक जागरूक कार्यक्रम में आमजन व बच्चों को यातायात के नियमों, साइबर क्राइम, नशे एवं अन्य प्रकार के अपराधों के बारे में संबोधित कर रहे थे ।

उन्होंने कहा इस कार्यक्रम का उद्देश्य सभी को कानून की पालना कराना एवं नशे के विरुद्ध अभियान चलाना है । पहले भी नूंह पुलिस ने अभियान चलाकर काफी नशा तस्करों को दबोचकर उनके पास से काफी मात्रा में नशा की सामग्री बरामद की है ।

उन्होंने नशा करने से होने वाले सामाजिक, आर्थिक एवं शारीरिक नुकसान के बारे में विस्तार से बताया और कहा कि पुलिस का उद्देश्य स्वस्थ युवां, स्वस्थ समाज, नशा मुक्त हरियाणा बनाने का है । गांव के लोगों/बच्चों ने उप-पुलिस अधीक्षक मुख्यालय नूंह को आश्वासन दिया कि वे अपने गांव में नशाखोरी, सामाजिक कुरीतियों एवं साइबर क्राइम को पूरी तरह से समाप्त करेंगे इस अवसर पर निरीक्षक कुलदीप प्रबंधक थाना सदर नूंह, उप-निरीक्षक राकेश कुमार प्रभारी चौकी जयसिंहपुर, जफर सरपंच गांव जयसिंहपुर तथा गांव के मौजिज व्यक्ति, युवा/बच्चों सहित काफी लोग मौजूद रहे ।

सावित्री बाई फुले द्वारा जलायी गयी ज्योति आज के समय में और अधिक प्रासंगिक: राव नरबीर सिंह

एजेंसी

गुरुग्राम। उद्योग एवं वाणिज्य, पर्यावरण, वन एवं वन्य जीव मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि शिक्षा समाज के जागरण में मुख्य भूमिका निभाती है। ऐसे में हमारी युवा शक्ति को सावित्रीबाई फुले के जीवन मूल्यों को आत्मसात करते हुए समाज के उत्थान में अपना महत्वपूर्ण योगदान देना चाहिए।

कैबिनेट मंत्री देश की प्रथम महिला अध्यापक एवं समाज सेविका सावित्रीबाई फुले की जयंती पर गांव झाड़सा में आयोजित कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भर में यह प्रमाणित हो चुका है कि शिक्षा हर एक नागरिक का सम्पूर्ण विकास करती है। जिसके चलते महिलाओं के लिए शिक्षा का महत्व और भी ज्यादा जरूरी हो जाता है। जो समाज जितना अधिक शिक्षित होगा उसके विकास की आधारभूत संरचना उतनी की दृढ़ होगी।

राव नरबीर सिंह ने कहा कि समाज का ढांचा जैसा होगा शिक्षा उतनी ही महत्वपूर्ण हो जाती है। सावित्री बाई फुले के द्वारा जलायी गयी ज्योति आज

के समय में और अधिक प्रासंगिक है। क्योंकि जिस समाज के भीतर स्त्रियां अधिक जागरूक होती है वह समाज कहीं अधिक विकसित होता है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद भी महिलाओं को उनके अधिकारों के लिए एक लंबा संघर्ष करना पड़ा। ऐसे में जब देश में राजनीतिक गुलामी के साथ-साथ सामाजिक गुलामी का भी दौर था, तब सावित्रीबाई फुले ने शिक्षा के महत्व को जाना, समझा और महिलाओं की आज़ादी के नए द्वार खोलकर उनमें नई चेतना का सृजन किया जो हम सभी के लिए आज भी प्रेरणा का विषय है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि हमें सावित्रीबाई फुले का योगदान सिर्फ कुछ जातियों के विकास तक सीमित रखने के दृष्टिकोण से नही देखना चाहिए। उन्हें सिर्फ समाज सुधारक कहकर उनके द्वारा किए गए कार्यों को सीमित नहीं किया जा सकता। सावित्रीबाई ने स्त्री जीवन को गौरवान्वित कर सामाजिक न्याय का जो पथ प्रदर्शन किया था।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उन्ही विचारों से प्रेरणा लेकर प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के साथ साथ सर्व समाज के हितों को ध्यान में रखते हुए निरन्तर उनके सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री जिस मिलनसार व्यक्तित्व के साथ अथक मेहनत करते हुए हरियाणा प्रदेश की सेवा के लिए प्रयासरत हैं। निश्चित रूप से हरियाणा आने वाले पांच वर्षों में विकास के नए आयाम को छूएगा। कैबिनेट मंत्री ने इस दौरान पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सर्व समाज से सामूहिक सहयोग का आह्वान भी किया।

इस अवसर पर बादशाहपुर के एसडीएम अंकित कुमार चौकसे, संयुक्त आयुक्त अखिलेश यादव, दुष्यंत सैनी एडवोकेट, मंजीत जेलदार, सुंदर गहलोत, ताराचंद सैनी, जय सिंह, पवन, सहित अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में शिकायतों पर निगमायुक्त ने की सुनवाई

एजेंसी

गुरुग्राम। समाधान शिविर में निगमायुक्त अशोक कुमार गर्ग ने 13 शिकायतों की सुनवाई की। अधिकारियों से कहा कि वे सीवरेज व एनफोर्समेंट से जुड़ी शिकायतों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करें। इसके साथ ही समाधान शिविर में प्रॉपर्टी टैक्स डाटा से जुड़ी शिकायतों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित कराया जा रहा है, ताकि नागरिकों को बेवजह चक्कर काटने ना पड़ें।

निगमायुक्त ने कहा कि हमारा उद्देश्य नागरिकों को बेहतर सुविधाएं मुहैया कराना है तथा इसके लिए पूरी गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जिन शिकायतों के समाधान में समय लगना है, वहां पर तुरंत ही अंतरिम राहत की व्यवस्था करें तथा एस्टीमेट व टेंडर आदि की प्रक्रिया निर्धारित समयसीमा में पूरी कराएं। वहीं एनफोर्समेंट विंग से जुड़ी शिकायतों के बारे में अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि वे मौका निरीक्षण करके नोटिस आदि की प्रक्रिया पूरी करते हुए अतिक्रमण व अनाधिकृत निर्माण के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कराएं। न्यू पालम विहार से आए नागरिकों की शिकायत सुनने

के दौरान निगमायुक्त ने मौके पर ही उपस्थित कार्यकारी अभियंता, सहायक अभियंता, जोनल टेक्सेशन अधिकारी तथा प्लानिंग विंग के अधिकारियों से कहा कि वे क्षेत्र का संयुक्त दौरा करें तथा उस दौरान क्षेत्र के सक्रिय नागरिकों को भी इसमें शामिल करें।

सीटीएम ने समाधान शिविर में 10 शिकायतों का किया निपटारा

एजेंसी

गुरुग्राम। लघु सचिवालय के सभागार में शुक्रवार को सीटीएम कुंवर आदित्य विक्रम की अध्यक्षता में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 23 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से मौके पर दस शिकायतों का निपटारा किया गया। अन्य के लिए समय सीमा निर्धारित कर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

सीटीएम कुंवर आदित्य विक्रम ने बताया कि इन समाधान शिविरों में परिवार पहचान पत्र, प्रॉपर्टी आईडी, जमीन की रजिस्ट्री, शहरी निकाय विभाग से नक्शे की मंजूरी, पेंशन, राशन कार्ड एवं सार्वजनिक वितरण व्यवस्था, अपराध, बिजली-पानी संबंधी आदि शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया जा रहा है। सीटीएम ने कहा कि सभी अधिकारी जनसमस्याओं के समाधान को लेकर संवेदनशीलता से कार्य करें और नागरिकों को सरकारी कार्यालयों में ज्यादा चक्कर न लगवाएं व उनकी समस्याओं का यथाशीघ्र समाधान करें। सीटीएम ने कहा कि समाधान शिविर नागरिकों एवं प्रशासन के बीच बेहतर संबंध स्थापित करने में

कारगर साबित हो रहे हैं। नागरिक बेझिझक अपनी समस्याओं को लेकर शिविर में पहुंच रहे हैं, जिससे प्रशासन को नागरिकों की समस्याओं का पता लग रहा है। मौके पर ही सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहते हैं ताकि शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जा सके।

शीत लहर के प्रकोप से पशुपालक करें अपने पशुओं का बचाव

एजेंसी

पलवल। डीसी डा. हरीश कुमार वशिष्ठ ने बताया कि मौसम में बदलाव हो रहा है। बढ़ती ठंड के कारण पशुओं में भी ठंड से होने वाली बीमारियों की संभावना बढ़ जाती हैं। ठंड के तनाव के कारण दुधारू पशुओं में दुग्ध क्षमता घटने लगती है। इसलिए सर्दी के मौसम में इंसानों के साथ-साथ पशुओं को भी ठंड से बचाना बहुत जरूरी है। पशुओं को ठंड की मार से बचाने के लिए पशुपालन विभाग की ओर से पशुपालन के संबंध में एडवाइजरी जारी की गई है, जिसके अनुसार पशुपालक विशेष सावधानियां बरतकर अपने पशुओं को ठंड के कारण बीमार होने से बचाव कर सकते हैं।

पशुपालन विभाग के उपनिदेशक डा. विरेंद्र सहरावत ने जानकारी देते हुए बताया कि ठंड की चपेट से पशुओं को बचाने के लिए पशुपालक संतुलित चारे की मात्रा बढ़ाएं तथा गुड़ की मात्रा भी बढ़ाए। पशुओं को रात का रुका हुआ पानी न दे, हो सके तो ताजा पानी या गुनगुना पानी ही पिलाएं। उन्होंने बताया कि सर्दियों के मौसम में विशेष तौर से छोटे पशुओं में निमोनिया होने की संभावना बढ़ जाती है तथा बड़े पशुओं में ठंड के लक्षण आने लगते है, जिसके कारण पशु की नाक से पानी गिरना शुरू हो जाता है तथा पशु का तापमान गिर जाता है और पशु चारा छोड़ देता है। निमोनिया के कारण सांस लेने में कठिनाई होती है तथा उत्पादन कम हो जाता है।

उन्होंने बताया कि यदि पशुओं को बीमारी के लक्षण दिखाई देते हैं तो नजदीकी पशु चिकित्सालय में संपर्क करें। उन्होंने कहा कि दूध देने वाले पशुओं को व ब्याने वाले पशुओ को सामान्य पशु से ज्यादा ऊर्जा की जरूरत होती हैं। इसलिए उनके संतुलित चारे की मात्रा को बढ़ाना चाहिए और खनिज मिश्रण को भी डालना चाहिए। ठंड से पशुओं का बचाव करके ही पशुपालक उन्हें बीमार होने से बचाव सकते हैं। सर्दी से पशुओं को बचाने के लिए यह भी बताया कि बाड़े को चारो तरफ से ढककर रखें, ताकि सर्द हवाएं सीधे पशुओं को न लगें। बाड़े में पशुओं के मूत्र को एकत्रित न होने दें ओर सफाई का विशेष ध्यान रखें।

उद्योग व्यापार विभाग ने स्टार्टअप पॉलिसी फोरम के साथ किया समझौता

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में स्टार्टअप वातावरण को और मजबूत तथा जीवंत बनाने के लिए वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने भारत की अग्रणी नई पीढ़ी की कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक प्रतिष्ठित उद्योग संगठन- स्टार्टअप पॉलिसी फोरम (एसपीएफ) के साथ सहयोग के लिए समझौता किया है। मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार स्टार्टअप पॉलिसी फोरम की बैठक 15-16 जनवरी को भारत मंडपम में राष्ट्रीय स्टार्टअप सप्ताह समारोह के रूप में आयोजित की जाएगी। इसमें स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापक और नीति निर्माता शामिल होंगे। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह कार्यक्रम उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग और स्टार्टअप पॉलिसी फोरम सदस्यों के बीच नए सहयोग की घोषणा करने के लिए एक सार्थक मंच प्रदान करेगा। स्टार्टअप पॉलिसी फोरम उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के साथ मिलकर विशेष इमर्सिव कार्यक्रम आयोजित करेगा, जिससे वैश्विक निवेशक भारतीय स्टार्टअप के साथ जुड़ सकेंगे और देश भर में उभर रहे अभूतपूर्व नवाचारों को प्रत्यक्ष रूप से देख सकेंगे।

आरपीजी समूह को विदेश में बिजली प्रेषण, वितरण परियोजनाओं के 1097 करोड़ रुपये के आर्डर

मुंबई। आरपीजी समूह की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कारोबार करने वाली अवसंरचना निर्माण कंपनी केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और अमेरिकी देशों से बिजली ट्रांसमिशन एवं वितरण (टीएंडडी) परियोजनाओं के कुल 1097 करोड़ रुपये के आर्डर मिले हैं। कंपनी की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार केईसी इंटरनेशनल को यूएई में 400 केवी ट्रांसमिशन लाइनों की स्थापना का ठेका मिला है। इसी तरह कंपनी को अमेरिका, मैक्सिको और ब्राजील में टावरों, हार्डवेयर और खंभों की आपूर्ति के आर्डर मिले हैं। केईसी इंटरनेशनल लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) विमल केजरीवाल ने टिप्पणी की, ÷ पश्चिम एशिया और और अमेरिकी क्षेत्र के इन ऑर्डरों ने हमारी अंतर्राष्ट्रीय टीएंडडी ऑर्डर बुक मजबूत हुई है। यह भारत में टीएंडडी परियोजनाओं के लिए हमारी मजबूत ऑर्डर बुक के अतिरिक्त हैं। इन आर्डरों के साथ इस वर्ष अब तक हमें 19,500 करोड़ रुपये से अधिक आर्डर प्राप्त हो गए हैं जिनमें 72 प्रतिशत टीएंडडी परियोजनाओं के लिए हैं।

चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण में ईवी को अपनाना 'एक जन आंदोलन': गोयल

नयी दिल्ली । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भारत में ईवी (इलेक्ट्रिक वाहन) को अपनाने में तेजी लाने के लिए चार्जिंग बुनियादी ढांचे के साथ बैटरी स्वैपिंग सुविधाओं की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि चार्जिंग बुनियादी ढांचे के निर्माण के नेतृत्व में ईवी को अपनाना 'एक जन आंदोलन' होना चाहिए। श्री गोयल यहां भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा सह-आयोजित 'बैटरी चार्जिंग और स्वैपिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास' पर परामर्श बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में ऑटोमोबाइल, बैटरी, बैटरी चार्जिंग और बैटरी स्वैपिंग कंपनियों के प्रमुख उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया।चर्चा में केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात राज्य मंत्री भूपति राजू श्रीनिवास वर्मा, डीपीआईआईटी सचिव अमरदीप सिंह भाटिया और बिजली, पर्यावरण, सड़क परिवहन और राजमार्ग और भारी उद्योग मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। बैठक के दौरान अमारा राजा एडवांस्ड सेल टेक्नोलॉजीज, सन मोबिलिटी, टीवीएस मोटर कंपनी, गोरोगो, एथर एनर्जी, महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड, हीरो मोटोकॉर्प और बजाज ऑटो के वरिष्ठ प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

संपत्तियों की ई-नीलामी के लिए पुनर्निर्मित 'बैंकनेट' ई-नीलामी पोर्टल का शुभारंभ

नयी दिल्ली। वित्त मंत्रालय के वित्तीय सेवाएं विभाग(डीएफएस) के सचिव एम. नागराजू ने आज यहां पुनर्निर्मित ई-नीलामी पोर्टल 'बैंकनेट' का शुभारंभ किया जहां ई-नीलामी पोर्टल पर सूचीबद्ध आवासीय संपत्तियों जैसे फ्लैट, स्वतंत्र घर और खुले भूखंडों के साथ-साथ वाणिज्यिक संपत्तियां, औद्योगिक भूमि और भवन, दुकानें, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कृषि और गैर-कृषि भूमि की नीलामी की जायेगी। इस अवसर पर ऋण वसूली अपीलीय न्यायाधिकरणों के अध्यक्ष, ऋण वसूली न्यायाधिकरणों के पीठासीन अधिकारी, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) के एमडी और सीईओ, भारतीय बैंक संघ के उप सीईओ, पीएसबी एलायंस लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारी और डीएफएस के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। यह प्लेटफ़ॉर्म सभी पीएसबी से ई-नीलामी संपत्तियों के बारे में जानकारी एकत्रित करता है और खरीदारों और निवेशकों को विभिन्न प्रकार की संपत्तियों की खोज करने के लिए एक स्थान पर सुविधा देता है। सूची में आवासीय संपत्तियाँ जैसे कि फ्लैट, स्वतंत्र घर और खुले भूखंड, साथ ही वाणिज्यिक संपत्तियाँ, औद्योगिक भूमि और भवन, दुकानें, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कृषि और गैर-कृषि भूमि शामिल हैं। इन सभी विवरणों को एक स्थान पर एकत्र करके, यह संपत्ति ई-नीलामी खोजने और उसमें भाग लेने की प्रक्रिया को सरल बनाता है, जिससे खरीदारों और निवेशकों के लिए अवसरों की पहचान करना आसान हो।

क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक का आईपीओ 07 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 275-290 रुपये प्रति शेयर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। रेलवे सुरक्षा कवच बनाने वाली क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड कंपनी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 7 जनवरी को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्?य का दायरा (प्राइस बैंड) 275-290 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ के जरिए कंपनी 290 करोड़ जुटाना चाहती है। कंपनी ने जारी बयान में कहा कि क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 7 जनवरी, 2025 को खुलेगा। निवेशक इस इश्यू के लिए 9 जनवरी तक बोली लगा सकेंगे। कंपनी के शेयर 14 जनवरी को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

(एनएसई) पर लिस्ट होंगे।क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड के मुताबिक निवेशक इस इश?यू में मिनिमम 50 इक्विटी शेयर या उसके मल्टीपल में बोलियां लगा सकते हैं। खुदरा निवेशक के लिए न्यूनतम निवेश राशि 14 हजार 500 रुपये है। ये आईपीओ पूरी तरह से 290 करोड़ रुपये का एक फ्रेश इश्यू है, जिसमें ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) जैसी कोई पेशकश नहीं है। कंपनी इश्यू से मिलने वाले फंड में से 149.72 करोड़ रुपये का इस्तेमाल लॉन्ग टर्म वर्किंग कैपिटल जरूरतों की फंडिंग के लिए करेगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के विकास लिए 24.37 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। वहीं, कंपनी 23.61 करोड़ रुपये वर्किंग कैपिटल अवधि ऋण के सभी या आंशिक हिस्से का पूर्व भुगतान और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य को पूरा करने के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि क्वाड्रेंट फ्यूचर टेक लिमिटेड रिसर्च बेस्ड कंपनी है। यह भारतीय रेलवे के लिए न्यू जनरेशन के ट्रेन नियंत्रण और सिग्नलिंग सिस्टम तैयार करती है। ये सिस्टम रेल यात्रियों को हाईएस्ट लेवल की सुरक्षा और विश्वसनीयता प्रदान करता है। इसके साथ ही इलेक्ट्रॉन बीम विकिरण केंद्र के साथ एक विशेष केबल विनिर्माण सुविधा भी प्रोवाइड करता है। कंपनी के प्रमोटर मोहित वोहरा, अमित धवन, अमृत सिंह रंधावा, रूपिंदर सिंह, विशेष अबरोल और विवेक अबरोल, एक जोत सिंह और राजबीर सिंह रंधावा हैं।

लगातार चौथे हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 640.28 अरब डॉलर पर

एजेंसी

मुंबई/नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार चौथे हफ्ते गिरावट दर्ज आई है। देश का विदेश मुद्रा भंडार 27 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में 4.11 अरब डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर पर आ गया है। इससे पिछले हफ्ते विदेशी मुद्रा भंडार 8.48 अरब डॉलर घटकर 644.39 अरब डॉलर रह गया था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 27 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में देश का विदेश मुद्रा भंडार 4.11 अरब डॉलर घटकर 640.28 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 4.64 अरब डॉलर घटकर 551.92 अरब डॉलर रह गईं। वहीं, स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 54.1 करोड़ डॉलर बढ़कर 66.27 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक 27 दिसंबर को समाप्त हफ्ते में विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 1.2 करोड़ डॉलर घटकर 17.87 अरब डॉलर रह गया है। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 4.22 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रह गया। देश के विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से आ रही गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए आरबीआई का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है। उल लेखनीय है कि सितंबर, 2024 के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के रिकॉर्ड उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था।

सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन महंगा हुआ सोना, चांदी की भी बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज लगातार तीसरे दिन सोना महंगा हुआ है। सोने की तरह ही चांदी के भाव में भी आज तेजी आई है। सोने की कीमत में आज 800 रुपये से लेकर 870 रुपये प्रति 10 ग्राम की उछाल दर्ज की गई है। सोने के भाव में आई तेजी की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,350 रुपये से लेकर 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये से लेकर 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 2,000 रुपये प्रति किलोग्राम तेजी आई है, जिसके कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत 92,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा

है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,250 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,650 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,350 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,750 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 79,200 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना आज 72,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

संपत्तियों की ई-नीलामी के लिए नया पोर्टल बैंकनेट लॉन्च, एक प्लेटफॉर्म पर मिलेगी सारी जानकारी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने वाणिज्यिक संपत्तियों, औद्योगिक प्लॉट, कृषि और गैर कृषि भूमि, वाहनों तथा दुकानों की ई-नीलामी के लिए बैंकनेट के नाम से नया पोर्टल लॉन्च किया। ये पोर्टल सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से ई-नीलामी वाली संपत्तियों का पूरा ब्योरा इकट्ठा करके खरीदारों और निवेशकों के लिए एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराएगा। वित्त मंत्रालय के अनुसार इस पोर्टल पर खरीदार और निवेशक एक ही स्थान पर अपनी आवश्यकता के अनुसार संपत्ति को खोज सकेंगे। पोर्टल पर संपत्तियों की सूची में फ्लैट, इंडिपेंडेंट हाउस और ओपन प्लॉट जैसी आवासीय संपत्तियों का तो उल्लेख होगा ही, इसके साथ ही वाणिज्यिक संपत्तियां, औद्योगिक भूमि, औद्योगिक भवन, दुकान, वाहन, मशीनरी तथा कृषि एवं गैर कृषि भूमि को भी इस सूची में शामिल किया जाएगा। ये पोर्टल ई-नीलामी के लिए उपलब्ध संपत्तियों के विवरणों को एक स्थान पर एकत्र करके उन्हें खोजने और उनके लिए होने वाली ई-नीलामी में भाग लेने की प्रक्रिया को सरल बनाएगा, जिससे खरीदारों और निवेशकों के लिए अवसरों की पहचान करना आसान हो

जाएगा। इस मौके पर वित्त मंत्रालय में वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराजू ने कहा कि इस ई-नीलामी प्लेटफॉर्म की शुरुआत से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वसूली प्रक्रिया में काफी सहायता मिलेगी, जिससे बैंकों की बैलेंस शीट में सुधार होगा और व्यवसायों और व्यक्तियों के लिए ऋण उपलब्धता बढ़ेगी। उन्होंने इस पहल में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, भारतीय दिवाला एवं ऋण शोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) और ऋण वसूली न्यायाधिकरणों (डीआरटी) द्वारा निभाई गई महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित किया और कहा कि उनका सहयोग इस मंच की सफलता की कुंजी है। नागराजू ने कहा कि इस प्लेटफॉर्म से संकटग्रस्त संपत्तियों का मूल्यांकन करके और निवेशकों का विश्वास बढ़ाकर समग्र आर्थिक माहौल को बेहतर बनाया जा सकेगा। प्रौद्योगिकी के उपयोग से ये प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, कुशल और सुलभ होगी। संशोधित पोर्टल में कई बेहतर और उन्नत सुविधाएं जोड़ी गई हैं। इसमें स्वचालित एवं एकीकृत भुगतान गेटवे और केवाईसी उपकरण, व्यय विश्लेषण के लिए डैशबोर्ड सुविधा और एक क्लिक पर अलग-अलग एमआईएस रिपोर्ट्स भी उपलब्ध होंगी।

डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा नियम का मसौदा जारी किया; टिप्पणियाँ आमंत्रित

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा सुरक्षा (डीपीडीपी) नियम के लिए मसौदा जारी किए, जिसमें कहा गया कि भारतीयों का व्यक्तिगत डेटा देश से बाहर नहीं जाना चाहिए और साथ ही 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया पर खाता बनाने के लिए माता-पिता की सहमति की आवश्यकता होगी।इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय द्वारा मसौदा नियम सार्वजनिक परामर्श के लिए जारी किए गए हैं और इस साल 18 फरवरी तक जनता से टिप्पणियाँ मांगी गई हैं। इसमें सुझाव दिया गया है कि डेटा फ़िड्युसरी को अपने कब्जे में या अपने नियंत्रण में व्यक्तिगत डेटा की सुरक्षा करनी चाहिए, जिसमें व्यक्तिगत डेटा उल्लंघन को रोकने के लिए उचित सुरक्षा उपाय करके डेटा प्रोसेसर द्वारा उसके या उसकी ओर से किए गए किसी भी प्रसंस्करण के संबंध में शामिल है।किसी भी व्यक्तिगत डेटा उल्लंघन के बारे में पता चलने पर, डेटा फिड्युसरी को, अपने सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार, प्रत्येक प्रभावित डेटा प्रिंसिपल को, संक्षिप्त, स्पष्ट और स्पष्ट तरीके से और बिना किसी देरी के, उसके उपयोगकर्ता खाते या डेटा फिड्युसरी के साथ उसके द्वारा पंजीकृत संचार के किसी भी तरीके के माध्यम से सूचित करना चाहिए। बच्चे या विकलांग व्यक्ति के व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण के लिए सत्यापन योग्य सहमति के संबंध में, जिसके पास वैध अभिभावक है, मसौदा नियमों ने सुझाव दिया कि डेटा फिड्युसरी को यह सुनिश्चित करने के लिए उचित तकनीकी और संगठनात्मक उपाय अपनाने चाहिए कि बच्चे के किसी भी व्यक्तिगत डेटा के प्रसंस्करण से पहले माता-पिता की सत्यापन योग्य सहमति प्राप्त की जाए और यह जाँचने के लिए उचित परिश्रम करना चाहिए कि माता-पिता के रूप में खुद की पहचान करने वाला व्यक्ति एक वयस्क है जो भारत में वर्तमान में लागू किसी भी कानून के अनुपालन के संबंध में आवश्यक होने पर पहचान योग्य है।

ईपीएफओ पेंशनधारक किसी भी बैंक से निकाल सकेंगे पेंशन, देशभर में हुआ लागू

एजेंसी

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) को पूरी तरह लागू कर दिया है। इसके लागू होने से ईपीएफओ पेंशनधारक अब किसी भी बैंक से अपनी पेंशन निकल सकेंगे। इससे 68 लाख से अधिक पेंशनधारक लाभान्वित होंगे।

श्रम और रोजगार मंत्रालय ने जारी एक बयान में कहा कि ईपीएफओ ने देशभर में अपने सभी क्षेत्रीय कार्यालयों में केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) लागू करने का काम पूरा कर लिया है। सीपीपीएस के तहत ईपीएफओ लाभार्थी किसी भी बैंक से पेंशन निकाल सकेंगे, उन्?हें पेंशन शुरू होने के समय सत्यापन के लिए बैंक जाने की आवश्यकता नहीं होगी। राशि जारी होने पर तुरंत जमा कर दी जाएगी मंत्रालय ने बताया कि

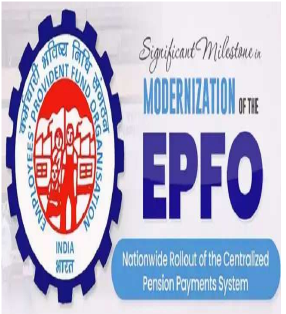

सीपीपीएस मौजूदा पेंशन वितरण प्रणाली से एक आदर्श बदलाव है, जो विकेन्द्रीकृत है। इसमें ईपीएफओ का प्रत्येक संभागीय या क्षेत्रीय कार्यालय केवल तीन-चार बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करता है। मंत्रालय के मुताबिक जनवरी, 2025 से सीपीपीएस प्रणाली पूरे भारत में पेंशन का वितरण सुनिश्चित करेगी तथा पेंशनधारकों के किसी अन्य स्थान पर जाने या उनके द्वारा अपना बैंक या शाखा बदलने के बावजूद पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की जरूरत नहीं होगी।

इससे उन पेंशनभोगियों को बड़ी राहत मिलेगी जो सेवानिवृत्ति के बाद अपने गृहनगर चले जाते हैं। श्रम और रोजगार मंत्रालय ने कहा कि सीपीपीएस की पहली पायलट परियोजना पिछले वर्ष अक्टूबर 2024 में करनाल, जम्मू और श्रीनगर क्षेत्रीय कार्यालयों में पूरी हो गई थी। इसमें 49 हजार से अधिक ईपीएस पेंशनधारकों को करीब 11 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई थी। दूसरी पायलट परियोजना नवंबर में 24 क्षेत्रीय कार्यालयों में शुरू किया गया था, जहां 9.3 लाख से अधिक पेंशनधारकों को करीब 213 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

उल्लेखनीय है कि पेंशन सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम के रूप में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने दिसंबर में कर्मचारी पेंशन योजना 1995 के तहत नए सीपीपीएस को पूर्ण स्तर पर लागू किया है। दिसंबर, 2024 के लिए ईपीएफओ के सभी 122 पेंशन वितरण क्षेत्रीय कार्यालयों से संबंधित 68 लाख से अधिक पेंशनधारकों को लगभग 1,570 करोड़ रुपये की पेंशन वितरित की गई।

लॉजिस्टिक्स विकास के 2024 के रिपोर्ट कार्ड में गुजरात, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश,सहित 13राज्य 'सफल'

एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यों में लॉजिस्टिक्स क्षेत्र (परिवहन एवं माल ढुलाई तंत्र) के विकास की स्थिति पर केंद्र द्वारा जारी एक वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा, तमिलनाडु, हरियाणा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, असम, अरुणाचल प्रदेश और चंडीगढ़ तथा दिल्ली अपने अपने समूह में सफल प्रदेश घोषित किए गए हैं।

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में लॉजिस्टिक्स ईज एक्रॉस डिफरेंट स्टेट्स (लीड्स) 2024' रिपोर्ट जारी की। इस अवसर पर उन्होंने राज्यों से निजी क्षेत्र के साथ मिलकर निवेश आकर्षित करने के लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स कारोबार के लिए कार्ययोजना बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अंतिम छोर तक सम्पर्क सुविधाओं के विस्तार के लिए क्षेत्रीय और शहर स्तरीय लॉजिस्टिक्स योजनाएं विकसित करने की जरूरत है। इस अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री जितिन प्रसाद और उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया भी मौजूद थे।

रिपोर्ट में राज्यों को तटीय, भूबद्ध, पूर्वोत्तर क्षेत्र और केंद्र शासित प्रदेश- इन चार समूहों में बांट कर उनमें लॉजिस्टिक्स सुविधाओं की प्रगति के पैमाने पर उन्हें सफल, तेज प्रगति करने वाले और आकांक्षी या प्रयासरत राज्यों की श्रेणी में रखा जाता है। इस रिपोर्ट का उद्येश्य राज्यों के बीच परिवन प्रणालियों से जुड़ी अवसंरचना और अन्य पक्षों के विकास के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का वातावरण बनाना है। लीड्स 2024 में तटीय समूह के राज्यों में 'सफल' श्रेणी में गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र, ओडिशा और तमिलनाडु को स्थान मिला है। इस समूह में तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्य की श्रेणी में आंध्र प्रदेश और गोवा तथा आकांक्षी की श्रेणी में केरल और पश्चिम बंगाल को रखा गया है। भूमिबद्ध समूह के राज्यों में सफल की श्रेणी में हरियाणा, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड है। इस समूह के तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों की श्रेणी में बिहार, हिमाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश, पंजाब और राजस्थान को तथा आकांक्षी की श्रेणी में छत्तीसगढ़ राज्य है। झारखंड पूर्वोत्तर समूह के सफल राज्यों की श्रेणी में असम और अरुणाचल प्रदेश को स्थान मिला है। समूह में तेज गति से आगे बढ़ने वाले राज्यों में मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा तथा आकांक्षी की श्रेणी में मणिपुर है। केंद्र शासित प्रदेशों के समूह में सफल की श्रेणी में चंडीगढ़ और दिल्ली, तेज गति से आगे बढ़ने वालों की श्रेणी में दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव, जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और पुडुचेरी तथा आकांक्षी की श्रेणी में अंडमान और निकोबार द्वीप समूह तथा लद्दाख का नाम है। इस कार्यक्रम में श्री गोयल ने लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली बड़ी , छोटी कंपनियों और स्टार्टअप को शील्ड प्रदान किए ।

सिटीकेम इंडिया ने पहले दिन ही निवेशकों को किया निराश, फ्लैट लिस्टिंग के बाद लुढ़के शेयर

एजेंसी

नई दिल्ली। फार्मास्यूटिकल सेक्टर की कंपनी सिटीकेम इंडिया लिमिटेड के शेयरों ने आज आईपीओ निवेशकों को काफी निराश किया। आईपीओ के तहत कंपनी ने 70 रुपये के भाव पर शेयर जारी किए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर शेयरों की लिस्टिंग बिना किसी उतार-चढ़ाव के 70 रुपये के भाव पर ही हुई। लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बनने के कारण ये शेयर टूट कर 66.50 रुपये के लोअर सर्किट लेवल तक गिर गया। हालांकि, बाद में खरीदारी शुरू होने पर इस शेयर ने लोअर सर्किट ब्रेक करके 1.90 रुपये की कमजोरी के साथ 68.10 रुपये के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। इस तरह कंपनी के आईपीओ निवेशकों को पहले दिन ही 2.71 प्रतिशत के नुकसान का सामना करना पड़ा। सिटीकेम

इंडिया लिमिटेड का 12.60 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 31 दिसंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जोरदार रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 414.35 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के जरिए 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 18 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। कंपनी इन शेयरों के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल नई प्रॉपर्टी खरीदने, ट्रांसपोर्टेशन व्हीकल और एक्सेसरीज खरीदने तथा आम कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी। 1992 से काम कर रही सिटीकेम इंडिया लिमिटेड की वित्तीय स्थिति की बात करें, तो कंपनी के दावे के मुताबिक इसका मुनाफा लगातार बढ़ता रहा है। 2021-22 में कंपनी को 23.94 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष में बढ़कर 36.26 लाख रुपये हो गया। इसी तरह 2023-24 में कंपनी का मुनाफा 1.12 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही में ही कंपनी को 19.95 लाख रुपये का शुद्ध मुनाफा हो चुका है।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और

डीजल के दाम आज स्थिर रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.44 प्रतिशत उतरकर 72.81 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 75.59 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

शेयर बाजार की तेजी पर ब्रेक, सेंसेक्स और निफ्टी में गिरावट

एजेंसी

नई दिल्ली। नए साल के पहले 2 दिन के दौरान बने तेजी के माहौल पर ब्रेक लग गया। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली बढ़त के साथ हुई, लेकिन बाजार खुलने के बाद पूरे दिन बिकवाली का दबाव बना रहा। इसी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांक गिरावट का शिकार हो गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.90 प्रतिशत और निफ्टी 0.76 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिन भर के कारोबार के दौरान ऑयल एंड गैस, पीएसई और एनर्जी सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और मेटल इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर आईटी, बैंकिंग और फार्मास्यूटिकल सेक्टर के शेयरों में आज लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज आमतौर पर दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.03 प्रतिशत की सांकेतिक गिरावट के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 80 हजार करोड़ रुपये की कमी बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद घट कर 449.67 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी गुरुवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 450.47 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 80 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,103 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,117 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,866 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 120 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,508 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,295 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,213 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 11 शेयर बढ़त के साथ और 19 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 21 शेयर हरे निशान में और 29 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का सेंसेक्स आज 129.28 अंक की मजबूती के साथ 80,072.99 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बाजार में बिकवाली का दबाव बन गया, जिसकी वजह से ये सूचकांक गिरकर लाल निशान में पहुंच गया। सुबह 11 बजे के बाद कुछ देर के लिए खरीदारों ने लिवाली का जोर बनाने की कोशिश की, जिससे इस सूचकांक की चाल में सुधार होता हुआ नजर आया, लेकिन ये तेजी अधिक देर तक नहीं टिकी। दोपहर 12 बजे के बाद बिकवाली का दबाव एक बार फिर बढ़ गया, जिसके कारण ये सूचकांक नीचे गिरता चला गया। आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले ये सूचकांक ऊपरी स्तर से 963.26 अंक लुढ़क कर 833.98 अंक की कमजोरी के साथ 79,109.73 अंक तक गिर गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक निचले स्तर से 110 अंक से अधिक की रिकवरी करके 720.60 अंक की गिरावट के साथ 79,223.11 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सर्दियों में खुद को गर्म रखने के लिए घर पर ट्राय करें ये 5 सूप, नहीं लगेगी ठंड

सर्दियों में अगर आपको ठंड ज्यादा लगती है तो आप खुद को गर्म रखने के लिए घर पर स्वादिष्ट सूप बना सकते हैं. ये सूप्स न सिर्फ आपको गर्म रखने में मदद करेंगे बल्कि ये काफी टेस्टी और हेल्दी भी होते हैं. ऐसे में आपको अपनी हेल्थ को लेकर भी ज्यादा चिंता नहीं रहेगी.

सर्दियों में सूप पीने का एक अलग ही मजा होता होता है. ठंड के सीजन में सूप बहुत कम्फर्टिंग फूड होता है. इस सीजन में बहुत तरह की सब्जियां आसानी से मिल जाती हैं, जिनको यूज करके आप अपने लिए स्वादिष्ट सूप बना सकते हैं. आप अपने सूप को प्रोटीन रिच बनाने के लिए आप इसमें अंडे, चिकन और पोर्क को ऐड कर सकते हैं. इससे आपका सूप और टेस्टी और हेल्दी बन जाएगा.

विंटर सीजन में सूप पीने से आप सर्दी-जुकाम और खांसी जैसी समस्या को भी दूर भगा सकते हैं. यही नहीं, अगर आपको ठंड ज्यादा लगती है तो आप अपने लिए घर पर कुछ ऐसे सूप बना सकते हैं, जिनकी मदद से आपको खुद को गर्म रखने में मदद मिलेगी. तो आईये जानते हैं उन 5 सूप के बारे में जिन्हें आप सर्दियों में घर बैठे एन्जॉय कर सकते हैं.

स्लो कुकर टोमेटो सूप

अगर आपको टोमेटो सूप पीना पसंद है तो आप इसे एक बार कुकर बनाकर देखिए. ये एक लो कैलोरी सूप है जो बहुत ही टेस्टी होता है और साथ में हेल्दी भी होता है. सूप की कंसिस्टेंसी को आप अपने अनुसार एडजस्ट कर सकते हैं. आप इसे टोस्टेड ब्रेड या क्राउटन के साथ एन्जॉय कर सकते हैं.

चिकन नूडल सूप

अगर आप अपने लिए एक फिलिंग सूप बनाना चाहते हैं तो चिकन नूडल सूप आपके लिए एक बेस्ट ऑप्शन है. इस सूप मो आप जिंजर, गार्लिक और चिकन के अलावा इसमें अपनी पसंद की सब्जियों का इस्तेमाल कर सकते हैं. चिकन नूडल सूप न सिर्फ प्रोटीन रिच होता है बल्कि ये एक हेल्दी ऑप्शन है.

फूलगोभी का सूप

फूलगोभी का सूप न सिर्फ आपके खाने की बर्बादी को कम करता है बल्कि सूप को एक अलग रंग भी देता है. एक अलग रंग भी देता है। इसे घर पर आसानी से बनाया जा सकता है और आप चाहें तो इसमें ब्रोकली भी यूज कर सकते हैं.

वेजिटेबल सूप

अगर आपको सब्जियां खाना पसंद नहीं है तो आप वेजिटेबल सूप बना सकते हैं. आप इस सूप को मौसमी और आसानी से उपलब्ध होने वाली सब्जियों का इस्तेमाल करके बनाएं. स्वाद बढ़ाने के लिए आप अंडे का यूज कर सकते हैं. इसे काली मिर्च के साथ परोसें.

ब्रोकोली एंड चीज सूप

सर्दी के मौसम में आप ब्रोकोली एंड चीज सूप को जरूर ट्राय करिए. ये टेस्टी तो होता ही है, लेकिन साथ में बहुत हेल्दी भी होता है. आप इसे अपने खाने से पहले पी सकते हैं. सर्दी के मौसम में ये सौप आपको गर्म रखने में मदद करेगा.

डॉ मनमोहन सिंह ने कैसे डगमगाती भारतीय अर्थव्यवस्था को फिर से खड़ा किया

विनिमय दर सुधारों ने भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था को बाकी दुनिया के साथ बाजार से जुड़ा लचीलापन दिया। इस प्रकार, अतिरिक्त बाजार हेरफेर से लाभ के लिए प्रोत्साहन और गुंजाइश गायब हो गयी और एक स्वचालित सुधारात्मक तंत्र शुरू किया गया।उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन जब रुपया तैरने के लिए तैयार था, दिन के अंत तक यह लगभग 16 रुपये प्रति डॉलर से गिरकर लगभग 24रुपये डॉलर हो गया था।तैंतीस साल जीवन का आधा हिस्सा होते हैं। तैंतीस साल पहले, डॉ. मनमोहन सिंह ने एक वरिष्ठ सरकारी नौकरी से औपचारिक सेवानिवृत्ति के बाद, एक हाई-प्रोफाइल लाइमलाइट में कदम रखा। जब पिछले शुक्रवार को 92 वर्ष की आयु में उनका निधन हुआ, तो उन्हें भारत का सबसे बड़ा वित्त मंत्री और भारत की आधुनिक अर्थव्यवस्था का निर्माता माना जाता था।वर्तमान में डॉ. मनमोहन सिंह के लिए प्यार और मान्यता का राष्ट्रीय प्रवाह है, जो विडंबना है कि उनके जीवनकाल में अनुपस्थित था। इसके विपरीत, अक्सर उनका तिरस्कार और अपमान किया जाता था।एक उत्साही और प्रतिबद्ध आर्थिक सुधारक के रूप में, आर्थिक सुधारों के प्रति उनका दृष्टिकोण भी संतुलित था और कभी भी भारत के वित्त प्रबंधन की मशाल थामे हुए अन्य लोगों की तरह उत्साही नहीं था। इससे भारत को बहुत सी पीड़ाओं से बचाया जा सका।33 साल पहले 1991 में भारत की स्थिति बहुत ही खराब थी। भारत गहरी राजनीतिक और आर्थिक अनिश्चितता के दौर से गुजर रहा था। देश को बाहरी समाधान की समस्या का सामना करना पड़ रहा था क्योंकि %खजाना% खाली था। इसके अलावा, राजीव गांधी की तमिल उग्रवादियों द्वारा हत्या कर दी गयी थी, जिससे राजनीतिक शून्य पैदा हो गया था।

1991 के आम चुनावों में, कांग्रेस सत्ता में आयी और पी.वी. नरसिंह राव को सेवानिवृत्ति से वापस बुलाकर प्रधानमंत्री बनाया गया। नये प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता एक सक्षम वित्त मंत्री की तलाश थी।प्रधानमंत्री राव की पहली पसंद डॉ. आई.जी. पटेल थे, जो कभी आरबीआई गवर्नर थे और विश्व प्रसिद्ध अर्थशास्त्री थे। पटेल उस समय गुजरात में अपने गृहनगर में बस गये थे और वहां से हटने को तैयार नहीं थे। पटेल ने डॉ. मनमोहन सिंह का सुझाव दिया, जो उस समय तक सरकार की आर्थिक नीतियों को संभालने वाले लगभग हर संभव पद पर थे - आरबीआई गवर्नर से लेकर योजना आयोग में सदस्य-सचिव तक। वह पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के आर्थिक सलाहकार भी थे।प्रधानमंत्री नरसिंह राव ने पी.सी. अलेक्जेंडर के माध्यम से उनसे संपर्क किया और जेनेवा से लंबी उड़ान के बाद उन्हें नींद से जगाया। अलेक्जेंडर अभी-अभी जेनेवा में दक्षिण-दक्षिण आयोग के अध्यक्ष के रूप में सेवा करने के बाद लौटे थे। यहां दो सेवानिवृत्त व्यक्तियों के नेतृत्व में एक नयी सरकार थी। विडंबना यह है कि उस टीम ने भारत को विकास और भविष्य की प्रतिष्ठा की नयी यात्रा पर डाल दिया है। इसके बाद की कहानी को एक ही वाक्य में बयां किया जा सकता है- नई सुबह की तलाश में दो बूढ़े आदमी। वित्त मंत्री के रूप में अपनी पसंद का जिक्र करते हुए, मनमोहन सिंह ने अपने लेखों और भाषणों के संग्रह की एक पुस्तक के विमोचन के दौरान कहा था कि वे न केवल एक आकस्मिक प्रधानमंत्री थे, जैसा कि कुछ लोगों ने कहा, बल्कि एक आकस्मिक वित्त मंत्री भी थे।

उस समय ऐसी ही अस्थिर स्थिति थी, जब 24 जुलाई 1991 को डॉ. मनमोहन सिंह ने अपना पहला बजट पेश किया था। मनमोहन सिंह का 1991 का बजट उनके बजट भाषण की प्रशंसात्मक पंक्तियों के कारण अर्थशास्त्रियों के लिए किंवदंती बन गया था।

नरसिम्हा राव सरकार ने 21 जून को शपथ ली थी। बजट से पहले के महीने में, कुछ सबसे महत्वपूर्ण सुधार पहले ही पेश किये जा चुके थे, जिन्होंने तब से भारतीय अर्थव्यवस्था की दिशा तय की है।इनमें से कुछ भारतीय अर्थव्यवस्था को फिर से पटरी पर लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम थे। भारतीय रुपये का अवमूल्यन उनमें से कोई कम नहीं था। रुपये का अवमूल्यन एक अतिसंवेदनशील मामला था। 1966 में पहले हुए अवमूल्यन ने इसे आपदा से कम नहीं साबित किया था। संकट की आशंका को देखते हुए मनमोहन सिंह ने अपने प्रधानमंत्री नरसिंह राव को आगाह किया कि इस मुद्दे को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास नहीं भेजा जाना चाहिए, बल्कि इसे वहीं पारित कर दिया जाना चाहिए।गोपनीयता बनाये रखने के लिए मनमोहन सिंह ने अवमूल्यन पर एक हस्तलिखित नोट तैयार किया और प्रधानमंत्री से मंजूरी ले ली, जिन्होंने क्रमिक और नरम दृष्टिकोण अपनाने की सलाह दी थी। इस झटके को कम करने के लिए डॉ. सिंह ने दो चरणों में अवमूल्यन का सुझाव दिया - पहला अपेक्षाकृत छोटा और दूसरा थोड़ा बड़ा। मुझे अभी भी याद है कि पहले अवमूल्यन से कितनी हलचल मची थी। वित्त मंत्रालय को कवर करने वाले हम आर्थिक पत्रकारों को संकेत मिले थे कि पहले चरण के अवमूल्यन के बाद प्रधानमंत्री खुद ही ठंडे पड़ गये थे और उन्होंने अपने वित्त मंत्री को दूसरी खुराक रोकने का निर्देश दिया था।मनमोहन सिंह ने 3 जून की सुबह आरबीआई के विदेशी मुद्रा मामलों के प्रभारी डिप्टी गवर्नर डॉ. सी. रंगराजन को फोन करके कहा था कि उन्हें दूसरा अवमूल्यन रोक देना चाहिए। हालांकि, डॉ. रंगराजन ने डॉ. सिंह को बताया कि यह काम पहले ही हो चुका है! डॉ. रंगराजन और उनके विनिमय नियंत्रण विभाग पहले ही इसमें %कूद% पड़ा था, मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने अपने संस्मरण में इस सबसे दिलचस्प बात को याद किया है। संयुक्त अवमूल्यन का प्रभाव दो दिशाओं में एक हथौड़े के प्रहार जैसा होना था।सबसे पहले, रुपये में एक गहरा अवमूल्यन इस मुद्रा में व्यापक हवाला लेनदेन को समाप्त कर सकता था। दूसरे, इसके परिणामस्वरूप, यह सोने की तस्करी के लिए एक बड़ा झटका होने वाला था। इन कदमों के साथ-साथ, वित्त मंत्री ने आने वाले अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सोने के आयात मानदंडों को उदार बनाया था।बाद में, जब तत्काल संकट खत्म हो गया, तो रुपये की विनिमय दर को व्यापार खाते में पूरी तरह से परिवर्तनीय बना दिया गया- यानी निर्यात और आयात के लिए। भारतीय रुपये की विनिमय दर को बाजार द्वारा निर्धारित करने से सबसे बड़ा अंतर आया और इसके अच्छे प्रभाव अभी भी काम कर रहे हैं।विनिमय दर सुधारों ने भारत की घरेलू अर्थव्यवस्था को बाकी दुनिया के साथ बाजार से जुड़ा लचीलापन दिया। इस प्रकार, अतिरिक्त बाजार हेरफेर से लाभ के लिए प्रोत्साहन और गुंजाइश गायब हो गयी और एक स्वचालित सुधारात्मक तंत्र शुरू किया गया।उस दुर्भाग्यपूर्ण दिन जब रुपया तैरने के लिए तैयार था, दिन के अंत तक यह लगभग 16 रुपये प्रति डॉलर से गिरकर लगभग 24रुपये डॉलर हो गया था। इसने आयात को महंगा और निर्यात को सस्ता बना दिया। कुल मिलाकर, भारतीय अर्थव्यवस्था के भीतर मांग बाहरी बाजारों से घरेलू बाजार में स्थानांतरित हो गयी।बहुत बाद में, 2014 में टेपरटैंट्रम के दौरान, लचीली विनिमय दर ने भारत को सबसे खराब वित्तीय गिरावट से बचाया।विनिमय बाजार सुधारों के साथ-साथ, नये वित्त मंत्री और उनकी टीम ने विदेशी संस्थागत निवेशकों के लिए स्टॉक और शेयरों में द्वितीयक बाजार भी खोला। इससे निवेश डॉलर का आवक प्रवाह शुरू हुआ। एफडीआई को भी उदार बनाया गया।इन उपायों का समग्र प्रभाव यह था कि 1991 जून-जुलाई में, भारत के पास मुश्किल से 1 बिलियन डॉलर का विदेशी मुद्रा भंडार था, जो केवल एक सप्ताह के आयात को पूरा करने के लिए ही पर्याप्त था, दो साल में देश अत्यधिक विदेशी मुद्रा की समस्या का सामना कर रहा था।मुझे नई दिल्ली के रफी मार्ग पर कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में एक बैठक याद है, जहां तत्कालीन वित्त सचिव मोंटेक सिंह अहलूवालिया घरेलू कीमतों में समग्र वृद्धि को रोकने के लिए विदेशी मुद्रा प्रवाह को रोकने के विभिन्न तरीकों पर चर्चा कर रहे थे।एक निश्चित विनिमय दर प्रणाली के साथ आज की भारतीय अर्थव्यवस्था की तस्वीर बनाने पर विचार करें, और तब अर्थव्यवस्था की वर्तमान विशेषताओं में से किसी को भी समायोजित करना असंभव होगा।विनिमय दर प्रणाली में सुधार के साथ-साथ, 1991 के पैकेज ने अर्थव्यवस्था के पूरे कामकाज को मुक्त कर दिया। औद्योगिक लाइसेंसिंग प्रणाली, जो घरेलू उद्योग पर नियंत्रण के लिए एक बेतुका सेट थी, को खत्म कर दिया गया और कराधान की प्रणाली को फिर से तैयार किया गया। सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा डॉ. मनमोहन सिंह का 1991 का बजट था, जिसने उस समय की भावना को पकड़ लिया था।अपनी प्रशंसा पंक्ति में, डॉ. मनमोहन सिंह ने विक्टर ह्यूगो को उद्धृत किया था। तब से इसे इतनी बार दोहराया गया है कि किसी को इसे दोबारा कहने की ज़रूरत नहीं है। निष्कर्ष यह था और है कि डॉ. सिंह की भावना उनके द्वारा किये गये सभी कार्यों में व्याप्त थी।

संपादकीय

स्कूली शिक्षा : चिंताजनक तस्वीर

एक ओर तो भारत विश्वगुरु होने का दावा कर रहा है, तो वहीं दूसरी तरह स्कूली शिक्षा में बड़ी गिरावट की रिपोर्ट सामने आ रही है जो बेहद चिंताजनक है। स्वयं केन्द्र सरकार द्वारा जो आंकड़े जारी किये गये हैं वे भारत की भयावह तस्वीर पेश कर रहे हैं- वर्तमान व भावी दोनों ही। कोई भी अंदाजा लगा सकता है कि ज्ञान के बिना कैसा भारत बनेगा। वैसे तो सम्बन्धित विभाग द्वारा इन आंकड़ों को अब न्यायसंगत बतलाने की कवायद भी जारी है, लेकिन यथार्थ यही है कि शिक्षा के मामले में भारत में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। स्कूली शिक्षा ही उच्चतर शिक्षा, शोध और यहां तक कि अध्ययन के पश्चात देश को चलाने वाली पीढ़ी के स्तर को भी तय करती है। अगर नयी पीढ़ी का शैक्षणिक स्तर खराब रहा तो, जैसा कि आंकड़े बतला रहे हैं, देश का एक स्याह व निराशाजनक भविष्य ही दिखता है। सरकार को चाहिये कि तमाम मतांतरों को एक तरफ रखकर शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने में जुट जाये। सभी तरह के पूर्वाग्रहों को छोड़कर हर बच्चे को स्कूली शिक्षा, वह भी गुणवत्तायुक्त दिलाना सरकार का पहला कर्तव्य होना चाहिये।

शिक्षा मंत्रालय की एकीकृत जिला सूचना प्रणाली (यूडीआईएसई) द्वारा साल 2023-24 की जो रिपोर्ट जारी की गयी है, उसके अनुसार इस वर्ष के दौरान देश भर के स्कूलों में 37 लाख नामांकनों की कमी आई है। यूडीआईएसई नामक यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय स्तर पर स्कूलों के आंकड़े एकत्र करता है। उसके अनुसार 2022-23 में 25.17 करोड़ नामांकित विद्यार्थी थे जो 2023-24 में घटकर 24.80 करोड़ हो गये। छात्र 21 लाख और छात्राएं 17 लाख घट गयीं। अल्पसंख्यकों की संख्या 20 फीसदी कम हुई। हालांकि इस विभाग के अधिकारी इन आंकड़ों को तर्कसंगत बताने की कोशिश करते हुए कह रहे हैं कि डेटा संग्रहण प्रणाली में परिवर्तन हुआ है। 2021-22 के पहले तथा अब के आंकड़ों में तुलना नहीं हो सकती और वास्तविक स्थिति अलग है। वे यह भी बतला रहे हैं कि 2030 तक सभी स्तरों तक स्कूली शिक्षा उपलब्ध कराई जायेगी। अन्य तथ्यों तथा विभागीय अधिकारियों द्वारा 2030 से सम्बन्धित तमाम दावों को एक ओर रख दिया जाये, तो भी इन आंकड़ों के आधार पर कहा जा सकता है कि यह स्थिति कोई उम्मीद लेकर नहीं आती।आधुनिक विश्व में शिक्षा का महत्व सभी जानते हैं। बगैर अथवा गुणवत्ताहीन शिक्षा के आधार पर कोई भी व्यक्ति, समाज या देश विकास की कल्पना भी नहीं कर सकता। जो भी देश आज अग्रणी, विकसित और सही मायनों में आधुनिक हैं, वे दरअसल अनिवार्य, सभी की सहज पहुंच वाली तथा गुणवत्तायुक्त शिक्षा व्यवस्था के कारण ही हैं। इसलिये आधुनिक भारत के निर्माताओं ने इस पर बहुत जोर दिया था। वर्षों की गुलामी से बाहर निकले भारत को सीमित संसाधनों व अनेक दुश्वारियों के बावजूद तेजी से विकास की राह पर अग्रसर करने के लिये आधुनिक शिक्षा प्रणाली की बुनियाद रखी गयी थी। देश भर में शासकीय स्कूलों एवं कॉलेजों का जाल बनाया गया। राष्ट्र निर्माताओं की वह ऐसी पीढ़ी-लिखी जमात थी जो उच्च शिक्षित तथा विद्वान थी। इसलिये उसे शिक्षा का महत्व मालूम था। इसी शिक्षा व्यवस्था ने देश को जल्दी ही आधुनिक देशों की पंक्तियों में ला खड़ा किया था। न सिर्फ शालेय शिक्षा बल्कि उच्च शिक्षा प्रदान करने के लिये भी अल्प समय में कई विश्वविद्यालय, आईआईएम, इंजीनियरिंग, आईआईटी जैसे संस्थान खोले गये थे। इनसे निकले युवाओं ने देश के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

ज्यादातर सरकारों ने इसकी महत्ता को जान-समझकर देश की शिक्षा प्रणाली को बेहतर करने की उत्तरोत्तर कोशिशें कीं लेकिन 2014 में आई भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने इसकी जैसी उपेक्षा की, वैसी आजाद मुल्क ही नहीं वरन अंग्रेजी शासनकाल में भी नहीं हुई थी। यह उपेक्षा अनायास नहीं वरन सायास है और हीनभावना से ग्रस्त शासकों द्वारा की गयी है जो पढ़ने-लिखने से दूर तक नाता न रखने वाले हैं। प्रबुद्ध समाज को यह सरकार मानो अपना दुश्मन मानती है। इस मद में सरकार का बजट घटता चला गया है या उसका बड़ा हिस्सा उपयोग में नहीं लाया जाता। दशक भर में देश में बड़ी संख्या में स्कूल बन्द हुए हैं .

भाजपा से मुकाबले के लिए केजरीवाल ने लिया नरम हिंदुत्व का सहारा

केजरीवाल ने नहीं सुना, उन्होंने नये साल की पूर्व संध्या पर भाजपा के साथ मतदाताओं के नाम हटाने और कैश-फॉर-वोट के बारे में आरोप लगाये, जो भाजपा के खिलाफ एक शिकायत थी, जिसे केजरीवाल ने परम पूजनीय मोहन भागवत के पास दर्ज कराया, जो चाहते हैं कि सामाजिक सद्भाव के लिए समझदार हिंदू आवाज़ें प्रबल हों, जो उनके दिल के करीब का विषय है।

आप संयोजक अरविंद केजरीवाल की शानदार मौजूदगी में दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी खो गयी थीं, उस समय जब आतिशी मंत्री थीं और खुद केजरीवाल मुख्यमंत्री। आज भी आतिशी चुनावी अभियान में बहुत प्रभावी नहीं लग रही हैं, जबकि आप के कई अन्य नेता आधिक प्रभावी लग रहे हैं। केजरीवाल का फायदा यह है कि वे जेल गये। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया भी जेल गये। आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह भी जेल गये। स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन भी जेल गये। आतिशी को ऐसा सम्मान नहीं मिला, लेकिन केजरीवाल का कहना है कि आतिशी पर भी झूठे आरोप लगाये जायेंगे।मुख्यमंत्री पद पर आतिशी एक अस्थायी विकल्प हैं। केजरीवाल बच्चों की कैंडी की तरह फिर मुख्यमंत्री बनना चाहते हैं! लेकिन इस बार यह आसान नहीं है। ेल की चिड़िया तमगे के कारण केजरीवाल को मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए लगातार तीसरी (चौथी?) जीत मिल सकती है। अरविंद केजरीवाल के पास एक सुरक्षा कवच है, हालांकि यह आप को चुनाव जीतने में कैसे मदद करेगा, यह एक रहस्य है।केजरीवाल ने जो मुद्दे उठाये और वायदे किये हैं, वे बदलाव की ओर इशारा करते हैं। धर्मनिरपेक्ष से केजरीवाल नरम हिंदुत्व की ओर बढ़ गये हैं। अनिश्चितता राजनेताओं को ऐसा कराती है। केजरीवाल अब पहले जैसे आत्मविश्वासी नहीं रहे। दिल्ली चुनाव के इस संस्करण में केजरीवाल संदेह से ग्रस्त हैं। समय की मांग के अनुरूप हिंदुत्व की ओर बदलाव का माहौल मोदी और योगी के पक्ष में है, जिससे केजरीवाल को नरम हिंदुत्व की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

आम धारणा के विपरीत, केजरीवाल हिंदुओं के करीब हैं, हिंदुओं के शुभचिंतक हैं और मददगार भी हैं! किसने सोचा होगा कि केजरीवाल द्वारा उठाये गये हिंदू मुद्दों पर भारतीय जनता पार्टी को मुंह की खानी पड़ेगी? आप कुख्यात हिंदुत्ववादी भाजपा से अधिक हिंदू दिखने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। नये साल की पूर्व संध्या पर केजरीवाल ने दिल्ली के हिंदू पुजारियों और सिख॒ंथियों के लिए 18000 रुपये प्रति माह मानदेय की घोषणा की, अब भाजपा ने इस बारे में क्यों नहीं सोचा, उन्होंने भाजपा को भाजपा शासित राज्यों में भी ऐसा करने की चुनौती दी।क्या दिल्ली मंदिरों और पुजारियों, गुरुद्वारों और॒ंथियों से भरी पड़ी है? विडंबना यह है कि केजरीवाल की इस योजना की घोषणा तब की गयी जब दिल्ली के मौलाना और मौलवी पिछले 18 महीनों से आप सरकार द्वारा दिये गये वेतन के वितरण न किये जाने का विरोध कर रहे थे। केजरीवाल का मौलाना आउटरीच आप की मुस्लिम-फर्स्ट नीति का हिस्सा था, जिसका मुकाबला भाजपा नहीं कर सकी।

आज, भाजपा आप की हिंदू आउटरीच के खिलाफ शिकायत कर रही है। क्या केजरीवाल भाजपा को परेशान कर रहे हैं? क्या अब जब केजरीवाल ने नरम हिंदुत्व का रंग ले लिया है, तो भाजपा अपने हिंदुत्व को लेकर सुरक्षित महसूस नहीं कर रही है? क्या भाजपा के पास एक हैं तो सुरक्षित हैं जैसे नरेंद्र मोदी के नारे और बंटेंगे तो कटेंग जैसे योगी आदित्यनाथ के नारे जैसे शक्तिशाली हिंदुत्व-प्रतीक नहीं हैं?योगी आदित्यनाथ पिछले सप्ताह दिल्ली में एक जोरदार भाषण देने आये थे। उन्होंने भाजपा समर्थकों की भीड़ से कहा, आपकी दिल्ली गंदी है, शीला दीक्षित के कार्यकाल में यह बहुत साफ थी।सुरक्षा और सफाई के लिए गाजियाबाद और नोएडा आइये।केजरीवाल ने नहीं सुना, उन्होंने नये साल की पूर्व संध्या पर भाजपा के साथ मतदाताओं के नाम हटाने और कैश-फॉर-वोट के बारे में आरोप लगाये, जो भाजपा के खिलाफ एक शिकायत थी, जिसे केजरीवाल ने %परम पूजनीय% मोहन भागवत के पास दर्ज कराया, जो चाहते हैं कि %सामाजिक सद्भाव के लिए समझदार हिंदू आवाज़ें प्रबल हों, जो उनके दिल के करीब का विषय है।क्या अरविंद केजरीवाल आरएसएस प्रमुख की चाहत के अनुसार भूत साबित होंगे और हिंदू कट्टरपंथी हुए बिना हिंदुत्व नेता बनेंगे? केजरीवाल हनुमान-भक्त हैं और वह मस्जिद के नीचे शिवलिंग की तलाश करने वाले आखिरी राजनेता होंगे।हनुमान को कभी भी शिव या कृष्ण के साथ नहीं जोड़ा गया है, केवल भगवान राम के साथ जोड़ा गया है। अयोध्या राम मंदिर का पूजा स्थल अधिनियम, 1991 से भी कोई लेना-देना नहीं है। क्या अरविंद केजरीवाल अयोध्या राम मंदिर गये थे? क्या दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने अपने अयोध्या निवास में भगवान राम को नमन किया?पिछले हफ्ते आतिशी ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना पर दिल्ली में मंदिरों को गिराने का आदेश देने का आरोप लगाया, जिसे सक्सेना ने झूठ बताया। आतिशी पीछे नहीं हटीं, वह आप के नरम-हिंदुत्व को व्यक्त कर रही थीं, जिसके कई अर्थ हैं, जिनमें से एक अक्सर सामने आता है - इन चुनावों में आप की घबराहट।दिल्ली में अजेय समझे जाने वाली आप एक मुद्दे से दूसरे मुद्दे में उलझ रही है। अगर यह बांग्लादेशियों, रोहिंग्या और पूर्वांचलियों के बारे में नहीं है, तो यह पानी और भ्रष्टाचार या महिलाओं को लक्षित करने वाली योजनाओं के बारे में है। अरविंद केजरीवाल यह आभास दे रहे हैं कि वे भीड़-भाड़ और तंगहाली से घिरे हुए हैं, उन्हें इस बात की चिंता है कि पार्टी और उनके लिए क्या होने वाला है। उन्हें एहसास है कि वे जीत के लिए मुसलमानों और मुफ्तखोरी पर पूरा भरोसा नहीं कर सकते!क्या होगा अगर दिल्ली के मतदाता महाराष्ट्र के मतदाताओं और हरियाणा के मतदाताओं और उत्तर प्रदेश के नौ उपचुनावों में मतदान करने वालों की तरह %बटेंगे तो कटेंगे और एक हैं तो सेफ हैं के लिए वोट करें? समय की भावना हिंदुत्व के पक्ष में है, कम से कम हिंदी-क्षेत्र में और दिल्ली भी हिंदी-क्षेत्र का हिस्सा है।

इसका मतलब यह नहीं है कि भाजपा 100प्रतिशत जीत की उम्मीद कर रही है?कथित लाभों के बावजूद, भाजपा पूरी तरह आश्वस्त नहीं है। उसे नहीं पता कि अरविंद केजरीवाल अपनी चुनावी टोपी से क्या निकालते हैं। अगर केजरीवाल से ज्यादा चुनाव-समझदार कोई राजनेता है, तो उस सज्जन ने अभी तक अपना चेहरा नहीं दिखाया है और अपनी टोपी चुनावी घेरे में नहीं डाली है।

इसके अलावा, दिल्ली के मतदाताओं ने मुफ्तखोरी के लिए अपनी लालसा नहीं खोई है। अगर कोई जानता है कि यह कैसे संभव है, तो यह एक अच्छा विचार है। बिना खर्च के जीने के स्वाद को यदि कोई जानता है तो तो वह है %दिल्ली का आम मतदाता%। दिल्ली के लोग अरविंद केजरीवाल और उनके वायदों के आदी हो चुके हैं, चाहे वे वास्तविक हों या खोखले। वह आदमी भले ही दोहरी भाषा बोलता हो और उसका चेहरा दिखावटी हो। लेकिन वह जो कुछ भी कहता या वायदा करता है, वह दिल्ली के मतदाता को अजीब नहीं लगता, चाहे वह भ्रष्टाचार खत्म करने की बात हो या यमुना की खराब स्थिति के लिए माफ़ी मांगने की, केजरीवाल कुछ भी कर सकते हैं!

सर्दियों में कैसे बचाएं अपने दिल को

बदलते लाइफ स्टाइल के इस दौर में हार्टअटैक के मामले ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। पहले लोगों का ऐसा मानना था कि 60 वर्ष से ऊपर के बुजुर्ग ही इसकी चपेट में आते हैं, परन्तु अब ऐसा नहीं रह गया है। 30 से 40 साल के लोगों में भी इसका खतरा होता है। वैसे तो हार्ट अटैक कभी भी हो सकता है परन्तु जाड़े में ऐसे मरीजों का औसत दर ज्यादा बढ़ जाता है। इसका मुख्य कारण जाड़े में खून की नलियों का सिकुड़ना है। राजेंद्र आयुर्विज्ञान एवं प्रशिक्षण संस्थान , रांची के डॉक्टर संजय सिंह का कहना है कि जाड़े में खून की नलियां ज्यादा सिकुड़ती हैं। जब खून की नलियां सिकुड़ने लगेंगी तब रक्त का प्रवाह धीरे-धीरे कम होने लगेगा, जिससे हार्ट अटैक की आशंका बढ़ जाती है।

बचाव के उपाय - डॉक्टर संजय के अनुसार जब ठंड ज्यादा बढ़ जाए तो उससे बचने के लिए कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। सुबह टहलने वाले लोग मौसम के अनुकूल अपने समय में बदलाव करें। ज्यादा सुबह न निकलें। ज्यादा दूरी तक न टहलें। जो लोग ब्लडप्रेशर, हार्ट, शुगर आदि के मरीज हैं वे डॉक्टर से जरूर सलाह लें।

खाने में क्या लें - मौसमी फल, सलाद एवं आंवले जरूर लें। सलाद में भी प्याज एवं टमाटर ज्यादा से ज्यादा लें।

लक्षण - जब अपने शरीर में अप्रत्याशित बदलाव महसूस करें। जैसे ज्यादा पसीना आना, घबराहट, चक्कर आना एवं सीने में दर्द महसूस होना। पेट खराब एवं उल्टी होना ठंड लगने के लक्षण हैं। जैसे ही इसका अहसास हो, डॉक्टर के पास तुरंत जाएं।

सर्दी-जुकाम-खासी को ऐसे दें शिकस्त

सर्दियों का मौसम आम तौर पर स्वास्थ्य के लिए अच्छा माना जाता है, किंतु यदि आप कफ विकार से ग्रस्त है तो इससे आप सर्दियों के पूरे मौसम में जुकाम-खासी व सांस रोग से परेशान हो सकते हैं। प्रस्तुत हैं, इन तकलीफों से निजात पाने के उपाय

- ठडा पानी या ठडे पेय लेने के बजाय गुनगुना पानी पिएं। अदरक डालकर सब्जियों का सूप पिएं।
- तेज भूख लगने पर ही भोजन करे, क्योंकि कम भूख या भूख के बगैर भोजन लेने से हाजमा सही नहीं होगा और कफ बनेगा।
- गेहू के आटे में चौथाई या आधी मात्रा में चने का आटा मिलाकर रोटी बनाएं। यदि चावल खाना है, तो उसमें काली मिर्च, तेज पत्ता आदि गर्म मसाला मिलाएं।
- भोजन खूब चबाकर करें और भूख से थोड़ा कम खाएं।
- कब्ज न रहने दें। इसके लिए प्रातः गर्म पानी पीकर व्यायाम करने के बाद शौच जाएं।
- दिन में तीन से चार बार सरसों का या बादाम का तेल 4-5 बूंद नाक में डालकर कफ निकालें।
- नासिका क्षेत्र में मैग्नेट का साउथ पोल 5 मिनट तक घुमाने से साइनोसाइटिस में लाभ मिलता है।
- पीठ की ओर से गर्म पानी की थैली से सुबह शाम सेंक करने से फेफड़ों की सर्दी बहुत जल्दी दूर हो जाती है।

सावधानिया

- रात को बायीं करवट सोएं।
- कानों में ठडी हवा का झोंका न लगे, इसके लिये कान में रुई लगाए रखें।
- अगर आप जलनेति करते हैं, तो उसके बाद विरेचन प्राणायाम करे।
- खुले पैर घास में न टहले।
- ठंडे खाद्य व पेय पदार्थ ग्रहण न करें।

वेडिंग डाइट प्लान

फिट रहना हर किसी के लिए जरूरी है, लेकिन होने वाली दुल्हन के लिए अपनी सेहत और फिटनेस पर ध्यान देना अनिवार्य है। दौड़भाग, शादी की तैयारिया और तनाव के चलते डाइट पर कंट्रोल करना मुश्किल होता है। फोर्टिस हॉस्पिटल की चीफ डाइटीशियन किरण दलाल और क्लीनिकल न्यूट्रिशनिस्ट निधि सरीन बता रही हैं भावी दुल्हन अपनी डाइट का प्लान कैसे करे कि वजन नियंत्रित रहे....

आमतौर पर लड़कियों का वजन शादी से पहले तीन कारण से बढ़ता है- भागदौड़, तनाव और लगातार पार्टी। इसी तरह शादी के बाद वजन बढ़ने के तीन मुख्य कारण हैं- प्रेग्नेंसी, शादी के बाद परिवार, घर और अन्य जिम्मेदारियों में इतना व्यस्त हो जाना कि खानपान पर ध्यान न दे पाना, पति के साथ उनकी तरह ही पोर्शन लेना, जाने-अनजाने वे एक्स्ट्रा कैलोरी ले लेती हैं। एक बार फैट शरीर पर चढ़ने लगता है तो उसे रोकना काफी मुश्किल होता है। बेहतर होगा अगर पहले से ही खानपान की कुछ आदतों पर अमल किया जाए और डाइट प्लान बनाया जाए। अगर आप शादी से पहले और बाद में अतिरिक्त वजन को हटाना चाहती हैं तो यहा दी गई बातों पर गौर फरमाएं।

शादी से पहले

- अपने दिन की शुरुआत नींबू मिले गर्म पानी से करें। इसमें क्रश किए हुए पुदीने के पत्ते भी मिला सकती हैं।
- जब भूख लगे सूप या जूस पिएं।
- अगर आप कैलोरी में कटौती करना चाहती हैं तो सबसे पहले चीनी, आइसक्रीम, केक, पेस्ट्री और प्रोसेस्ड फूड को अपने आहार से हटाएं।
- रोजाना के हिसाब से अपना लक्ष्य बनाएं। प्रतिदिन आपको 1,600 कैलोरी मिलनी चाहिए, लेकिन इससे कम करने की कोशिश करें। यह ध्यान रखें कि दिनभर में आपको कम से कम तीन मील्स और दो स्नैक्स मसलन फल या रोस्टेड नट्स या फिर स्टीम्ड फर्मेंटेड फूड लेने हैं।
- दिन की शुरुआत के लिए ब्रेकफास्ट बहुत जरूरी है। इसमें मीठे से बचें। लो फैट मिल्क प्रोडक्ट्स को प्राथमिकता दें। एक-दो सर्विंग मल्टीग्रेन सीरियल, स्प्राउट्स या बींस और कटे हुए फल लें। इससे आपको ब्रेकफास्ट से लगभग 300 कैलोरी मिलेगी। बाकी कैलोरी आपको लंच और डिनर से मिलनी चाहिए।
- लंच/डिनर में होलग्रेन सीरियल, दालें या ग्रिल्ड फिश या चिकेन के एक टुकड़े के साथ लो फैट प्रोबायोटिक दही, सलाद और एक बोल स्टीम्ड रंगीन सब्जिया लें।
- शादी से एक महीने पहले अचानक पांच किलो वजन घटाना भी ठीक नहीं है। अगर ऐसा चाहती हैं तो इसके लिए आपको शादी से छह महीने पहले अपने आहार पर ध्यान देना होगा। इसका सीधा असर आपके बाल और त्वचा पर पड़ेगा।
- अच्छी त्वचा के लिए गाजर, एप्रिकॉट, पीले और नारंगी रंग के फल व सब्जिया खाएं। पालक और अन्य हरी पत्तेदार सब्जियों को प्राथमिकता दें। टमाटर खाएं, उसमें लाइकोपीन पाया जाता है।
- अखरोट खाएं, इसमें ओमेगा फैटी एसिड पर्याप्त मात्रा में पाया जाता है, जो बालों को चमकदार और त्वचा को बेहतर बनाता है।
- दिनभर में चार-पांच कप ग्रीन टी पिएं।
- इस दौरान अल्कोहॉल व धूम्रपान से दूर रहें।
- सैलेड, सूप और फलों का सेवन करने से फैटी एसिड मिलेगा, जिससे आपको एनर्जी भी मिलेगी।
- त्वचा में पानी की कमी न होने दें। दिनभर में पर्याप्त पेय पदार्थ जैसे जूस, सूप, पानी खूब पिएं।

शादी के बाद

- जो कुछ भी खाएं धीरे-धीरे और खुश होकर खाएं। टीवी के सामने या बात करते हुए न खाएं। धीमी गति से खाने से आपको जल्दी ही पेट भरा हुआ महसूस होगा।
- ब्रेकफस्ट एक साथ करें। जिसमें एक बाउल फ्रूट्स, मूसली या फिर ओटमील हो।
- लंच में हरी सब्जियों वाला सूप जरूर लें। नॉन वेजेटेरियन हैं तो प्रॉन्स को प्राथमिकता दें।
- उस समय कतई न खाएं, जब आप तनाव या गुस्से में हों।
- ब्लैक कॉफी, जंक फूड, चाय से जहा तक हो सके दूर रहें। रिफाइंड प्रोडक्ट से बचें।
- पार्टनर के साथ एक्सरसाइज जरूर करें। फिजिकल एक्टिविटी बढ़ाने से दिल की सेहत अच्छी रहती है। कोलेस्ट्रॉल और ब्लडप्रेशर नियंत्रित रहता है। डिनर के बाद रोजाना एक घटा टहलने का लक्ष्य बनाएं।
- एक-दूसरे के पोर्शन को मैच न करें, क्योंकि पुरुषों को दिनभर में अलग कैलोरी और स्त्रियों को भिन्न कैलोरी की जरूरत होती है। पुरुषों को स्त्रियों की अपेक्षा अधिक कैलोरी की जरूरत होती है।
- जो भी खाएं पौष्टिक हो, लेकिन खाने की मात्रा हमेशा ध्यान में रखें।
- सब कुछ खाएं, लेकिन सीमित मात्रा में ताकि आप फिट और स्वस्थ रहें। संतुलित डाइट लें। खाने पर नियंत्रण का यह मतलब नहीं कि आप एक्सरसाइज करना छोड़ दें। साथ-साथ वह भी जरूरी है।

डांस करके घटाइए वजन

डांस के दौरान हाथ-पैरों के साथ ही पूरे शरीर की एक्सरसाइज हो जाती है। डांस करने से शरीर का ब्लड सर्कुलेशन बहुत तेज होता है,साथ ही शरीर की मांसपेशियों पर भी काफी खिंचाव पड़ता है,जो स्वस्थ बनाए रखता है। मोटापे से ग्रसित वे लोग, जिन्हें योगा और जिम जाना अच्छा नहीं लगता है,डांस के द्वारा मोटापे पर नियंत्रण पा सकते हैं। जी हां,डांस करने से मनोरंजन तो होता ही है,साथ ही इससे पूरे शरीर की कसरत भी हो जाती है। यह खुद को फिट रखने का सबसे अच्छा तरीका है। इससे शरीर के हर एक अंग की अच्छी कसरत हो जाती है। हर रोज डांस करने से पूरा शरीर स्वस्थ रहता है। डांस का दिमाग पर भी अनुकूल असर पड़ता है। इससे शरीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक स्वास्थ्य भी ठीक बना रहता है। जो लोग थोड़ी देर तक ही सही लेकिन नियमित डांस करते हैं,उनको मोटापे की समस्या नहीं होती और वे स्वस्थ बने रहते हैं। डांस फ्लोर पर कम से कम पांच मिनट डांस करने मात्र से शरीर की तीस कैलोरी ऊर्जा बर्न हो जाती है। शोधकर्ताओं का कहना है कि जो लोग कम उम्र में ही डांस करना शुरू कर देते हैं,उन्हें कम तनाव होता है और उनकी सेहत फिट बनी रहती है।

एलोवेरा बनेगा किडनी का सुरक्षा कवच

वनस्पतियों में छिपे औषधीय गुणधर्म हजारों साल से जीवन को संजीवनी देते रहे हैं, लेकिन उनके अनुसंधान पर परिणामी काम नहीं हुआ। अंग्रेजी दवाओं की भेंट चढ़ती जिंदगी में फिर से जान फूंकने के लिए चिकित्सा जगत आयुर्वेद की शरण में खड़ा हैं। लाला लाजपत राय मेडिकल कॉलेज के फार्माकोलोजी विभाग में गिलोय के बाद अब एलोवेरा पर चल रहे एक शोध में इसे किडनी रोगों पर अत्यंत लाभकारी पाया गया है। चरक संहिता में भी एलोवेरा को औषधीय गुणों से लवरेज बताया गया है, किंतु वैज्ञानिक शोध पर आधारित पुष्टि की कमी रही। फार्माकोलोजी विभाग की एमडी की छात्रा डॉ. शालिनी वीरानी ने चूहों पर किए गए एक शोध में पाया कि एलोवेरा के सेवन से एक माह में उनकी किडनी पूरी तरह ठीक हो गई।

महंगी डायलिसिस से मिलेगी निजात

किडनी रोगियों की संख्या बढ़ने से चिकित्सा के समक्ष एक कठिन चुनौती है। एलोपैथिक में किडनी रोगियों को डायलिसिस पर रखा जाता है, जो महंगा होने के साथ-साथ साइड इफेक्ट भी करता है। एलोवेरा से किडनी रोगों में चमत्कारिक सुधार के संकेत से अब विभाग ट्रायल का दूसरा चरण शुरू करेगा। बाद में इसके पेटेंट के लिए आवेदन किया जाएगा।

मन को जोड़ें सांसों से

मन को काबू में करने का मतलब है अपनी अनियंत्रित विचारशैली को नियंत्रित करना। मन को सांसों से जोडिए। प्राणवायु से जुड़ते ही बेलगाम मन पर नियंत्रण करना आसान हो जाएगा। अपने विचारों को रोकने का प्रयास करें। विचार रूकते ही मन धीमा होगा, इसे फिर सांसों से जोड़ दें। मन का सांस से गहरा संबंध है। मन सारी इंद्रियों का स्वामी है और सांस मन का। इसलिए श्वास के नियंत्रण से हम चित्त को स्थिर करके आंतरिक शांति प्राप्त कर सकते हैं। जब भी बेचैनी हो, मन अशांत हो, तनाव हो, तो पद्मासन में बैठकर सांस भीतर खींचे, उसे थोड़ी देर भीतर ही रोकें, फिर धीरे-धीरे छोड़ दें। ऐसा प्रयोग दिन में दो-तीन बार करने से आप काफी सहज महसूस करेंगे।

हेल्थ प्लस

खतरनाक हो सकता है नींद का न आना

नींद की समस्या से मेलाटोनिन और कोरटिसोल का संतुलन गड़बड़ा जाता है। यह दोनों हार्मोन कैन्सर कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अपर्याप्त नींद की वजह से मेलाटोनिन हारमोन का उत्पादन बाधित होता है।

अगर इस बात की सूची बनायी जाये कि हमारे जीवन में किन बातों की कमी हैं, तो यह बात यकीन से कही जा सकती है कि उसमें नींद की कमी जरूर शामिल होगी। अपर्याप्त नीद से मानसिक थकान, तनाव, बेचैनी तो होती ही है, आपकी ऊर्जा भी छिन जाती है। साथ ही आपको मधुमेह, मोटापा, हाई ब्लडप्रैशर और कैन्सर तक का खतरा हो जाता है।

हमारे शरीर को हर रोज 7 से 8 घंटे की नींद की जरूरत होती है। स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के अध्ययन से मालूम हुआ कि नींद की समस्या से मेलाटोनिन और कोरटिसोल का संतुलन गड़बड़ा जाता है। ये दोनों हार्मोन कैन्सर कोशिकाओं को प्रभावित करते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, अपर्याप्त नींद की वजह से मेलाटोनिन हारमोन का उत्पादन दिमाग या ब्रेन उस समय करता है जब आप सो रहे होते हैं। मेलाटोनिन में जबरदस्त एन्टीऑक्सिडेंट गुण होते हैं। जो कोशिकाओं को नुक्सान नहीं पहुंचने देते और इस तरह वह कैन्सर में विकसित नहीं होती।

मेलाटोनिन की कमी की वजह से ओवरियों में एस्ट्रोजिन का उत्पादन भी कम हो जाता है। इससे यह खतरा हो जाता है कि महिला को अधिक एस्ट्रोजिन लेना पड़ता है और उसके इस कारण ब्रैस्ट कैन्सर हो सकता है। कम नींद की वजह से एक और महत्वपूर्ण हारमोन का संतुलन गड़बड़ा जाता है। और वह है कोरटिसोल। इसके दो काम हैं– **इम्मायून सिस्टम की गतिविधि को रेग्यूलेट करना।**

उन कोशिकाओं को जारी करना जो प्राकृतिक रूप से कैन्सर के विरूद्ध लड़ती हैं और कैन्सर कोशिकाओं को नष्ट करती हैं। इस तरह देखा जाये तो नींद हमें सिर्फ तरोताजा ही नहीं करती है बल्कि हमारी मांसपेशियों को रिपेयर करती है और शरीर की प्रतिरोधात्मक क्षमता को मजबूत करती है। नींद की कमी का सीधा संबंध डिप्रेशन से हैं।

दरअसल, कम नींद की बड़ी वजह हमारी खराब जीवनशैली है। हमारे जिस्म को एक निश्चित मात्रा की नींद की आवश्यकता होती है और अगर वह न मिले तो शरीर तकलीफ में रहता है और इसे ही स्लीप डेट या नींद का कर्ज कहते हैं।

महत्वपूर्ण टिप्स

- हमेशा नियमित समय पर सोयें।
- सोने से 4–5 घंटे पहले कैफीन, निकोटीन और शराब न लें। कैफीन और निकोटीन वह स्टिम्युलैट्स हैं जो आपकी नींद की क्षमता में हस्तक्षेप करते हैं।
- यह सुनिश्चित कर लें कि आप भूखे न सोयें और सोने से पहले बड़ा डिनर न करें।
- अपने बेडरूप में टेलिविजन और कम्प्यूटर न रखें।
- शिकायत करना, अफसोस करना और चिन्ता करना छोड़ें।

महिलाओं को स्ट्रोक से बचाता है व्यायाम

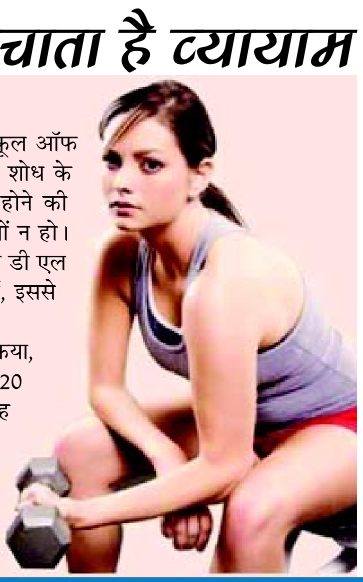

अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन के जर्नल में प्रकाशिकत हावर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हैल्थ के विशेषज्ञ फ्रेंकलूव उनके सहयोगियों द्वारा किए गए एक शोध के अनुसार अगर महिलाएं प्रतिदिन 30 मिनट व्यायाम करें तो उन्हें स्ट्रोक होने की संभावना कम होती है भले ही वह व्यायाम आधे घंटे पैदल चलना ही क्यों न हो। विशेषज्ञ फ्रेंक लू के अनुसार व्यायाम से रक्तचाप नियंत्रित रहता है और एच डी एल (हाई डेन्सिटी लियोप्रोटीन) अच्छे कोलेस्ट्रोल का स्तर बढ़ता है यही नहीं, इससे वजन भी नियंत्रित रहता है।

इस शोध में पाया गया कि जिन महिलाओं ने आधे घंटे रोज व्यायाम किया, उनमें व्यायाम न करने वाली महिलाओं की तुलना में स्ट्रोक की संभावना 20 प्रतिशत कम पायी गयी। इससे पूर्व भी बोस्टन में हुए एक अन्य शोध में यह पाया गया था कि जो महिलाएं नियमित व्यायाम जैसे पैदल चलना, जागिंग व तैराकी आदि करती हैं उन्हें हृदय रोग होने की भी संभावना कम होती है। इसके अतिरिक्ति मधुमेह, ओस्टि ओपोरोसिस और कई प्रकार के कैंसर से सुरक्षा दिलवाने में व्यायाम काफी फायदेमंद साबित हुआ है।

हृदय रोगों के लिए पैन बाइपास सर्जरी

आज की भागदौड़ भरी जिंदगी एवं बदलती हुई जीवनशैली के कारण व्यस्तता इतनी बढ़ गई है कि लोगों को अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देने का समय ही नहीं मिलता जिसका परिणाम है दिन पर दिन बढ़ते हृदय संबंधी रोग आझ सबसे अधिक मात्रा में जो हृदय रोग पाया जाता है वह है कोरोनरी आर्टरी डिसीज। लुधियाना स्थित सिबिया मेडिकल सेंटर के निदेशक डा. एस. एस. सिबिया के अनुसार अब एक नई तकनीक की शुरूआत की गई है– 'प्राकृतिक बाईपास थैरेपी' जिससे रोगियों का इलाज किया जा रहा है। हमारे हृदय में तीन प्रमुख रक्त धमनियां होती हैं जो कि आगे सूक्ष्म कैपिलरियों को जन्म देती हैं। व यह सब धमनियां एक दूसरे से जुड़ी होती हैं।

यदि धमनियां किसी कारणवश रूक जाएं व अवरूद्ध हो जाएं तो इन चैनलो के माध्यम से हृदय की मांसपेशियों को रक्त पहुंचाया जा सकता है। इसके अंतर्गत इन चैनलों को चौड़ा कर खोल दिया जाता है ताकि हृदय की मांसपेशियों तक रक्त बिना किसी रूकावट के आवाजाही कर सके। इस तकनीक को वैज्ञानिक भाषा में न्यूमैटिकली असिस्टिड नैचुरल बाईपास या पैन बाईपास भी कहा जाता है। इस थैरेपी के कई लाभ हैं जैसे रोगी को अस्पताल में भर्ती नहीं किया जाता, हमारे किसी काम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, दर्द भी न के बराबर होता है व इसका खर्च भी कम पड़ता है। सबसे बड़ी बात यह है कि इसके कोई दुष्प्रभाव नहीं होते हैं।

डा. सिबिया के अनुसार. इस नई तकनीक में एक मशीन का इस्तेमाल किया जाता है जो वैज्ञानिक तरीके से इन हृदय संबंधी धमनियों पर दबाव बनाती है जिससे हृदय की मांसपेशियों में रक्त प्रवाह को बढ़ावा मिलता है। इसमें एक घंटे से भी कम समय में इन सामानतंर कैपिलरियों में नया संचार किया जाता है जिससे रक्त प्रवाह ठीक से स्थिर हो सके। इस मशीन के द्वारा हृदय में मांसपेशियों को रक्त प्रवाह तब कराया जाता है जब ये मांसपेशियां स्थिर होती हैं।

तरह-तरह के दूध की उपयोगिता

दूध गुणकारी व शक्तिदायक होता है। यह मनुष्यों की दुर्बलता को भी दूर करता है। दूध चाहे पशुओं का हो या वनस्पतियों का सभी रोगनाशक होते हैं। कई रोगों में इसका प्रयोग लाभकारी होता है। कौन–सा दूध, किस काम के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है, आइए इसी से संबंधित कुछ बातें जानें।

- नींद न आने पर बकरी के दूध से हाथ व पैरों पर मालिश करने से नींद शीघ्र आती है।
- घोड़ी का दूध पीने से खांसी मिटती है।
- मां के दूध को संतरे के रस में मिलाकर छोटे बच्चों को पिलाने से बच्चों को होने वाले दस्त रुक जाते हैं।
- मां के दूध में हींग घिसकर कानों में दो बूंद डालने से कान का दर्द मिटता है।
- पपीते का दूध रुई के फाहे में रखकर दांतों के बीच रखने से दांत का दर्द मिटता है।
- जूते की रगड़ से पैरौं पर पड़े छालों पर पपीते का दूध लगानने से राहत मिलती है।
- पपीते का दूध लगाने से चर्मरोग मिटते हैं।
- कच्चे फोड़े पर गूलर का दूध लगाने से फोड़ा पक कर जल्दी फूट जाता है।
- खुजली होने पर गाय के दूध में रुई के फाहे को भिगोकर शरीर पर मलने से लाभ होता है।
- भेड़ का दूध पथरी गलने में, मोटापा कम करने में तथा बालों को झड़ने से रोकने में सहायक होता है।
- मुंहासों, कील, झांई आदि को दूर करने के लिए बकरी के दूध का इस्तेमाल करें। पाश्चात्य देशों में महिलाएं चेहरा, गर्दन व हाथों को बकरी के दूध से धोती हैं और दूध से स्नान कर चिरयौवन सौंदर्य प्राप्त करती हैं।
- रक्तयुक्त अतिसार में बकरी का दूध पीने से लाभ होता है। हाथ–पैर की त्वचा पटने पर गूलर का दूध लगाने से पीड़ा कम होकर त्वचा नरम व मुलायम बनती है।
- कमजोर लोगों को भैंस का दूध पीने से शक्ति मिलती है।
- मिर्गी की बीमारी खासकर हिस्टीरिया के दौरे आदि में घोड़ी का दूध पीना लाभकारी होता है।
- फटी एड़ी में अकाव का दूध लगाने से वे शीघ्र मुलायम होती हैं।
- सोयाबीन का दूध डायबिटीज, मलेरिया, वातरोग आदि में लेने से फायदेमंद सिद्ध होता है।

घातक भी हैं दर्दनिवारक दवाएं

दर्द एक ऐसी चीज है जिसका अहसास सभी को होता है। कुछ लोग सिरदर्द से पीड़ित रहते हैं तो कुछ कमर या पीठ दर्द से, कुछ पैरों के दर्द से परेशान रहते हैं, तो कुछ हाथ के दर्द से। इस दर्द से छुटकारे के लिए कोई डॉक्टर के पास जाता है तो कोई सीधे केमिस्ट के पास से दर्दनिवारक दवाएं लेकर खा लेता है। इन दर्द निवारक दवाओं से तात्कालिक रूप से हमें आराम भले ही मिल जाए परंतु दीर्घकाल में इनका असर शरीर के विभिन्न अंगों पर पड़ता है, जिसका कोई इलाज भी नहीं है। इसलिए दर्द निवारक दवाएं तभी लेनी चाहिए जब बहुत आवश्यक हो, लेकिन अपने मन से तो कभी नहीं। पहले डॉक्टर से संपर्क करें। फिर उसके बताए अनुसार गोलियों का सेवन करना लाभप्रद होगा। ज्यादा दर्दनिवारक गोलियों के सेवन से औरतों में माहवारी में परेशानी होती है।भविष्य में ब्लड प्रेशर की तकलीफ हो जाती है। दर्द निवारण के लिए आप प्राकृतिक चिकित्सा की मदद ले सकते है।

न्यू साइंटिस्ट नामक जरनल के अनुसार दर्द निवारक दवाओं के सेवन के कारण एक और मां और बच्चे में आत्मीय संबंध नहीं पनप पाता, वहीं दूसरी ओर पैदा हुआ नवजात शिशु मां का स्तनपान करने से कतराता है। वैज्ञानिकों के अनुसार इस समस्या के लिए पेनकिलर ही अधिक जिम्मेदार हैं।

बहुउपयोगी है 'जीरा'

कई विटामिन की खान जीरा सेहत के लिए बेहद गुणकारी है। इस मसाले का वानस्पतिक नाम क्यूमिनम साइमिनम है। जीरे में ए,बी, और सी विटामिन पाए जाते है। आयरन का भी अच्छा स्त्रोत है जीरा। आयरन से हमारा मेटाबॉलिज्म अच्छी तरह से काम करता है। इससे इम्यून सिस्टम को मजबूती मिलती है। इसके अलावा जीरा डाइजेस्टिव सिस्टम को भी अच्छी तरह से काम करने में मदद करता है।

घरेलू उपयोग

- पुराने बुखार में जीरे के फूलों का चूर्ण थोड़े से गुड़ में मिलाकर सुबह–शाम सेवन करने से लाभ होता है।
- रतौंधी में जीरा, आंवला व कपास के पत्तों को ठण्डे पानी में समान मात्रा में पीसकर सिर पर 21 दिन तक लगाने से फायदा मिलता है।
- बिच्छू के काटने पर जीरे को महीन पीसकर थोड़ा घी व सैंधा नमक मिलाकर बारीक पीस लें। मिश्रण को थोड़ा गर्म कर काटे हुए स्थान पर लगाने से दर्द में राहत मिलती है।
- जीरे के जल से नेत्र धोने से नेत्र ज्योति बढ़ती है।
- मलेरिया में करेले के थोड़े से रस में जीरे का चूर्ण मिलाकर पीने से फायदा होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): अपने काम को प्राथमिकता से करें। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-3-5-7

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-2-4-6

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र हैं। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, ङ्कचता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन के लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-2-5-8

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है, अत:वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-1-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग हैं। स्थान परिर्वतन की संभावना हैं। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-2-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शुभांक-2-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-1-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): उत्साह में वृद्धि होगी। आलस्य का त्याग करें। नये आय के स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता हैं। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। शुभांक-3-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। शुभांक-3-5-7

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा व हर्ष पूर्ण माहौल बनेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। धार्मिक यात्रा शुभ है। शुभांक-3-5-8

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश-प्रतिष्ठा में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। आज का परिश्रम आगे लाभ देगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-8

काकुरो पहेली - 1947

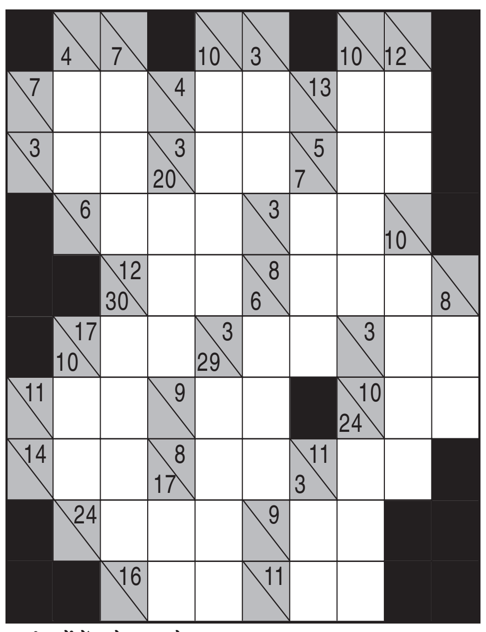

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 1946 का हल

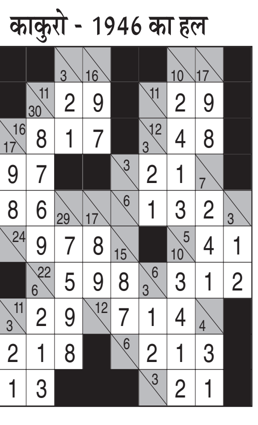

लॉफिंग ज़ोन

एक साधु बाजार में घूम रहा था। रास्ते में वह एक दुकानदार से बोला– बच्चा! साधु बाबा को कुछ दक्षिण दे दें। प्रभु की लीला हुई तो तेरी किस्मत पूरी तरह बदल जाएगी।

दुकानदार बोला– साधु बाबा, आप तो मुझे माफही करो। मुझे प्रभु की लीला नहीं चाहिए, पहले ही मैं अपनी एक लीला से परेशान हूं। दूसरी लीला का मैं क्या करूँगा।

□ □ □

एक नवविवाहित पति–पत्नी एक बहुत शानदार मकान में जीवन व्यतीत कर रहे थे। कुछ दिन बाद ही शहर में कुछ प्रसिद्ध कलाकारों का आगमन हुआ, उनके पास डाक से नाटक के दो टिकट आए।

टिकटों के साथ एक पर्चा था, जिस पर लिखा हुआ था– यह उपहार मैं भेज रहा हूँ। भेजने वाला बाद में आएगा।

पति–पत्नी खुश होकर नाटक देखने गए। जब आधी रात को घर लौटे तो देखा कि घर की सभी वस्तुओं का सफाया हो चुका था।

मेज पर कागज का एक पर्चा पड़ा था, जिस पर लिखा था– अब पता चला टिकट किसने भेजे थे?

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली - 1947

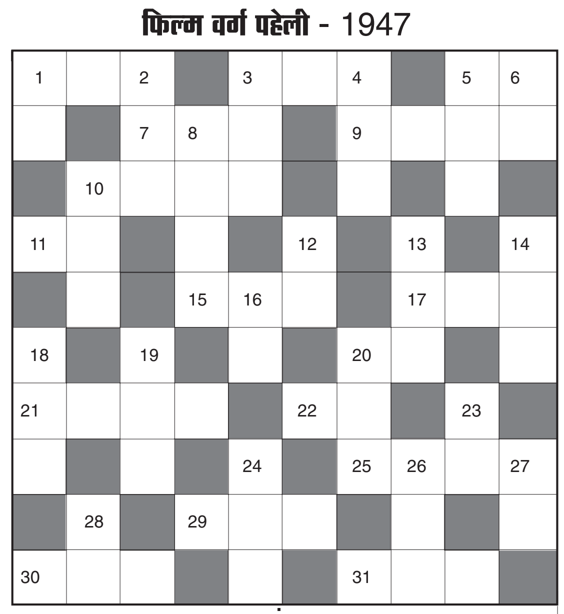

बायें से दायें:-

१. 'अंग्रेजी में कहते हैं' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म–३
३. कुमार गौरव, पूनम की 'माँग लूंगा तुझे' गीत वाली फिल्म–३
५. 'शीशा हो या दिल हो' गीत और नायिका रीना राय वाली फिल्म–२
७. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म–३
९. सुनीलदत्त, किशोरकुमार के 'सामने वाली खिड़की में' रहती है–४
१०. करिश्मा, मनीषा की 'रंग दी रंग दी' गीत वाली फिल्म–४
११. नवीन निश्चल, रेखा की 'राज की बात कह' कव्वाली वाली फिल्म–२
१५. 'जिस दिल में बसा था' गीत वाली प्रदीपकुमार की फिल्म–३
१७. सुनील शेट्टी, नम्रता की 'जीना तेरी बाहों में' गीत वाली फिल्म–३
२०. 'घायल घायल तूने मुझे' गीत वाली मिथुन, श्रीदेवी की फिल्म–२
२१. सुनीलदत्त, माला की 'चलो एक बार फिर से' गीत वाली फिल्म–४
२२. 'गाये जा गीत मिलन के' गीत वाली दिलीप, नर्गिस की फिल्म–२
२५. संजयदत्त, माधुरी की 'टपका रे टपका' गीत वाली फिल्म–४
२९. 'मैं दुनिया भुला दुंगा' गीत वाली राहुल राय, अनु की फिल्म–३
३०. मिथुन चक्रवर्ती, टीना मुनीम की १९८४ की एक फिल्म–३
३१. 'बाराना दे बाराना' गीत वाली अक्षयकुमार, शिल्पा की फिल्म–३

ऊपर से नीचे:-

१. 'हाय रे हाय रे' गीत वाली नई फिल्म–२
२. जोहराबाई अंबाले के गीत 'अंखियां मिलाके जिया' गीत वाली फिल्म–३
३. फिल्म 'अनोखी रात' के संगीतकार–३
४. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की १९९७ की एक फिल्म–३
५. 'नींद कभी रहती थी' गीत वाली फिल्म–३
६. अमिताभ बच्चन, शशि कपूर, शत्रु, राखी, परवीन, बिंदिया की अभिनीत फिल्म–२
८. 'मेरे अँगने में तुम्हारा' गीत वाली फिल्म–४
१०. फिरोजखान, हेमा, रेखा की फिल्म–३
१२. 'माई हार्ट इज बीटिंग' गीत वाली विक्रम, लक्ष्मी की फिल्म–२
१३. किशोर कुमार, मधुबाला की 'कोई हमदम ना रहा' गीत वाली फिल्म–३
१४. 'गोरे गोरे मुखड़े पे काला काला चश्मा' गीत वाली फिल्म–३
१६. फिल्म 'शरीफ बदमाश' में नायिका कौन थी–२
१८. 'तुम रूठ के मत' गीत वाली फिल्म–३
१९. अमिताभ, जया की 'जहाँ चार यार' गीत वाली फिल्म–३
२०. 'आँखों से तूने ये क्या' गीत वाली फिल्म–३
२३. अमिताभ की 'अरे दीवानों मुझे पहचानो' गीत वाली फिल्म–२
२४. 'गोरी तेरा नखरा' गीत वाली बॉबी, करिश्मा की फिल्म–३
२६. नायक-निर्माता-निर्देशक अकबर खान, रंजीता, स्मिता की फिल्म–३
२७. अनिल, अक्षय, ऐश्वर्या की सुभाष घई निर्देशित फिल्म–२
२८. 'जाने क्या होगा रामा रे' गीत वाली बहु सितारा फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली - 1946

शि	ल्पा		अ	स	र	नी		स	
का		क	म	ल		य	ल	गा	र
री	ना		री	मा		त		ई	
	रा	जे	श		प		स		ब
का	ज	ल		दा	ग	द	फ	य	र
ला		र	ख	वा	ला		री		सा
पा	पी		ल		क	र्ण		घा	त
नी		हि	ना		हीं		ज	य	
	जं		य		का	का		ल	व
कि	ग	अं	क	ल		श	क्ति		ध

सूडोकु -1947

		5			8			
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6						1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -1946 का हल

5	7	4	1	3	9	6	2	8
2	8	9	6	5	7	1	4	3
3	6	1	2	8	4	5	7	9
9	3	7	8	1	6	4	5	2
6	5	8	4	9	2	3	1	7
1	4	2	5	7	3	8	9	6
7	9	6	3	4	1	2	8	5
4	2	5	9	6	8	7	3	1
8	1	3	7	2	5	9	6	4

शब्द पहेली - 1947

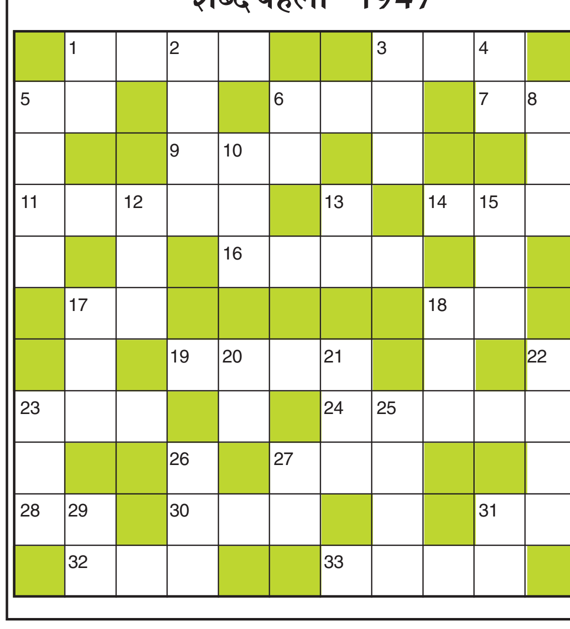

बाएँ से दाएँ

1.महीन व कीमती कपड़ा–4
3.गिरवी रखी वस्तु–3
5.चहा,पेय पदार्थ–2
6.ऐयार,गुप्तचर–3
7.संध्या,सांझ–2
9.रसद,किराणा सामग्री–3
11.करामात,करतब–5
14.विक्रय स्थल–3
16.कलाकार–4
17.चाहत,लगन–2
18.सद्,अच्छा–2
19.लंबा कोट–4
23.पानी की बूंद–3
24.कमर में पहना जाने वाला आभूषण–5
27.लोभ,लालसा–3
28.दौड़ना(अंग्रेजी–2)
30.रेखा,लाइन–3
31.अकुवा,आकड़ा–2
32.अव्यवस्थित भीड़–3
33.अचानक,सहसा–4

ऊपर से नीचे

1.शराब–2
2.सम्राट,शहंशाह–4
3.सांभर जैसा खाद्य–3
4.सरुर, मद–2
5.चापलूस–4
6.प्राण, जीवन तत्व–2
8.चिंतन–3
10.भद्र, कुलीन–3
12.अपराध–3
13.पिता का भाई–2
15.यात्री दल–3
17.प्रेम लगन–3
18.भ्रमर,जलावर्त–3
20.चमड़ी,त्वचा–2
21.अनुकृति–3
22.आर्द्रक–4
23.कटि,मध्यांग–3
25.हठ करना, जिद करना,रोना–4
26.साजन,सनम–3
27.थूक,लेस–2
29.भीगा हुआ–2
31.उम्मीद,आशा–2

शब्द पहेली - 1946 का हल

	स	ह	का	रि	ता		अ	चा	न	क
हा	र		य		ना	वि	क		त	र
थ		त	र	जु	मा		ल	ता		दा
मा	कू	ल			र	थ		क	वि	ता
र		घ		फ	ना		खा		र	
ना	म	र	ख	ना		रा	ज	म	ह	ल
	थ		त		मो	ह		ह		प
क	ना	त		रा	ह			क	पा	ल
र		ना	प		त	म	क	ना		पा
ता	ना		ली	ड	र		थ		का	ना
र	च	यि	ता		मा	ख	न	चो	र	

कांगपोकपी में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़प, एसपी घायल

एजेंसी

मणिपुर। कांगपोकपी में शाम उस समय तनाव बढ़ गया, जब सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों पर कड़ा बल प्रयोग किया। इस झड़प में एसपी कांगपोकपी समेत कई लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि एक महिला और कई पुरुषों की स्थिति गंभीर बनी हुई है। मामला तब भड़का जब प्रदर्शनकारियों ने एसपी कांगपोकपी पर स्थानीय नेताओं को दिए गए एक अहम आश्वासन का पालन न करने का आरोप लगाया। एसपी ने कथित तौर पर कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) के नेताओं से वादा किया था कि सैबोल में तैनात केंद्रीय सुरक्षा बलों को तीन घंटे के भीतर कांगपोकपी पुलिस और स्थानीय केंद्रीय इकाइयों से बदल दिया जाएगा लेकिन वादे के अनुसार कार्रवाई न होने से प्रदर्शनकारियों का गुस्सा फूट पड़ा। शाम करीब 7 बजे प्रदर्शनकारी एसपी कार्यालय की ओर कूच करने लगे। स्थिति उस समय और बिगड़ गई जब कार्यालय में मौजूद सुरक्षा बलों ने कथित तौर पर हवा में गोलियां चलाने और आंसू गैस के गोले दागने शुरू कर दिए। झड़प के दौरान प्रदर्शनकारियों ने पथराव किया, जिससे एसपी कांगपोकपी घायल हो गए। गोलियों की आवाज और आंसू गैस के धुएं से माहौल और अधिक तनावपूर्ण हो गया।

डिजिटल खनन में भारत का पहला कदम, छत्तीसगढ़ की कोयला खदान में डोजर पुश माइनिंग का सफल परीक्षण

नई दिल्ली। खनन उद्योग के लिए एक अभूतपूर्व उपलब्धि में सीएसआईआर-केंद्रीय खनन एवं ईंधन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-सीआईएमएफआर) ने भारत में पहली बार उन्नत डिजिटल तकनीकों को एकीकृत करते हुए डोजर पुश माइनिंग विधि के लिए पहला ट्रायल ब्लास्ट सफलतापूर्वक किया है। सीएसआईआर-सीआईएमएफआर द्वारा विकसित इस अभिनव दृष्टिकोण का उद्देश्य खनन प्रक्रियाओं में सुरक्षा और परिचालन दक्षता को बढ़ाना है। एक सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि यह परीक्षण छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर के उदयपुर ब्लॉक में मेसर्स अदानी एंटरप्राइजेज लिमिटेड द्वारा संचालित पीईकेबी (परसा ईस्ट और कांता बसन) कोयला खदान में किया गया था। भारत की अग्रणी निजी खनन कंपनियों में से एक अडाणी नेचुरल रिसोर्सेज द्वारा सफल परीक्षण किया गया था। इस अभिनव विधि से प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और सुरक्षा प्रोटोकॉल में सुधार करने पर ध्यान केंद्रित करने के साथ खनन कार्यों में क्रांतिकारी बदलाव की उम्मीद है।

वर्ष 2025 को हम गरीबी मुक्त गांव बनाने का लें संकल्प: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय ग्रामीण विकास और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्यों के ग्रामीण विकास मंत्रियों के साथ वर्चुअल बैठक की। शिवराज ने कहा कि वर्ष 2025 को हमें गरीबी मुक्त गांव बनाने का संकल्प लेना चाहिए। प्रधानमंत्री मोदी की इच्छा है कि हर गांव गरीबी मुक्त हो और गरीबी मुक्त गांव का मतलब है गांव का हर भाई-बहन किसी ना किसी आजीविका मूलक काम से जुड़ा हो। कोई बेरोजगार ना हो। उनकी न्यूनतम आवश्यकताओं को ठीक ढंग से पूरी कर पाएं। यह लक्ष्य सभी राज्य एक साथ मिलकर पूरा कर सकते हैं। यह असंभव नहीं है, कठिन जरूर है, लेकिन हम साथ मिलकर काम करेंगे। शिवराज ने कहा कि हम कुछ गांव से शुरुआत कर सकते हैं, सारे गांव एक साथ नहीं तो कुछ गांव कि हर ब्लॉक में चिह्नत किए जा सकते हैं और वहां सभी योजनाओं के आदर्श क्रियान्वयन से हम उस गांव को गरीब मुक्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में असमानता होती है, एक प्रदेश में क्षेत्रीय असमानता होती है जिले में, ब्लॉक में असमानता होती है और असमानताओं को चिह्नित करके जहां ज्यादा गरीबी है, वहां ज्यादा ध्यान केंद्रित किया जा सकता है। हम टेक्नोलोजी का इस्तेमाल कैसे कर सकते हैं। आईटी सोल्यूशन का विकास और भरपूर प्रयोग क्या प्रक्रियाओं का और सरलीकरण किया जा सकता है।

एक्टर अल्लू अर्जुन को बड़ी राहत, संध्या थियेटर भगदड़ मामले में मिली जमानत

हैदराबाद । नामपल्ली कोर्ट ने संध्या थियेटर भगदड़ मामले में अभिनेता अल्लू अर्जुन को नियमित जमानत दे दी है। कोर्ट ने आज साउथ के सुपरस्टार को 50-50 हजार के दो मुचलकों पर जमानत दी है। साथ ही कोर्ट ने उन्हें हर रविवार को चिक्कड़पल्ली पुलिस स्टेशन में पेश होने का भी आदेश दिया है।

इससे पहले उन्हें तेलंगाना हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिली थी। अल्लू अर्जुन की नियमित जमानयत याचिका पर 30 दिसंबर को सुनवाई हुई थी, लेकिन उस दिन कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। कोर्ट के निकट आज कड़ी सुरक्षा-व्यवस्था की गई। दरअसल, हैदराबाद में 4 दिसंबर को पुष्पा-2 फिल्म के प्रीमियर के दौरान हैदराबाद के संध्या थिएटर में भगदड़ मच गई थी। उस दौरान एक महिला की मौत हो गई थी और उन्हीं के परिवार के अन्य सदस्य गंभीर रूप से घायल हुए, जिसका उपचार आज तक जारी है। इस मामले में 13 दिसंबर को अल्लू अर्जुन की गिरफ्तारी हुई और निचली अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। हालांकि, उसी दिन उन्हें तेलंगाना हाई कोर्ट से अंतरिम जमानत मिल गई थी।

मुख्यमंत्री ने यूनियन कार्बाइड कचरे के निष्पादन पर कहा- कोर्ट के आदेश के बाद ही बढ़ेंगे आगे

एजेंसी

भोपाल। यूनियन कार्बाइड के 337 टन कचरे को पीथमपुर में नष्ट करने के विरोध में स्थानीय लोगों के प्रदर्शन के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार देररात अपने सरकारी आवास में आपात बैठक बुलाई। बैठक में यूनियन कार्बाइड के कचरे के परिवहन एवं पीथमपुर के निकट निष्पादन किए जाने के संबंध में वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और शीर्ष प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ ही विधि-वेत्ताओं से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि राज्य सरकार जनता के साथ दृढ़ता से खड़ी है। जनता का किसी भी प्रकार अहित हो, यह बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा। न्यायालय के सामने विषय रखा जाएगा और उसके आदेश पर ही आगे बढ़ा जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नागरिकों से अपील की है कि अफवाहों पर विश्वास न करें।

सरकार जनता के साथ हैं। बैठक में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल, वरिष्ठ सांसद और प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा, नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्य सचिव अनुराग जैन, मुख्यमंत्री कार्यालय में अपर मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना एवं प्रमुख सचिव विधि सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के परिपालन में यूनियन कार्बाइड का कचरा पीथमपुर पहुंचाने का परिपालन किया गया है। न्यायालय ने इस कार्य के लिए डेडलाइन दी थी कि चार जनवरी से पहले कचरा निर्धारित स्थान पर पहुंचना चाहिए। न्यायालय को छह जनवरी तक इसकी रिपोर्ट अपेक्षित थी। डॉ. यादव ने कहा कि उनके ध्यान में यह बात आई कि जनभावनाओ के लिए ऐसी परिस्थितियों में जनता तक यह विषय पहुंचना चाहिए। सुरक्षा के मापदंडों पर किसी प्रकार से कोई खतरा या कोई डर का भाव जनता के बीच आया तो राज्य सरकार यह प्रयास करेगी कि न्यायालय के समक्ष यह विषय प्रस्तुत करे। इसके बाद ही आगामी किसी प्रकार की कार्रवाई की जाए। न्यायालय जैसा आदेश देगा, सरकार उसका पालन करेगी।

दिल्ली में कोहरे से कोहराम, विजिबिलिटी शून्य, रेल और विमान यात्री परेशान

एजेंसी

नई दिल्ली। समूचा उत्तर भारत आज कोहरे की गिरफ्त में है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में लोगों को घने कोहरे से दो-चार होना पड़ा। लगातार आज दूसरे दिन दिल्ली घने कोहरे की सफेद चादर में लिपटी नजर आ रही है। इससे दिल्ली के कई इलाकों में विजिबिलिटी न के बराबर है। कुछ जगहों पर ड्राइविंग करते समय 10 मीटर दूर देखना भी संभव नहीं हो पाया। कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य है। खराब दृश्यता का असर रेल और हवाई यातायात पर पड़ा है और यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। रेलवे ने आज सुबह लगभग छह बजे दिल्ली पहुंचने वाली 49 ट्रेनों के देरी से चलने और 22 गाड़ियों के प्रस्थान समय में परिवर्तन की सूचना दी है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि दिल्ली को कुछ दिन तक ऐसे ही मौसम का सामना करना पड़ सकता है। अगले कुछ दिनों तक न्यूनतम तापमान 7 से 9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। विभाग ने उत्तर भारत में कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। आज सुबह उत्तर भारत के लगभग सभी एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी शून्य है। दिल्ली-एनसीआर में भी कई इलाकों में विजिबिलिटी शून्य दर्ज की गई। कोहरे के कारण दिल्ली एयरपोर्ट पर 100 से ज्यादा उड़ान प्रभावित हुई हैं। दिल्ली एयरपोर्ट पर अभी तक 30 उड़ानों को रद्द किया गया है। इनमें सबसे ज्यादा इंडिगो की उड़ाने हैं। विजिबिलिटी घटने का असर सड़क और रेल परिवहन सेवाओं पर भी पड़ा है। वाहन बहुत धीमी गति से चल रहे हैं। दिल्ली आने और यहां से जाने वाली ट्रेन लेट चल रही हैं। सुबह छह बजे दिल्ली पहुंचने वाली 49 ट्रेनें 35 मिनट से 4 घंटा 12 मिनट की देरी से चल रही हैं।

पीथमपुर में जहरीला कचरा जलाने का विरोध तेज, पुलिस पर हुआ पथराव

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में गैस कांड के 40 साल यूनियन कार्बाइड फैक्ट्री का जहरीला कचरा धार जिले औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में नष्ट करने की तैयारी की जा रही है, लेकिन इसका जमकर विरोध विरोध हो रहा है। शुक्रवार सुबह से हो रहा प्रदर्शन शाम को और तेज हो गया। पावर हाउस चौराहे पर भीड़ ने पुलिस पर पथराव कर दिया। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज कर प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा। इस दौरान पुलिसकर्मी एक महिला को घसीटते नजर आए। पत्थर फेंकने वालों को पुलिस ने चेतावनी दी है। पुलिस ने एनाउंस कर भीड़ को ऐसा नहीं करने की हिदायत दी है। पथराव की घटना के बाद एसपी मनोज कुमार सिंह मौके पर पहुंचे। उन्होंने हालात का जायजा लिया। लोगों से कानून व्यवस्था बनाए रखने की अपील की। इसी बीच धार कलेक्टर प्रियंक मिश्रा का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि कानून व्यवस्था को बाधित करने की अनुमति किसी को नहीं दी जाएगी। उन्होंने शुक्रवार देर शाम जानकारी देते हुए बताया कि पीथमपुर में कानून व्यवस्था तरीके से मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी व्यक्ति के जीवन-यापन को प्रभावित होने नहीं दिया जाएगा।

को किसी भी कीमत पर बिगड़ने नहीं देंगे। शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान सभी लोगों की बातें सुनी जा रही हैं और उनका निराकरण भी किया जा रहा है। जनता से निरंतर संवाद स्थापित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता को जागरूक किया जा रहा है, समझाइश दी जा रही है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशानुसार आवश्यक कार्यवाही की जा रही है। हर एक गतिविधि पारदर्शी कलेक्टर मिश्रा ने कहा है कि हम सभी से संवाद करेंगे और सभी समस्याओं का समाधान करेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निर्देशानुसार संविधान के दायरे में रहकर ही सभी मुद्दों का समाधान किया जाएगा। उन्होंने अपील की है कि सड़कों पर प्रदर्शन न करें। आमजन की सभी बातें सुनी जाएंगी।

जहां मूर्ति, वहां नमाज़ नहीं, संवाद से निकले विवादित इबादतगाहों का हल : मुस्लिम राष्ट्रीय मंच

एजेंसी

नई दिल्ली। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने भारतीय समाज में सांप्रदायिक सौहार्द्र और धार्मिक सहिष्णुता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऐतिहासिक पहल की है। मंच ने देश के मुसलमानों से अपील की है कि संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा राष्ट्रहित में 142 करोड़ लोगों के लिए दिए बयान का सम्मान करते हुए, मुसलमानों को भी बड़ा दिल दिखाते हुए भारत को विकास के रास्ते पर ले जाने का संकल्प लेना चाहिए। मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के राष्ट्रीय संयोजक एवं मीडिया प्रभारी शाहिद सईद ने बताया कि अदालतें सर्वोपरि हैं लेकिन विवादित धर्मस्थलों पर संवाद के माध्यम से हल निकाला जाना चाहिए। इससे देश की एकता, अखंडता, सौहार्द, भाईचारा और मेलमिलाप बना रहता है, आपसी रंजिशें नहीं रहती हैं। इसलिए मंच का आह्वान है कि जहां कहीं भी दो पक्षों के बीच अदालत में झगड़ा चल रहा है, वहां दोनों पक्ष आपसी संवाद कर आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट करें तो यह किसी भी सभ्य समाज के लिए बेहतर होगा। मंच के राष्ट्रीय संयोजक मंडल ने ऐलान किया कि संवाद के जरिये हिंदुओं की ऐतिहासिक इबादतगाहों को पुनर्स्थापित करते हुए काशी, मथुरा

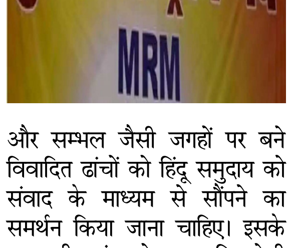

और सम्भल जैसी जगहों पर बने विवादित ढांचों को हिंदू समुदाय को संवाद के माध्यम से सौंपने का समर्थन किया जाना चाहिए। इसके साथ ही, मंच ने कहा कि ऐसी मस्जिदें जहां किसी कारणवश नमाज नहीं हो रही हो या जो वीरान पड़ी हों, उन मस्जिदों को मुसलमानों को सौंपा जाए ताकि वे उन्हें पुनः स्थापित कर आबाद कर सकें। मंच ने इस्लामिक सिद्धांतों के आधार पर यह स्पष्ट किया कि बुतपरस्ती (मूर्ति पूजा) की इजाजत इस्लाम में नहीं है। जिन मस्जिदों में टूटी हुई मूर्तियां पाई गई हैं या जिन स्थानों पर मंदिर होने के ऐतिहासिक, सामाजिक अथवा प्रत्यक्ष प्रमाण हैं, वहां नमाज पढ़ना इस्लामिक उसूलों के खिलाफ है और यह नमाज के लिए नापाक जगह है। ऐसी जगह नमाज कबूल नहीं होती। मंच ने कुरान और हदीस का हवाला देते हुए कहा कि जबरन कब्जा की गई भूमि पर मस्जिद बनाना इस्लाम के सिद्धांतों के खिलाफ है। चार जनवरी को लखनऊ में मंच का बड़ा कार्यक्रम है। उससे ठीक पहले शुक्रवार की सुबह लखनऊ की बैठक पर चर्चा और एजेंडा तय करने के लिए मंच की ऑनलाइन बैठक हुई। इसमें 20 राज्यों और 6 केंद्र शासित प्रदेशों को मिलाकर 70 स्थानों से मंच की बैठक में लोग जुड़े। बैठक की अध्यक्षता मुस्लिम राष्ट्रीय मंच ने की, जिसमें देश भर के कई छोटे-बड़े मुस्लिम संगठनों और उनके नेताओं ने शिरकत की।

महाभारत में पांडवों ने युद्ध के समय किया था घोष, संघ ने भी इसे पुनर्जागृत किया: डॉ. मोहन भागवत

एजेंसी

इंदौर। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में इंदौर में स्वर शतकम् कार्यक्रम का घोष वादन के साथ समापन हुआ। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की मौजूदगी में यहां दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में ध्वजारोहण के बाद मालवा प्रांत के 28 जिलों के 870 घोष वादक की प्रस्तुति शुरू हुई। सरसंघचालक डॉ. भागवत ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि एक साथ इतने स्वयंसेवक संगीत का प्रस्तुतिकरण कर रहे हैं, यह एक आश्चर्यजनक घटना है। हमारी रण संगीत परंपरा जो विलुप्त हो गई थी, अब फिर से लौट आई है। महाभारत में पांडवों ने युद्ध के समय घोष किया था, उसी तरह संघ ने भी इसे पुनर्जागृत किया है। उन्होंने कहा कि संघ जब शुरू हुआ, तब शारीरिक कार्यक्रमों के साथ-साथ संगीत की

भी आवश्यकता थी। उस समय मिलिट्री और पुलिस से ही संघ ने संगीत सीखा। यह सब देशभक्ति के लिए किया गया। उन्होंने कहा कि हमारा देश दरिद्र नहीं है, हम अब विश्व पटल पर खड़े हैं। संघ के कार्यक्रमों से मनुष्य के सद्गुणों में वृद्धि होती है। संघ लाठी चलाना प्रदर्शन के लिए नहीं सिखाता। लाठी चलाने का उद्देश्य झगड़ा करना नहीं है, बल्कि यह उस स्थिति के लिए है, जब कोई हमारे सामने आकर गिर जाए, तो हम उसकी मदद कर सकें। यह एक कला है और लाठी चलाने से व्यक्ति को वीरता आती है। डर का भाव खत्म हो जाता है डॉ. भागवत ने कहा कि भारतीय संगीत और वाद्य यंत्रों का तालमेल, सद्भाव और अनुशासन सिखाता है, साथ ही यह मनुष्य को व्यर्थ के आकर्षणों से मुक्त कर सत्कर्मों की ओर प्रेरित करता है। भारतीय संगीत न केवल चित्त की वृत्तियों को शांत करता है, बल्कि आनंद की भावना उत्पन्न करता है। दुनिया का संगीत चित्त को उत्तेजित करता है, जबकि भारतीय संगीत उसे शांति प्रदान करके आनंद उत्पन्न करता है। भारतीय संगीत सुनने से व्यक्ति में इधर-उधर के आकर्षणों से मुक्ति पाकर सत्कर्मों की प्रवृत्ति जागृत होती है। उन्होंने संघ में घोष दलों के महत्व को बताते हुए कहा कि संगीत के सब अनुरागी है, लेकिन साधक सब नहीं होते।

मणिपुर के कांगपोकपी जिले में सुरक्षाबलों ने हथियार और गोला-बारूद बरामद किया

एजेंसी

इंफाल। मणिपुर के पहाड़ी और घाटी जिलों के सीमावर्ती और संवेदनशील क्षेत्रों में सुरक्षाबलों को बड़ी कामयाबी मिली है। तलाशी और नियंत्रण अभियान के दौरान कांगपोकपी जिले के लोइबोल खुनौ क्षेत्र से हथियारों और गोला-बारूद को जखीरा सुरक्षाबलों के हाथ लगा है। बताया गया है कि 7.62 एमएम स्नाइपर राइफल, एक इम्प्रोवाइज्ड लॉन्ग रेंज मोर्टार (पंपी), तीन पिस्तौल (9एमएम) और तीन मैगजीन, 12 बोर गन, एसबीबीएल गन, 10 कारतूस, तीन हैंड ग्रेनेड (नंबर 36), तीन पिकेट ग्रेनेड (एंटी-रायट), दो आंसू गैस ग्रेनेड (एंटी-रायट) और एक वायरलेस सेट (मोटोरोला) बरामद किया गया है।

उत्तराखंड में मिलेट्स मिशन को बढ़ावा, सरकार ने किसानों से इस साल खरीदा 3100 मीट्रिक टन मंडुआ

एजेंसी

देहरादून। केंद्र और उत्तराखंड सरकार की ओर से अब मिलेट्स फसलों को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिस कारण उत्तराखंड में मंडुआ उत्पादक क्षेत्र के साथ ही उत्पादन भी बढ़ रहा है। धामी सरकार ने इस साल विभिन्न सहकारी और किसान संघों के जरिए उत्तराखंड के किसानों से 3100 मीट्रिक टन से अधिक मंडुआ खरीदा है। सरकार ने इस साल किसानों को मंडुआ पर 4200 प्रति कुंतल का समर्थन मूल्य भी दिया है। उत्तराखंड के सीढ़ीदार खेतों में परंपरागत रूप से मंडुआ की खेती होती रही है। लेकिन कुछ साल पहले तक मंडुआ फसल उपेक्षा का शिकार रहती थी, जिस कारण किसानों का भी मंडुआ उत्पादन के प्रति मोह भंग होने लगा था। मौजूदा राज्य सरकार ने

मंडुआ उत्पादक किसानों को प्रोत्साहन देने के लिए सबसे पहले 2022 इसे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के तहत के तहत, न्यूनतम समर्थन मूल्य पर किसानों से खरीदना शुरू किया। साथ ही उपभोक्ताओं तक मिलेट्स उत्पाद पहुंचाने के लिए सार्वजनिक वितरण प्रणाली से लेकर मिड डे मील और आंगनबाड़ी केंद्रों के पोषण कार्यक्रम में इसे शामिल किया गया। इसी तरह सरकार ने स्टेट मिलेट मिशन शुरू करते हुए, उत्पादन बढ़ाने के साथ ही, मिलेट्स उत्पादों को अपनाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार, किसानों से खरीद से लेकर भंडारण तक की मजबूत व्यवस्था तैयार की। वहीं किसानों को बीज, खाद पर अस्सी प्रतिशत तक सब्सिडी दी गई।

सचिव सहकारिता डॉ. बीवीआरसी पुरुषोत्तम ने बताया कि सरकार ने दूर दराज के किसानों से मंडुआ खरीदने के लिए बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों और किसान उत्पादक संगठनों के सहयोग से जगह - जगह संग्रह केंद्र स्थापित किए। इस प्रयोग की सफलता की कहानी यूं कही जा सकती है कि 2020-21 में जहां इन केंद्रों की कुल संख्या 23 थी जो 2024-25 में बढ़कर 270 हो गई है। इन केंद्रों के जरिए इस साल उत्तराखंड के किसानों से 3100.17 मीट्रिक टन, मंडुआ की खरीद की गई, इसके लिए किसानों को 42.46 प्रति किलो की दर से समर्थन मूल्य दिया गया। सरकार ने मंडुआ खरीद में सहयोग देने के लिए किसान संघों को 150 रुपये प्रति कुंतल और बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों को प्रति केंद्र 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि प्रदान की। साथ ही सुनिश्चित किया गया कि केंद्रों का भुगतान 72 घंटे में कर दिया जाए। प्रदेश में 2021-22 में मंडुआ समर्थन मूल्य कुल 2500 प्रति कुंतल था, जो 2024-25 में 4200 प्रति कुंतल हो गया है।

महाराष्ट्र को पिछले छह महीनों में भारत का 31 फीसदी विदेशी निवेश मिला : फडणवीस

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र को पिछले छह महीने में भारत का 31 फीसदी विदेशी निवेश मिला है। यह विदेशी निवेश भारत के अन्य राज्यों को मिले विदेशी निवेश में सर्वाधिक है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया को बताया कि महाराष्ट्र में वर्ष 2024-25 के पहले छह महीनों (अप्रैल से सितंबर) में 1,13,236 करोड़ रुपये का विदेशी निवेश आया है। यह औसत विदेशी निवेश से अधिक है। महाराष्ट्र ने 2022-23 के दौरान 1.18 लाख करोड़ रुपये और 2023-24 में 1.25 लाख करोड़ रुपये का एफडीआई आकर्षित किया था। उल्लेखनीय है कि महाविकास आघाड़ी की ओर से लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान कहा गया था कि राज्य में विदेशी निवेश घट गया है। विदेशी निवेश में पड़ोसी राज्य कर्नाटक,

गुजरात महाराष्ट्र से आगे निकल चुके हैं। विपक्ष ने यह भी दावा किया था कि राज्य सरकार की नीतियों के कारण महाराष्ट्र अन्य राज्यों से विदेशी निवेश में पिछड़ रहा है। मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि विपक्ष के दावे झूठे हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों से पता चला है कि विदेशी निवेश में महाराष्ट्र देश में सबसे आगे है, इसके बाद कर्नाटक 21फीसदी (83,628 करोड़ रुपये) और गुजरात 16 फीसदी (37,059 करोड़ रुपये) है।

पंजाब और दिल्ली के किसानों से विश्वासघात कर रही आआपा : भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने आम आदमी पार्टी की पंजाब और दिल्ली की सरकारों को वहां के किसानों के हित में योजनाओं को लागू करने में पूरी तरह विफल बताया है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल और भगवंत मान किसानों के साथ विश्वासघात कर रहे है।चुघ ने कहा कि इस विफलता ने आप को एक किसान-विरोधी पार्टी के रूप में उजागर कर दिया है, जो किसानों को मोदी सरकार द्वारा उनके लिए अनुरूप लाभों से वंचित कर रही है। उन्होंने कहा कि आप सरकार की नीतियां न केवल किसानों को नुकसान पहुंचा रही हैं बल्कि झूठे आख्यानों और खोखले वादों से देश को गुमराह भी कर रही हैं। चुघ ने मीडिया से बातचीत में कहा कि जब कांग्रेस और आप एक-दूसरे पर दोषारोपण करने में व्यस्त हैं, तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने कृषि क्षेत्र के बजट में कई गुना वृद्धि की है। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के दौरान यह बजट केवल 20,000 करोड़ रुपये के आसपास था, जो अब मोदी सरकार में यह 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है।चुघ ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से सवाल किया कि भाजपा शासित हरियाणा में किसानों को 24 फसलों पर एमएसपी दिया जा रहा है, जबकि तथाकथित किसान हितैषी आप पार्टी ने पंजाब और दिल्ली के किसानों को ऐसे किसी भी लाभ से वंचित क्यों रखा है।

उत्तर पश्चिम और मध्य भारत में अगले 2 दिनों तक घना कोहरा और शीत लहर जारी रहने की संभावना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में सर्दी का सितम जारी है। मौसम विभाग के अनुसार आने वाले दो दिनों तक शीत लहर जारी रहेगी। सुबह और शाम को घना कोहरा छाया रह सकता है। सुबह पालम एयरपोर्ट पर विजीबिलिटी शून्य पहुंच गई। हाइवे पर चलने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। वहीं, ट्रेन और हवाई जहाज से सफर करने वालों को भी घंटों इंतजार करना पड़ा। रेलवे के मुताबिक दिल्ली आने और यहां से रवाना होने वाली कुल 41 ट्रेनें अपने निर्धारित समय से घंटों विलम्बित हुईं। इस बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने दिल्ली-एनसीआर में अगले दो दिनों तक शीतलहर बरकरार रहने की संभावना जताई है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में अगले 4 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और उसके बाद 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है।इसके साथ उत्तर पश्चिम भारत में अगले 4 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि और उसके बाद 2-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होने की संभावना है।पूर्वी भारत में अगले 24 घंटों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव नहीं होगा और अगले 2-3 दिनों में 2-3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की संभावना है। पश्चिम भारत में अगले 5 दिनों के दौरान न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन होने की संभावना नहीं है, गुजरात राज्य को छोड़कर जहां अगले 3 दिनों के दौरान कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा और उसके बाद 2-3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट होगी। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग स्थानों में 03 और 4 जनवरी को शीत दिवस की स्थिति बने रहने की संभावना है। दिल्ली के आयानगर में न्यूनतम तापमान 5.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। यह सामान्य से एक डिग्री सेल्सियस कम है। मौसम विज्ञान विभाग का पूर्वानुमान है कि ज्यादातर जगह स्मॉग एवं मध्यम से घना कोहरा रहेगा।

41 ट्रेनें लेट

घने कोहरे की वजह से विजबिलिटी कम हो गई है । इसके कारण राजधानी से आने-जाने वाली 41 ट्रेनों के परिचालन में देरी हुई। ट्रेनों के लेट होने के कारण यात्रियों को स्टेशन पर घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। देरी से रवाना होने वाली ट्रेनों में दिल्ली सराय रोहिला-जोधपुर एक्सप्रेस, सोगरिया सुपरफास्ट एक्सप्रेस, भुवनेश्वर दुरंतो एक्सप्रेस शामिल हैं। देरी से दिल्ली पहुंचने वाली ट्रेनों में फरक्का एक्सप्रेस, श्रम शक्ति एक्सप्रेस, कालिंदी एक्सप्रेस, महाबोधि एक्सप्रेस, प्रयागराज एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा विमानन कंपनियों ने भी यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की है।आने वाले दो दिनों में ठंड का कहर और बढ़ सकता है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक उत्तर भारत में पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हो गया है।

ऐसे करें बालों को सीधा

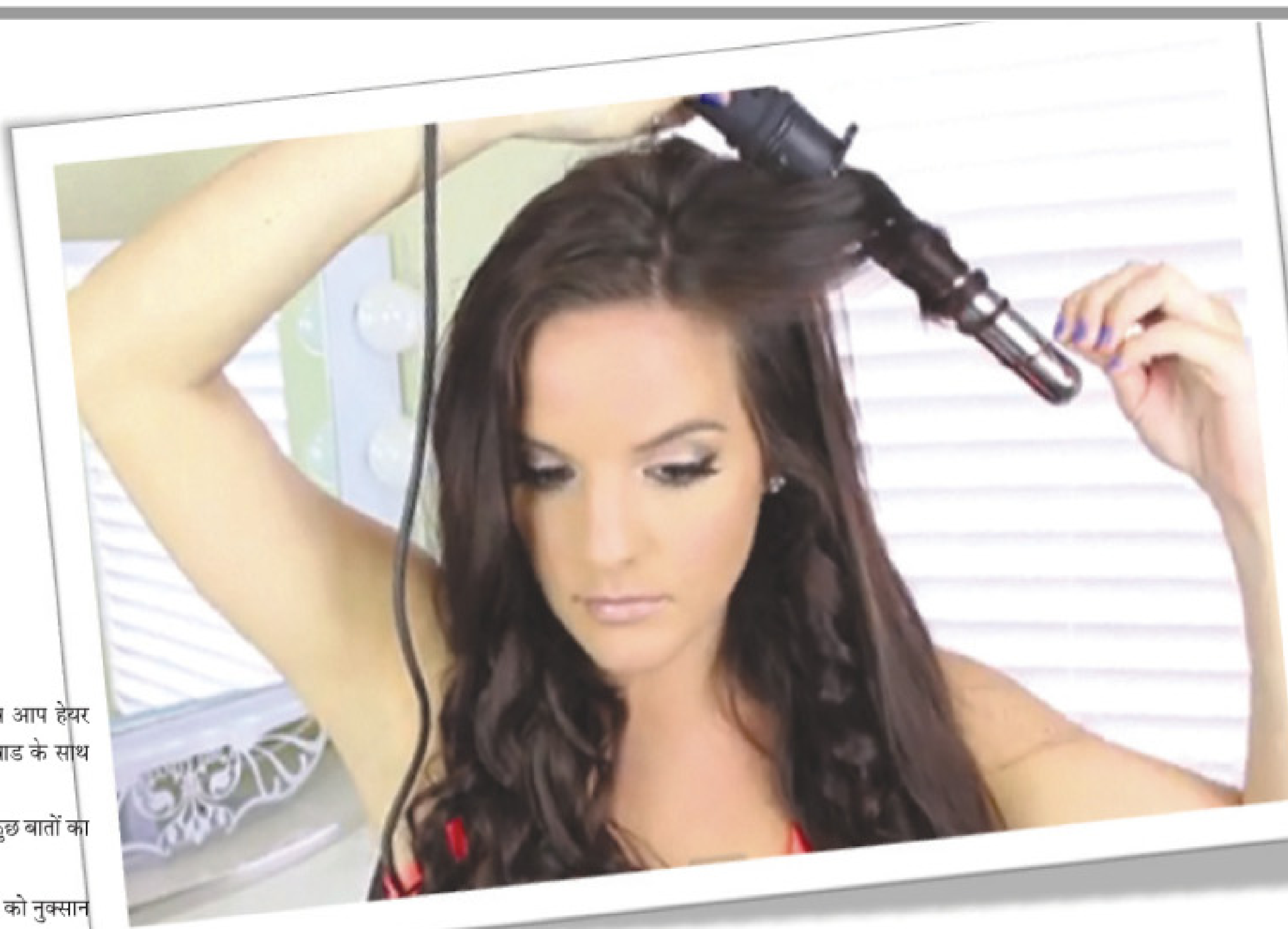

आज सीधे बालों का ट्रेंड सा चल गया है। जिनके बाल सीधे ना होकर घुंघराले या लहरदार हैं और वो अपने बालों को सीधा करना चाहते है। आप भी अपने बालों को अस्थायी रूप से सीधा कर सकते हैं, जो कुछ समय तक सीधे रह सकते है। कुछ स्थायी तकनीक अपनाकर आप अपने बालों को लगभग साल भर के लिए सीधा रख सकते हैं। अगर आप अपने बालों को किसी विशेष मौके के लिए सीधे करना चाहते हैं, तो अस्थायी रूप का इस्तेमाल कर सकते है। उदाहरण के लिए विवाह या कोई डिन्नर पार्टी। बालों को स्थायी रूप से सीधा करना बहुत महंगा होता है। यह केवल उन लोगों के लिए हैं जो हमेशा के लिए अपने बाल सीधे रखना चाहते है।

बालों को अस्थायी रूप से सीधा करना

विशेष प्रकार के आयरन के प्रयोग से बालों को अस्थायी रूप से सीधा या स्ट्रेटन किया जा सकता है। इसके लिए सेरेमिक का प्रयोग किया जाता है, क्योंकि यह सेरेमिक बालों को गर्मी के नुकसान से बचाता है। जब आप हेयर स्ट्रेटनिंग के लिए खरीदारी करें तो जाने माने ब्राड के साथ तापमान को नियंत्रित करने वाले स्ट्रेटेनर ही लें।

जब आप हेयर स्ट्रेटनर का प्रयोग करें तो आप कुछ बातों का ध्यान रखें।

- हेयर स्ट्रेटनर का ज्यादा तापमान रखकर बालों को नुक्सान ना पहुंचाएं।
- बिजली के झटके से बचाने के लिए आपको बालों के सूखने के बाद ही हेयर स्ट्रेटनिंग करनी चाहिए।
- जब भी आप बालों पर किसी गर्म उपकरण का उपयोग करें तो बालों को पहले अच्छी तरह कंडीशनिंग कर लें।

सरलता से हेयर स्ट्रेटनर का उपयोग करने के लिए

बालों के ऊपर की सतह को किसी काटे से ऊपर अटका लें। जड़ों से आरम्भ करते हुए, नीचे के हिस्से के बालों को लें, फिर आयरन को बालों की पूरी लम्बाई पर प्रयोग करें। जब ऊपर के बालों पर आयरन हो जाए तो दूसरे काटें में लगे बालों को निकाल लें और उन्हें सीधा करें, फिर ब्रश कर लें।

स्थायी रूप से बाल सीधे करना

यदि आप स्थायी रूप से बाल सीधे करना चाहती हैं तो कुछ रसायन या रेलेक्ज़र का प्रयोग करना होगा। ये बालों को जला कर उन्हें नुकसान पहुंचा सकते हैं। इस कारण अधिकतर विशेषज्ञ इस उपचार को अपने आप घर में करने की तुलना में किसी सलोन में करने की सलाह देते हैं। इसके लिए किसी च्छे पार्लर में ही जायें।

बालों को स्थायी रूप से सीधा करने के लिए कुछ इस प्रकार के रसायन का प्रयोग किया जाता है। जैसे-

सोडीअम हाइड्राक्सासइड

अमोनीयम थायोग्ला इकोलाइट

बालों को सीधा करने के लिए कई और प्रकार के रसायन का प्रयोग किया जाता है। इसे शैम्पू से आसानी से धोया नहीं जा सकता और यह गर्म मौसम में निकल जाता है। इससे एलर्जी प्रतिक्रिया भी हो सकती है।

सावधानी

विभिन्न प्रकार के उपचार बालों को प्रभावित करते

चुनें सही शैंपू

बालों को स्वस्थ, चमकदार बनाने के लिए शैंपू का इस्तेमाल सबसे पहला कदम है। बाजार में तमाम किस्म के शैंपू उपलब्ध है, लेकिन क्या वाकई वे आपके बालों के लिए सही हैं? क्या कभी इस बात पर आपने ध्यान दिया? अगर नहीं तो अपने बालों की किस्म और जरूरत के मुताबिक कौन सा शैंपू आपको इस्तेमाल करना चाहिए जानें हेयर एक्सपर्ट जावेद हबीब से।

- अगर आप बालों को सुबह धोती है और दोपहर तक आपके बाल तैलीय नजर आते है तो इसका मतलब है कि आपके बाल तैलीय हैं। इसके लिए ऑयली हेयर के लिए बना शैंपू प्रयोग करे, क्योंकि इसमें अमोनियम लॅरिल सल्फेट की मात्रा ज्यादा होती है, जो आपके सिर की त्वचा से अतिरिक्त तेल को निकालने में मदद करता है।
- अगर आप बहुत सारे स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स इस्तेमाल करती है तो आपको क्लैरिफाइंग शैंपू इस्तेमाल करना चाहिए। यह आपके बालों की डीप क्लींजिंग करता है और स्टाइलिंग प्रोडक्ट्स में इस्तेमाल किए गए केमिकल के असर को भी कम करता है।
- -कलर रिफ्रेशर शैंपू वेजटेबल डाई से बने होते है और आपके हेयर कलर को लंबे समय तक बरकरार रखने में मदद करते हैं। साथ ही जिस कलर का आपने हेयर कलर लगाया उसी रंग और शेड में उपलब्ध है। यह बालों को शाइन देने के लिए होते है।
- अगर आपने अभी-अभी हेयर कलर कराया है और आप उसकी चमक को बरकरार रखना चाहती है तो ऐसा शैंपू इस्तेमाल करे जिसमें अल्ट्रा वॉयलट फिल्टर्स हों और माइल्ड क्लींजिंग भी करे ताकि आपके बालों को सूर्य के प्रभाव से खराब होने से बचाने में भी मदद करे। साथ ही हेयर कलर फीका होने से भी बचाए। जागरण सखी

दिखें दूसरों से जुदा

कॉलेज में हर दिन दूसरी गर्ल्स से अलग दिखने की चाहत में गर्ल्स कर रही है खास तैयारी। कानपुर की कुछ एक्सपर्ट की टिप्स अपनाकर आप दिख सकती है दूसरों से जुदा..

स्कूलिंग से फ्री होकर कॉलेज का रुख करने वाली गर्ल्स के बीच इन दिनों खास तैयारियां चल रही है। अगर आप भी उनमें से एक है तो नई ड्रेस की शॉपिंग जरूर की होगी। दूसरी कॉलेज गोइंग गर्ल्स की तरह ही आपको भी यह चिंता सता रही होगी कि हमारी जैसी ड्रेस और स्टाइल में कोई दूसरी गर्ल दिख गई तो मजा किरकिरा हो जाएगा। ऐसा मत सोचिए, डिफरेंट लुक पाने के अन्य विकल्प भी है।

साथ रखें स्टोल्स

धनकुट्टी स्थित श्रीकृष्णा बुटीक की फैशन डिजाइनर सारिका अग्रवाल सलाह देती है, अपने बैग में कलरफुल स्टोल्स रखें। यह ब्राइट कलर में होने चाहिए। इनका फायदा आपको तब मिलेगा जब कोई दूसरी गर्ल आप जैसी ही कुर्ती या टॉप पहने होगी। आप कलरफुल स्टोल कैरी कर अलग लुक दिखा सकती है। इन दिनों फ्लोरल प्रिंट हॉट है, इसलिए ब्लैक, यलो और पिंक स्टोल खरीदें।

जंक जूडेंलि का जलवा

काशी ज्वैलर्स की जूडेंलि डिजाइनर कृति बताती है, डिफरेंट लुक पाने का सिंपल ऑप्शन है जंक जूडेंलि। पर्स में इसके दो-तीन ऑप्शन रखें। अगर आपकी जूडेंलि किसी से मेल खाती है तो अपने पास रखे दूसरे ऑप्शन को ट्राय कर सकती है। अगर आपकी ड्रेस दूसरे से मैच खाती है तो भी यह काम की साबित होगी।

मेकअप हो कुछ खास

ब्यूटी एक्सपर्ट अंजली बिताती है, मेकअप में ब्राइट कलर्स से बचें। लाइट कलर को प्राथमिकता में रखें और नेचुरल लुक पाने की कोशिश करे। इन दिनों कॉलेज गोइंग गर्ल्स के लिए आरेंज या फ्लोरोसेंट ग्रीन कलर इन है। कलर्स में आप इन्हे आजमाएं।

बोल्ड इमेज से बचें

कॅरियर काउसलर व पर्सनॉलिटी डेवलपमेंट एक्सपर्ट संजय मित्रा कहते है, कॉलेज में शुरु से ही बोल्ड इमेज बनाना ठीक नही है। ब्राइट कलर्स के शॉर्ट्स और कलरफुल कैप्री की जगह लाग स्कर्ट के ऑप्शन को फालो करे। ज्यादा बातें करना या हर मुद्दे पर तर्क रखना भी आपकी इमेज खराब करेगा। नए फ्रेंड्स से इतनी दूरी बनाकर रखें कि उनकी नजर में आपकी पर्सनॉलिटी औरों से जुदा रहे।

क्या खूब दिखती हो..

इसमें कोई शक नहीं कि इंसान की पहचान उसके काम और व्यवहार से बनती है, पर यह बात भी सही है कि सबसे पहले लोगों की नजर हमारे बाह्य व्यक्तित्व पर पड़ती है। इस लिहाज से अन्य बातों के साथ ही हमारा पहनावा भी समान रूप में मायने रखता है। यही नहीं, आत्मविश्वास जगाने में भी महत्वपूर्ण है पहनावा। जब ऐसा है तो क्यों न नई डिजाइन्स और पैटर्न के पहनावे को करें वार्डरोब में शामिल। इन दिनों फैशन में है पैरेलल सलवार-कुर्ता। वैसे सामान्य सफेद लेस से सजे कॉटन के प्रिंटेड पैरेलल सलवार-कुर्ते तो बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं, पर आप चाहें तो खास मौकों के लिए डिजाइनर पैरेलल सलवार-कुर्ता विशेष रूप से तैयार करवा सकती हैं। इसके लिए कॉटन के बजाय शिफॉन या जॉर्जेट फैब्रिक चुनें और उसमें फ्रेंच शैंट्ले लेस लगवाएं। याद रखें, गोटा और गोल्डन लेस ट्रेडीशनल लुक देती है, पर फ्रेंच शैंटले लेस पहनावे को बनाएगी ट्रेंडी। यह फ्रेंच शैंटले लेस आप कुर्ते में नीचे की ओर एवं आगे योक की तरह लगवा सकती हैं। साथ ही पैरेलल सलवार में नीचे की ओर यह लेस लगवाएं। इसी प्रकार चुनरी पर भी लेस अच्छी लगेगी। पैटर्न और डिजाइन में यह पहनावा लेटेस्ट फैशन के अनुरूप है। वहींमोती और स्वरोस्की से सजी खूबसूरत फ्रेंच शैंटले लेस पहनावे को भव्यता के साथ ही एक अलग लुक देगी। दोस्त की मैरिज एनिवर्सरी हो या फिर ऑफिस का कोई फंक्शन, हर लिहाज से परफेक्ट है यह पार्टी वेयर ड्रेस।

कुलदीप चौहान ने की धुआंधार बल्लेबाजी, यूथ क्रिकेट क्लब ने इंडियन क्रिकेट क्लब को दी मात

एजेंसी

लखनऊ। बाबू बनारसी दास क्रिकेट लीग के बी डिवीजन में यूथ क्रिकेट क्लब ने इंडियन क्रिकेट क्लब को 113 रनों से हरा दिया। इस मैच में कुलदीप चौहान ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 60 बाल पर 90 रन बनाये। यूथ क्रिकेट क्लब ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 40 ओवर में अपने सभी विकेट गवांकर 219 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज राहुल यादव मात्र पांच रन बनाकर आउट हो गये। वहीं विनायक शून्य पर ही पवेलियन लौट गये, जबकि शौर्य ने 40 रन का योगदान दिया। कुलदीप चौहान ने बल्लेबाजी संभालते ही धुआंधार बल्लेबाजी शुरू की। नौ चौका और चार छक्का की मदद से 60 बाल पर 90 रन बना डाले। वहीं इंडियन क्रिकेट क्लब 106 रन बनाकर ही आउट हो गयी और यूथ ने 113 रन से मैच को जीत लिया। अपनी टीम में सबसे अधिक आयुष ने 33 रन बनाये। वहीं अभिषेक ने 12 रन का योगदान दिया। वहीं गिरीजेश यादव ने 18 रन बनाये।

दोस्त की जान बचाने के प्रयास में हाथ गंवा बैठे थे पैरालिंपियन अजीत यादव

इटावा। एक हाथ से जैवलिन थ्रो का अभ्यास कर पैरालंपिक के पोडियम तक का सफर तय करने वाले इटावा जिले के पैरा लिंपियन खिलाड़ी अजीत यादव को केंद्र सरकार अर्जुन अवार्ड से सम्मानित करेगी इटावा के इतिहास में यह दूसरा मौका है जब किसी खिलाड़ी को अर्जुन अवार्ड से सम्मानित किया जा रहा है । इससे पहले भारतीय हॉकी गोलकीपर देवेश चौहान को अर्जुन एवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। जिले के भरथना तहसील क्षेत्र के ग्राम नगला विधी (साम्हों) के मूल निवासी भालाफेंक के पैरा लिंपियन खिलाडी अजीत सिंह यादव को 17 जनवरी को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू सम्मानित करेंगी अजीत सिंह यादव का सफर बेहद प्रेरणादायक है। इटावा जिले के एक छोटे गांव से निकलकर उन्होंने विश्वभर में भारत का नाम रौशन किया है। पांच सितंबर 1993 को जन्मे अजीत, 2017 तक एक सामान्य जीवन जी रहे थे, लेकिन एक रेल हादसे में अपने दोस्त की जान बचाने के प्रयास में उन्होंने अपना बायां हाथ खो दिया। एक साल तक स्वास्थ्य लाभ लिया लेकिन फिर ये आराम बैचैनी में बदल गया और अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर यह कामयाबी हासिल की।

उज्बेकिस्तान के खिलाफ भारत ने हार से की शुरुआत

लखनऊ। मेजबान भारत की यूथ अंडर-18 और जूनियर अंडर-20 टीम ने आईएचएफ ट्रॉफी पुरुष यूथ व जूनियर हैंडबॉल (कांटिनेंटल फेज-एशिया) में हार के साथ अपने अभियान की शुरुआत की।यूथ अंडर-18 में भारतीय टीम संघर्षपूर्ण मुकाबले में उज्बेकिस्तान से 34-47 से हार गयी जबकि जूनियर अंडर-20 टीम को उज्बेकिस्तान के खिलाफ 36-46 से हार का सामना करना पड़ा। शनिवार को मैच पूर्व निर्धारित समय से एक घंटा पहले खेले जायेंगे। केडी सिंह बाबू स्टेडियम के नवनिर्मित अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय हाल में उज्बेकिस्तान अंडर-20 मध्यांतर तक 19-17 से आगे थी। राखत जोल्दास्बाएव ने सबसे ज्यादा 11 गोल किए। रज्जबॉय शारिपोव व ज़ोरिकोव उमिडज़ोन ने 7-7 गोल दागे। भारत की ओर से अजय मोयाल ने सर्वाधिक 12 जबकि जसप्रीत सिंह व मनदीप ने 7-7 गोल किए। इससे पहले यूथ अंडर-18 में उज्बेकिस्तान ने भारत को 47-34 से हराया। मैच में मेहमान टीम ने मध्यांतर तक 23-17 से बढ़त बना ली थी। उज्बेकिस्तान ने उम्दा विंग अटैक व दमदार डिफेंस का सहारा लिया और खेल के आगे बढ़ने के साथ तेजतर्रार आक्रमण किए। उज्बेकिस्तान से नूरसुल्तान बोज़ोरबोव ने सर्वाधिक 10 गोल दागे। सफारोव व तुर्गुनोव कुवोंचबेक ने 9-9, दिलशोदेबेकोव ने 7 व बेहरुज़ रखमोनोव ने 5 गोल किए। भारत की ओर से मनीष यादव ने सबसे ज्यादा 11 गोल किए। रवि व प्रवीण गिल ने 5-5 जबकि अंशु व सुयश अवस्थी ने 4-4 गोल किए।

रिकलटन और बवूमा के शतक से दक्षिण अफ्रीका 300 के पार

केपटाउन। रायन रिकलटन (नाबाद 176) और कप्तान तेम्बा बवूमा (नाबाद 106) की शानदार शतकीय पारियों की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन का खेल समाप्त होने के समय चार विकेट पर 316 रन बना लिये है। आज यहां दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी एडन मारक्रम और रायन रिकलटन की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 61 रन जोड़े। 16वें ओवर में खुर्रम शहजाद ने एडन मारक्रम (17) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये वियान मुल्डर (पांच) को अब्बास ने अपना शिकार बनाकर दक्षिण अफ्रीका को दूसरा झटका दिया। इसके बाद आगा सलमान ने ट्रिस्टन स्टब्स (शून्य) को पवेलियन भेज दिया। एक समय दक्षिण अफ्रीका ने 72 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। ऐसे समय में बल्लेबाजी करने आये कप्तान तेम्बा बवूमा ने पारी को संभाला और तेजी के साथ रन भी बटोरे। दोनों बल्लेबाजों के बीच चौथे विकेट के लिए 235 रनों की साझेदारी हुई।

दूसरे दिन का खेल खत्म, भारत ने 141 रन पर खोए 6 विकेट, पंत का अर्धशतक

एजेंसी

सिडनी। भारत ने यहां शनिवार को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल खत्म होने पर अपनी दूसरी पारी में 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। रवींद्र जडेजा 8 और वाशिंगटन सुंदर 6 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत के अपनी पहली पारी में 185 रन बनाए थे, जिसके बाद ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई और भारत को पहली पारी के आधार पर 4 रनों की बढ़त हासिल हुई। दूसरी पारी में भारत को यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल ने सधी शुरुआत दिलाई। यशस्वी जायसवाल ने मिचेल स्टॉर्क को पहले ही ओवर में 4 चौके जड़ दिये। दोनों ने पहले विकेट के लिए 42 रन जोड़े। इसी स्कोर पर बोलैंड ने केएल राहुल (13) को बोल्ड कर भारत को पहला झटका दिया। राहुल के आउट होने के बाद जायसवाल भी चलते बने। 47 के कुल स्कोर पर बोलैंड ने उन्हें बोल्ड कर दिया। विराट कोहली एक बार फिर असफल रहे और 59 के कुल स्कोर

पर केवल 6 रन बनाकर बोलैंड का तीसरा शिकार बने। 78 के कुल स्कोर पर शुभमन गिल वेबस्टर को बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में एलेक्स कैरी को कैच थमा बैठे। दूसरी ओर पंत ने अपने चिर-परिचित अंदाज में बल्लेबाजी करनी शुरु की और केवल 28 गेंदों में अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने मिचेल स्टॉर्क की गेंद पर छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया और अगली ही गेंद पर एक और जोरदार छक्का जड़ा। 124 के कुल स्कोर पर पैट कमिंस ने पंत की इस आतिशी पारी का अंत किया। पंत ने केवल 33 गेंदों में 6 चौके और 4 छक्कों की बदौलत 61 रन बनाए। पंत के आउट होने के बाद नीतीश रेड्डी भी कुछ खास नहीं कर सके और 129 के कुल स्कोर पर केवल 4 रन बनाकर बोलैंड का चौथा शिकार बने। इसके बाद सुंदर (नाबाद 6) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 8) ने दिन का खेल समाप्त होने तक कोई और नुकसान नहीं होने दिया। दिन के खेल की समाप्ति पर भारत ने 6 विकेट पर 141 रन बना लिए हैं। भारत की कुल बढ़त 145 रनों की हो गई है। ऑस्ट्रेलिया की ओर से दूसरी पारी में स्टॉक बोलैंड ने 4, पैट कमिंस और वेबस्टर ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 181 रनों पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए ब्यू वेबस्टर ने सर्वाधिक 57 रन बनाए। वेबस्टर के अलावा स्टीवन स्मिथ ने 33, सैम कोंस्टास ने 23 और एलेक्स कैरी ने 21 रन बनाए। भारत की तरफ से मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा ने 3-3, जबकि जसप्रीत बुमराह और नीतीश रेड्डी ने 2-2 विकेट लिया।

विजय हजारे ट्रॉफी के एक ही संस्करण में लगातार दो बार 400 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बनी पंजाब

एजेंसी

अहमदाबाद। पंजाब विजय हजारे ट्रॉफी टूर्नामेंट में दो बार 400 से ज़्यादा का स्कोर बनाने वाली पहली टीम बन गई है। पंजाब ने यह उपलब्धि हैदराबाद के खिलाफ नरेंद्र मोदी स्टेडियम ग्राउंड ए पर 4 विकेट पर 426 रन बनाकर हासिल की। यह टूर्नामेंट में दूसरी बार था जब पंजाब ने 400 रन का आंकड़ा पार किया, इससे पहले सौराष्ट्र के खिलाफ़ पंजाब ने पाँच विकेट पर 424 रन बनाए थे।

पंजाब की पारी की नींव सलामी बल्लेबाज़ प्रभसिमरन सिंह ने रखी, जिन्होंने शानदार शतक (137) लगाया और आक्रामक बल्लेबाज़ी की मिसाल पेश की। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज़ ने अपनी पारी में 20 चौके और तीन छक्के लगाए और हैदराबाद के गेंदबाज़ी आक्रमण को आसानी से ध्वस्त कर दिया।

उनकी पारी ने पंजाब को धमाकेदार शुरुआत दिलाई, क्योंकि उन्होंने और अभिषेक शर्मा ने मिलकर पहले विकेट के लिए 196 रनों की विशाल साझेदारी की। जबकि प्रभसिमरन ने सुर्खियाँ बटोरीं, उनके सलामी जोड़ीदार अभिषेक ने तेज़ अर्धशतक (93) के साथ महत्वपूर्ण सहायक भूमिका निभाई। जैसे-जैसे पारी आगे बढ़ी, मध्यक्रम ने सलामी बल्लेबाजों द्वारा बनाए गए मंच का भरपूर लाभ उठाया। रमनदीप सिंह (80) और नेहल वढेरा (35) ने पारी को शानदार तरीके से समाप्त किया। रमनदीप के तेज अर्धशतक ने उनकी पारी को आसान बनाने की क्षमता को दर्शाया, जबकि वढेरा ने स्ट्राइक रोटेट करने और हैदराबाद के गेंदबाजों पर दबाव बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। दोनों की आखिरी क्षणों में की गई शानदार बल्लेबाजी ने पंजाब को 426 रनों के विशाल स्कोर तक पहुंचाया, जिससे हैदराबाद के सामने एक कठिन चुनौती खड़ी हो गई।

बार्सिलोना के कोच फ्लिक ने ओल्मो और पॉ विक्टर के टीम में शामिल नहीं होने से जताई नाराजगी

एजेंसी

मैड्रिड। एफसी बार्सिलोना के कोच हांसी फ्लिक ने स्वीकार किया कि वह उस स्थिति से खुश नहीं हैं, जिसके कारण क्लब सीजन के दूसरे भाग के लिए स्पेन के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी डेनी ओल्मो और फॉरवर्ड पॉ विक्टर को पहली टीम में शामिल नहीं कर पाया है। नए साल की पूर्वसंध्या से पहले वित्तीय निष्पक्ष खेल आवश्यकताओं को पूरा करने में बार्सिलोना की असमर्थता का मतलब था कि दोनों खिलाड़ियों को बार्का की पहली टीम के दल से हटा दिया गया था, नियमों के अनुसार एक खिलाड़ी को एक ही क्लब के साथ एक सत्र में दो बार पंजीकृत नहीं किया जा सकता है। इसका प्रभावी रूप से मतलब है कि ओल्मो एक मुफ्त हस्तांतरण पर क्लब से दूर जा सकते हैं, और हालांकि खिलाड़ी के एजेंट ने जोर देकर कहा कि उनका क्लब छोड़ने का कोई इरादा नहीं है, जब तक कि स्पेनिश फुटबॉल महासंघ के लिए अपील सफल नहीं होती है। शनिवार को कोपा डेल रे के तीसरे दौर के मुकाबले से पहले

निचली लीग बारबास्ट्रो के खिलाफ़ होने वाले मैच से पहले कोच ने कहा, ईमानदारी से कहूँ तो मैं इस स्थिति से खुश नहीं हूँ, लेकिन हालात ऐसे ही हैं और हम पेशेवर हैं। मैं फ़ुटबॉल पर ध्यान केंद्रित करता हूँ, हमें कोच बनना है और खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करना है - सभी को अपना काम करना है। उन्होंने कहा कि वे क्लब के अध्यक्ष जोआन लापोर्टा के साथ लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, मैं आशावादी हूँ, लेकिन अक्सर आपको निर्णय होने तक इंतज़ार करना पड़ता है। मुझे पूरा भरोसा है कि क्लब अपना काम करेगा।

सीबीए प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुने गए जू जी और केनेथ लॉफ्टन

एजेंसी

बीजिंग। ग्वांगडोंग सदर्न टाइगर्स के पॉइंट गार्ड जू जी और शंघाई शार्क्स के पावर फॉरवर्ड केनेथ लॉफ्टन को चीनी बास्केटबॉल एसोसिएशन (सीबीए) लीग का प्लेयर्स ऑफ द मंथ चुना गया है। ग्वांगडोंग टीम के लिए चोटों और अधूरे रोस्टर के बावजूद, जू ने दिसंबर 2024 में 14 मैचों में 39 मिनट प्रति गेम में औसतन 19.3 अंक, 4.0 रिबाउंड, 7.9 असिस्ट और 1.9 स्टील के साथ अपनी टीम की मदद की। उन्होंने इस दौरान औसतन 3-पॉइंट रेंज से 3.2 शॉट लगाए। लॉफ्टन ने प्रति गेम 31 मिनट में 23.7 अंक, 12.8 रिबाउंड, 7.1 असिस्ट, 1.6 स्टील और 1.3 ब्लॉक के प्रभावशाली आँकड़ों के साथ विदेशी खिलाड़ी श्रेणी के लिए सम्मान जीता। उन्होंने 12 मैचों में आठ डबल-डबल और दो ट्रिपल-डबल हासिल किए। लॉफ्टन के हरफनमौला प्रदर्शन से प्रेरित होकर, शंघाई, जो कभी अपने

शुरुआती 11 मैचों में से 10 हारने के बाद 20-टीम सीबीए स्टैंडिंग में सबसे नीचे बैठा था, 24वें राउंड तक 11 गेम की जीत की लकीर पर सवार है, और दिसंबर में इसका 11-1 रिकॉर्ड लीग में सर्वश्रेष्ठ था। ही, झेजियांग लायंस के गार्ड सन मिंगहुई को सीबीए डिफेंसिव प्लेयर ऑफ द मंथ चुना गया। 11वें और 24वें राउंड के बीच के खेलों के लिए मासिक पुरस्कार के दूसरे संस्करण में, सन ने 4.7फीसदी की स्टील प्रतिशत के साथ लीग में सर्वश्रेष्ठ 2.6 स्टील का औसत हासिल किया, जो लीग में चौथे स्थान पर है। पिछले महीने सन द्वारा खेले गए 11 खेलों में से 10 में जीत दर्ज करते हुए, झेजियांग वर्तमान में 21-4 के रिकॉर्ड के साथ शीर्ष पर है।

फरवरी में सभी प्रारूपों की श्रृंखला के लिए आयरलैंड की मेजबानी करेगा जिम्बाब्वे

एजेंसी

बुलावायो । जिम्बाब्वे फरवरी में आयरलैंड की मेजबानी करेगा, जिसमें सात मैचों का ऑल-फॉर्मेट दौरा शामिल है। यह दौरा 6 से 10 फरवरी तक बुलावायो में एकमात्र टेस्ट मैच के साथ शुरू होगा, उसके बाद हरारे में व्हाइट-बॉल लेग खेला जाएगा। टीमें 14, 16 और 18 फरवरी को तीन वनडे और 22, 23 और 25 फरवरी को इतने ही टी20 मैच खेलेंगी। मूल रूप से, इस श्रृंखला को आईसीसी पुरुष भविष्य के दौरा कार्यक्रम (एफटीपी) में छह व्हाइट-बॉल खेलों के साथ दो टेस्ट के लिए चुना गया था। जिम्बाब्वे क्रिकेट बोर्ड ने उक्त घोषणा की। जिम्बाब्वे वर्तमान में अफगानिस्तान के खिलाफ अपने बहु-प्रारूप घरेलू श्रृंखला के अंतिम चरण में है, जहां

उन्होंने क्रमशः टी20आई और वनडे सीरीज 2-1 और 2-0 से गंवा दी और उच्च स्कोरिंग, बारिश से प्रभावित पहले टेस्ट में ड्रॉ हासिल किया। यह दौरा 6 जनवरी को चल रहे दूसरे टेस्ट के साथ समाप्त होगा। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर मकोनी ने बैक-टू-बैक पूर्ण दौरों की मेजबानी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, हम आयरलैंड का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं, जो एक रोमांचक और प्रतिस्पर्धी दौरा होने का वादा करता है। जल्दी-जल्दी दो पूर्ण दौरों की मेजबानी करना हमारे खिलाड़ियों को नियमित अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता और जिम्बाब्वे में खेल को बढ़ाने के हमारे प्रयासों का प्रमाण है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड ने एक दूसरे के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच जुलाई 2024 में बेलफास्ट में खेला है। मेज़बान आयरलैंड ने मैच चार विकेट से जीता था। जिम्बाब्वे ने आखिरी बार 2023 के अंत में छह सफ़ेद गेंद वाले मुकाबलों के लिए आयरलैंड की मेज़बानी की थी। वे टी20 श्रृंखला 2-1 और वनडे 2-0 से हार गए थे।

केकेएफआई ने खो-खो विश्व कप 2025 के लिए किया ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय खो-खो महासंघ (केकेएफआई) ने जनपथ स्थित इंपीरियल होटल में 13 से 19 जनवरी, 2025 के बीच होने वाले पहले खो-खो विश्व कप के लिए प्रतिष्ठित ट्रॉफी और मैस्कॉट का अनावरण किया। भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई) के तत्वावधान में आयोजित होने वाले इस टूर्नामेंट में नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में छह महाद्वीपों के 24 देशों की 21 पुरुष और 20 महिला टीमें भाग लेंगी। विश्व कप में दो शानदार ट्रॉफी (पुरुषों की चैंपियनशिप के लिए एक नीली ट्रॉफी और महिलाओं के इवेंट के लिए एक हरी ट्रॉफी) होंगी। दोनों ट्रॉफियाँ अपने समकालीन डिज़ाइन के ज़रिए खो-खो की गतिशील भावना को दर्शाती हैं, जिसमें बहते हुए कर्व और सुनहरे रंग की आकृतियाँ उकेरी गई हैं। नीली ट्रॉफ़ी विश्वास, दृढ़ संकल्प और सार्वभौमिक अपील का प्रतीक है, जबकि हरी ट्रॉफ़ी विकास और जीवन शक्ति का प्रतिनिधित्व करती है। दोनों ही ट्रॉफ़ीज़ में जटिल क्रिस्टल डिटेलिंग है, जो प्रतियोगिता के उच्चतम स्तर पर अपेक्षित सटीकता और उत्कृष्टता का प्रतीक है। फ़ेडरेशन ने टूर्नामेंट के आधिकारिक मैस्कॉट के रूप में काम करने वाले हिरणों की एक गतिशील जोड़ी तेजस और तारा को भी गर्व से दुनिया के सामने पेश किया। ये मैस्कॉट गति, चपलता और टीम वर्क के खेल के मूल गुणों को दर्शाते हैं। तेजस, जो प्रतिभा और ऊर्जा का प्रतीक है और तारा, जो मार्गदर्शन और आकांक्षा का प्रतिनिधित्व करती है, को पारंपरिक भारतीय रूपांकनों से सजी जीवंत नीले और नारंगी रंग की खेल पोशाक में दर्शाया गया है, जो खेल की विरासत और इसके आधुनिक आकर्षण दोनों का जश्न मनाती है।

मेहदी हसन ने बांग्लादेश टी-20 टीम की कप्तानी के लिए पेश की दावेदारी

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश के हरफनमौला खिलाड़ी मेहदी हसन ने टी-20 कप्तानी के लिए अपनी दावेदारी पेश की है। उन्होंने कहा कि अगर मौका मिलता है तो वह इसका लुत्फ उठाने के लिए तैयार हैं। यह घोषणा बीसीबी अध्यक्ष फारुक अहमद द्वारा आधिकारिक तौर पर घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था कि वे नए टी-20 कप्तान की तलाश कर रहे हैं, क्योंकि नजमुल हुसैन सबसे छोटे प्रारूप में टीम का नेतृत्व नहीं करना चाहते हैं। फारूक ने शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में संवाददाताओं से कहा, चोट के कारण शांतो टीम से बाहर हो गए हैं और अगर वह वापस आते हैं तो वह कप्तान (टेस्ट और वनडे में) के रूप में वापसी करेंगे। उन्होंने हमें बताया कि वह टी-20 कप्तान के रूप में सहज नहीं हैं और हम इस पद के लिए किसी और के बारे में सोच रहे हैं। चूंकि हमें छह महीने बाद टी-20 खेलना है, इसलिए यह तत्काल मुद्दा नहीं है और हम इसके बारे में बाद

में सोच सकते हैं, इसलिए हम इसके लिए इंतजार कर सकते हैं। उन्होंने कहा, मैं हमेशा सोचता हूं कि कप्तानी करने वाले क्रिकेट दिमाग और फॉर्म के बीच कोई संबंध नहीं है, लेकिन अगर कोई व्यक्ति लंबे समय तक फॉर्म में नहीं है तो यह चिंता का विषय है। हालांकि वह (लिटन) कप्तान के रूप में फॉर्म में नहीं आ सके, लेकिन उन्होंने वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया और यह एक कप्तान का सबसे बड़ा गुण है कि उनका व्यक्तिगत प्रदर्शन उनकी कप्तानी को प्रभावित नहीं कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि वह जल्दी ही फॉर्म में लौट आएंगे और जब हम कप्तानी के बारे में बात करेंगे तो वह सबसे आगे होंगे।जब फारुक एसबीएनएस प्रेस बॉक्स में अचानक आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रेस को संबोधित कर रहे थे, तब मेहदी हसन, जिन्होंने वेस्टइंडीज में टेस्ट और वनडे में अंतरिम कप्तान की भूमिका निभाई थी, क्योंकि नजमुल चोट के कारण सीरीज से बाहर हो गए थे, ढाका कैपिटल्स के खिलाफ खुलना टाइगर्स की अगुआई कर रहे थे। उन्होंने अपने मैन-ऑफ-द-मैच प्रदर्शन के साथ अपनी टीम को 20 रन से जीत दिलाने में मदद की - अपने चार ओवरों में छह रन देकर तीन विकेट चटकाए।

रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा संस्करण कल से, लद्दाख करेगा मेजबानी

एजेंसी

लेह। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग का दूसरा संस्करण 4 जनवरी, 2025 से 13 जनवरी, 2025 तक लेह के नवांग दोरजे स्टोबडान स्टेडियम में शुरु होगा। इस साल की लीग का उद्देश्य पहले संस्करण की सफलता को आगे बढ़ाना और एक बार फिर से पूरे क्षेत्र के स्थानीय प्रतिभाओं को एक साथ लाना है। रॉयल एनफील्ड आइस हॉकी लीग 2025 में कुल 30 मैच खेले जाएंगे, जिनमें 23 पुरुषों की श्रेणी और 10 महिलाओं की श्रेणी के होंगे। पुरुषों का टूर्नामेंट 10 टीमों को दो समूहों में विभाजित करके आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक समूह से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। महिलाओं का टूर्नामेंट भी राउंड-रॉबिन प्रारूप में आयोजित होगा, जिसमें तीन और दो टीमों के दो समूह होंगे। सेमीफाइनल और फाइनल क्रमशः 12 जनवरी (महिलाओं का फाइनल) और 13 जनवरी (पुरुषों का फाइनल) को खेले जाएंगे लोसार त्योहार के बाद आयोजित होने वाली यह लीग खिलाड़ियों को सर्दियों के महीनों में

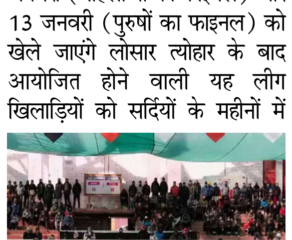

सक्रिय बनाए रखने के साथ-साथ सामुदायिक जुड़ाव का अनुभव प्रदान करने का उद्देश्य रखती है। यह पहल रॉयल एनफील्ड के लद्दाख में सामाजिक मिशन का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य स्थानीय प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और आइस हॉकी को क्षेत्रीय स्तर पर एक प्रमुख खेल के रूप में विकसित करना है।

राज्यपाल ने परंपरागत खेल प्रतियोगिता-2025 का किया शुभारम्भ

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के मार्गदर्शन और प्रेरणा से राजभवन में परंपरागत खेल प्रतियोगिता-2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ स्वयं राज्यपाल ने किया। प्रतियोगिता में विभिन्न रोचक खेलों का आयोजन हुआ, जिसमें कलर बाल प्रतियोगिता, बालक-बालिकाओं हेतु, 50 मीटर दौड़ प्रतियोगिता और पुरुष वर्ग के लिए 100 मीटर दौड़ शामिल थीं। राज्यपाल ने बच्चों और प्रतिभागियों को खुद मौजूद रहकर प्रोत्साहित किया। अपने संबोधन में उन्होंने खेलों के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि खेल हमें न केवल शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत बनाते हैं, बल्कि जीवन की परेशानियों और संघर्षों से लड़ने की प्रेरणा भी देते हैं।

उन्होंने कहा, '2003 में खेलो गुजरात से जो शुरुआत हुई थी, वह आज खेलो उत्तर प्रदेश तक आ पहुंची है।राज्यपाल ने यह भी कहा कि हर व्यक्ति में एक विशेष गुण होता है, जिसे पहचानकर और मेहनत के जरिए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने बताया कि खेलों के माध्यम से हमें जीवन की चुनौतियों से जूझना और संघर्ष करना सीखना चाहिए। उन्होंने खेल भावना को बढ़ावा देने पर बल देते हुए कहा कि खेल में प्रतिस्पर्धा के दौरान एक-दूसरे को प्रेरित करना चाहिए और ईमानदारी व समर्पण के साथ प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी साझा किया कि वे स्वयं एक बेहतरीन खिलाड़ी रह चुकी हैं और खेलों ने उनके जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

अंत में, उन्होंने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि खेल जीवन को सकारात्मक दृष्टिकोण देने का माध्यम है और यह सिखाता है कि जीवन की समस्याओं को कैसे पार किया जाए। इस आयोजन ने बच्चों और प्रतिभागियों में जोश और उत्साह भर दिया और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक नई प्रेरणा प्रदान की। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, अपर मुख्य सचिव राज्यपाल डॉ0 सुधीर महादेव बोबडे, विधिक परामर्शदाता प्रशांत मिश्रा सहित राजभवन के अन्य अधिकारी/कर्मचारीगण, अध्यासितगण तथा प्रतिभागी उपस्थित थे।

यूपी स्टेट क्लोज स्क्वैश चैंपियनशिप में धामपुर के राघव ने फाइनल में बनाई जगह

पुणे।

कानपुर। 'द स्पोर्ट्स हब' में चल रही टीएसएच यूपी स्टेट क्लोज स्क्वैश चैंपियनशिप में बालकों के अंडर-17 वर्ग में धामपुर के राघव वशिष्ठ ने फाइनल खेलने के लिये स्थान सुरक्षित कर लिया। यहां खेले गये सेमी फाइनल मुकाबले में राघव ने टीएसएच कानपुर के तेजस्व डी को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर फाइनल खेलने का रास्ता साफ कर लिया। इधर पुरुष वर्ग में धामपुर के राघव वशिष्ठ और नोयडा के आर्यन प्रताप सिंह ने सेमी फाइनल खेलने के लिये स्थान सुरक्षित कर लिया। उधर महिला वर्ग में आईआईटी कानपुर की निधि रावत, धामपुर की अरोमा, धामपुर की खुशबू और जूनियर इंडिया रैकिंग खिलाड़ी प्रयागराज की उन्नती त्रिपाठी ने अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुये अंतिम चार में जगह बना ली प्रतियोगिता के दूसरे दिन आज धामपुर के राघव वशिष्ठ ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में कानपुर के अनुरुप जालान को 3-0 से और नोयडा के आर्यन प्रताप सिंह ने राजधानी लखनऊ के अवनीश अग्रवाल को 3-0 से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। इधर महिला वर्ग के क्वार्टर फाइनल मैचों में आईआईटी कानपुर की निधि

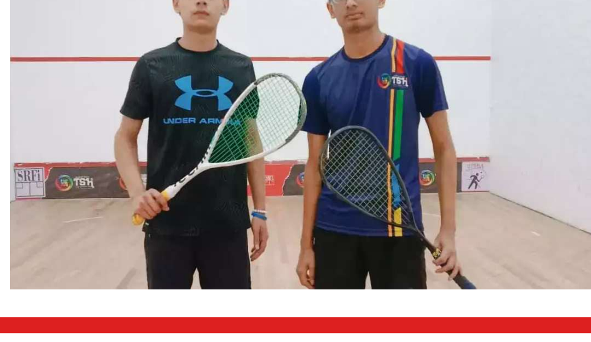

रावत ने प्रयागराज की अरनी सिंह को सीधे सेटों में 3-1 से, धामपुर की अरोमा ने वाराणी की राधिका प्रसाद को सीधे सेटों में 3-0 से, धामपुर की खुशबू ने अपने ही शहर की प्रियांशी रानी को 3-0 से और प्रयागराज की उन्नती त्रिपाठी ने धामपुर की फाबिहा नफीस को 3-0 से हराकर सेमी फाइनल खेलने के लिये स्थान सुरक्षित कर लिया। अंडर-19 बालकों के वर्ग में वाराणसी के आयुष पाल ने प्रयागराज के अंशी आनंद को 3-0, प्रयागराज के अंकित पटेल ने वाराणसी के समर जैसल को 3-1 से हराकर सेमी फाइनल में प्रवेश किया। इधर अंडर-17 बालकों के वर्ग क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में बरेली के युग खंडेलवाल ने कानपुर के अंकित कुमार को 3-0 से, कानपुर के हर्षित पाल ने प्रयागराज के शुभम जायसवाल को 3-1 और कानपुर के ही तेजस्वा डी ने बरेली के आर्यन प्रजापति को सीधे सेटों में 3-0 से हराकर अंतिम चार में जगह बना ली। उत्तर प्रदेश स्क्वैश एसोसिएशन के सचिव विनय पांडे ने बताया कि अन्य सेमी फाइनल व फाइनल शनिवार सुबह से खेले जायेंगे। प्रतियोगिता का पुरस्कार वितरण व समापन कल चार जनवरी को शाम चार बजे होगा।

कृति सैनन ने दिया अपने बॉयफ्रेंड को धोखा? सोशल मीडिया पर वायरल हुई यह पोस्ट

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति सैनन अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर फिर एक बार सुर्खियों में हैं। आदिपुरुष फेम एक्ट्रेस के पॉडकास्ट का एक क्लिप इंटरनेट पर वायरल है जिसमें वह अपनी निजी जिंदगी के बारे में कह रहे हैं कि अगर किसी ने उनके साथ गलत किया है तो वह उसे दोबारा मौका नहीं दे पाती हैं। एक्ट्रेस के इसी इंटरव्यू के वीडियो पर एक यूजर ने जो कमेंट किया है वो इंटरनेट पर वायरल हो गया है। यह सोशल मीडिया यूजर खुद को एक्ट्रेस का कॉलेज मेट होने का दावा कर रहा है।

कृति सैनन ने दिया था अपने बॉयफ्रेंड को धोखा

सोशल मीडिया यूजर ने कमेंट में लिखा, कृति मेरे कॉलेज जेपी यूनिवर्सिटी से हैं, साथ ही उनका एक काफी रईस बॉयफ्रेंड था। वह उसी बॉयफ्रेंड के पैसों पर निर्भर थीं और यहां तक कि उस बंदे ने एक्ट्रेस को मुंबई शिफ्ट होने में भी मदद की, जहां दोनों साथ में रहते थे। लेकिन पहली फिल्म मिलने के बाद उनका (कृति) का बर्ताव नाटकीय ढंग से बदल गया, और तकरीबन 6 महीने के बाद कृति सैनन ने उसे चीट करना शुरू कर दिया।

धोखा खाने के बाद वह पूरी तरह टूट गया था

कृति सैनन के इस पॉडकास्ट पर यूजर ने आगे लिखा, वह धोखा खाने के बाद पूरी तरह टूट गया था, वह गीक्स फॉर गीक्स के मैनेजर का अच्छा दोस्त था। मैं यह सब इसलिए भी जानता हूं क्योंकि मैंने उस मैनेजर के अंडर काम किया है। वो मैनेजर, वो बंदा, और मैं, सभी एक ही कॉलेज में पढ़े हैं। हालांकि हम सभी के बैच अलग-अलग थे। इस क्लिप पर कई लोगों ने अपने-अपने रिएक्शन दिए हैं। लोगों एक तरफ जहां इस बात पर यकीन नहीं हो रहा है वहीं दूसरी तरफ कृति सैनन के फैंस सपोर्ट में आगे आ गए हैं।

कमेंट सेक्शन में सपोर्ट में आ गए कृति फैंस

एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, मुझे नहीं लगता कि यह सच है। वहीं दूसरे ने कमेंट किया गया- मुझे नहीं पता था कि एक वक्त पर कमेंट को लेकर भी रील बनाई जाएंगी। एक सोशल मीडिया यूजर ने पोस्ट किया- यह जाहिर तौर पर झूठ है क्योंकि उसके पिता भी इंडस्ट्री से थे और वह कॉलेज के दिनों से ही मॉडलिंग कर रही है। तो अगर मैं कृति सैनन को पसंद नहीं भी करता तो भी मुझे इस बात पर यकीन नहीं होता। दो पत्ती, तेरी बातों में ऐसा उलझा जिया और आदिपुरुष जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं कृति सैनन की अगली फिल्म का फैंस को बेसब्री से इंतजार है।

महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज की फिल्म का बजट हैरान कर देगा, एसएस राजामौली के करियर की

डायरेक्टर एसएस राजामौली, महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा को लेकर अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म में एक्टर पृथ्वीराज भी होंगे। अब फिल्म के बजट को लेकरखबर सामने आई है। बताया जा रहा है इस फिल्म के लिए प्रोड्यूसर ने 1000 करोड़ रूपए का बजट दिया है। ये अभी तक की सबसे महंगी इंडियन फिल्म होने वाली है

जिसे दो भागों में बनाया जाएगा। फिल्म की स्क्रिप्ट पूरी हो चुकी है। शूटिंग इस साल अप्रैल से शुरू होगी। फिल्म 2027 से 2029 के बीच रिलीज होगी। खास बात यह है कि एसएस राजामौली और महेश बाबू ने इस प्रोजेक्ट के लिए प्रोड्यूसर्स के साथ 40त्न की डील की है। बड़े बजट की फिल्म के लिए OTT प्लेटफॉर्म्स से भी मोटी रकम वसूली जाने की खबर है।

प्रियंका चोपड़ा कई हिंदी स्क्रिप्ट पर विचार कर रही थीं। लेकिन एसएस राजामौली के इस प्रोजेक्ट के लिए हां बोलने के लिए एक्ट्रेस छ हफ्तों का लंबा समय ले लिया। उन्हें ग्लोबल स्टार महेश बाबू के साथ देखने का इंतजार हो रहा है। इस फिल्म में पृथ्वीराज भी अहम किरदार में नजर आने वाले हैं। फिल्म फिलहाल प्री प्रोडक्शन में हैं। फिल्म के लिए फैंस को दो साल का लंबा इंतजार करना पड़ेगा।

बता दें, प्रियंका चोपड़ा को लंबे समय से हिंदी फिल्मों में देखने का इंतजार हो रहा है। एक्ट्रेस आखिरी बार फरहान अख्तर के साथ फिल्म 'द स्काई इज पिंक' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्हें फरहान अख्तर की ही अगली फिल्म 'जी ले जरा' में देखने का इंतजार हो रहा था। हालांकि, फिल्म की शूटिंग अभी तक शुरू नहीं हुई है। उम्मीद है आने वाले साल में एक्ट्रेस बॉलीवुड फिल्मों में भी नजर आएंगी।

फिनाले से पहले टूट जाएगी चुम और श्रुतिका की दोस्ती? अर्जुन की सीख से बिगड़ सकते हैं रिश्ते

बिग बॉस के घर में रिश्तों का बनना और उनका बिगड़ा बेहद आम सी बात है. बिग बॉस 18 में फैमली वीक चल रहा है. कंटेस्टेंट्स के घरवाले उन्हें जीत की तरफ बढ़ने का हौसला देते हुए नजर आए. ज्यादातर कंटेस्टेंट्स के फैमली मेंबर का यही कहना था कि अब फिनाले में महज 15 दिन बाकी हैं और आपको अपने गेम पर ध्यान देना चाहिए. विवियन डीसेना की पत्नी नौरान ने भी उनसे यही कहा था. अब श्रुतिका अर्जुन के पति अर्जुन ने भी उनसे यही कहा है. उनका साफ कहना है कि सारे रिश्तों को साइड रखकर पहले अपने लिए खेलो.शो देखने वाले अब तक ये बात अच्छे से समझ चुके हैं कि इस सीजन में अगर किसी की दोस्ती सबसे अच्छी है तो वो चुम और श्रुतिका हैं. चुम और श्रुतिका एक-दूसरे के लिए काफी कुछ करते हैं. श्रुतिका ने ही चुम को टाइम गॉड भी बनाया है और उन्हें कई बार नॉमिनेशन टास्क के दौरान सेफ भी किया है. इतना ही नहीं श्रुतिका ने तो खुद को नॉमिनेट करके भी उन्हें बचाया है. अब जब फैमली वीक में श्रुतिका के पति घर में आए, तो उन्होंने पहले तो भागकर अपनी पत्नी को गले लगा लिया.

अर्जुन ने दी श्रुतिका को गेम खेलने की सलाह

दोनों एक-दूसरे को देखकर काफी इमोशनल नजर आए. वहीं सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में साफ-साफ देखा जा सकता है कि अर्जुन अपनी वाइफ श्रुतिका को गेम की अहमियत समझाते हुए नजर आ रहे हैं. वो उन्हें समझा रहे हैं कि पहले अपने लिए खेलो. दूसरों को बोलो कि मैं तुम्हें पसंद करती हूं लेकिन पहले मैं अपने लिए खेलूंगी. अर्जुन कहते हैं कि अब ये कुछ मत सोचो..बहुत हो गया. अब आखिरी 15 दिन बचे हैं आपके लिए..आप इस घर में इंजॉय करो. लड़ना है लड़ोज्एंटरटेन करोज्रिश्तों के बारे में ज्यादा सोचने की जरूरत नहीं है. साफ कहो कि अगर कोई टास्क होगा मैं सिर्फ अपने लिए खेलूंगी.अर्जुन आगे कहते हैं कि साफ कह दो सबसे कि मैं तुम्हें या तुम्हें सपोर्ट नहीं करूंगी. ये आखिरी 15 दिन ट्राफी के लिए हैं. मैं ट्रॉफी के लिए खेलूंगी. ट्रॉफी मैं किसी के साथ शेयर नहीं करूंगी. दोस्ती मायने रखती है, लेकिन गेम और टास्क में मैं अपने लिए खेलूंगी. इस क्लिप को देखने के बाद हर कोई इसी बात का अंदाजा लगा रहा है कि इन बातों का असर कहीं श्रुतिका और चुन की दोस्ती पर न पड़ जाए, क्योंकि इन दोनों को हमेशा एक-दूसरे के लिए खेलते हुए देखा गया है.

पंजाबी फिल्मों में फ्लॉप हुईं तो इन 5 एक्ट्रेसेस को मिला भोजपुरी सिनेमा का सहारा, अब कर रहीं सुपरस्टार्स के साथ काम

भोजपुरी सिनेमा अब धीरे-धीरे बढ़ रहा है और यहां के सितारों को देशभर में पहचान भी मिल रही है. वहीं भोजपुरी गानों को विदेशों में भी सुना जाने लगा है. भोजपुरी सिनेमा से अब पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री भी जुड़ रही है और पंजाब के कलाकार भोजपुरी फिल्मों में भी हाथ आजमा रहे हैं. भोजपुरी सिनेमा में ऐसी कई एक्ट्रेसेस हैं, जो पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं और अब भोजपुरी में भी काम कर रही हैं.

भोजपुरी सिनेमा में किस्मत आजमाने आईं पंजाबी एक्ट्रेसेस

भोजपुरी फिल्मों में काम करने वाली सभी एक्ट्रेसेस भोजपुरी समाज से नहीं जुड़ी हैं. कुछ ऐसी एक्ट्रेसेस हैं जो पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से ताल्लुक रखती हैं, लेकिन भोजपुरी फिल्मों में भी अब एक्टिव हैं, वो एक्ट्रेसेस कौन-कौन सी हैं, आइए जानते हैं.

जैज सोढ़ी

पंजाबी एक्ट्रेस जैज सोढ़ी ने दिनेश लाल के साथ फिल्म आए हम बारात लेके में काम किया है. इसके अलाावा उन्होंने कुछ भोजपुरी गानों में भी अपनी अदाएं दिखाई हैं. वहीं पांजाबी फिल्मों में जैज ने 'फैमिली 420 वन्स अगेन' और 'मैं तेरी तू मेरा' जैसी फिल्में की हैं.

प्रियंका खेरा

पंजाबी एक्ट्रेस प्रियंका खेरा ने कई पंजाबी टीवी सीरियल में काम किया है. इसके अलावा 'रिश्ता क्या कहलाता है' में भी इन्होंने काम किया है. अब प्रियंका भोजपुरी फिल्मों में भी नजर आती हैं और इन्हें पवन सिंह के साथ हिंदी गाने 'याद आती नहीं' में देखा गया.

स्वाति चौहान

पंजाबी म्यूजिक एल्बम में नजर आ चुकीं एक्ट्रेस स्वाति चौहान भी भोजपुरी सिनेमा का हिस्सा हैं. उन्होंने पवन सिंह के साथ एक गाना 'तुम्हारे सिवा' में काम किया. भोजपुरी स्टार के साथ काम करने से पहले स्वाति पंजाबी म्यूजिक एल्बम में भी नजर आ चुकी हैं.

रेणुका पवार

पंजाबी एक्ट्रेस रेणुका पवार हरियाणवी और पंबाजी म्यूजिक वीडियो में नजर आ चुकी हैं. उन्होंने पवन सिंह के साथ हिंदी म्यूजिक वीडियो में काम किया और कुछ भोजपुरी फिल्मों के साथ भी जुड़ी हैं.

नेहा मलिक

पंजाबी एक्ट्रेस नेहा मलिक भी भोजपुरी सिनेमा से जुड़ चुकी हैं. इन दिनों वो सोशल मीडिया सेंसेशन बनी हुई हैं. नेहा कई पंजाबी म्यूजिक वीडियो में नजर आई हैं और खेसारी लाल के साथ वो हिंदी गाना 'तेरे मेरे दरमियां' म्यूजिक वीडियो में नजर आई थीं.